THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

तीन दिन के भारत दौरे पर आ रहे हैं फ्रांस के राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी से तीन दिवसीय भारत यात्रा पर रहेंगे। यह जानकारी मंगलवार को विदेश मंत्रालय दी। यहां वे एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।इसके अतिरिक्त, नेता इंडो-पैसिफिक में सहयोग सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोदी और मैक्रोन संयुक्त रूप से 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष' का उद्घाटन करने के लिए मुंबई में भी उपस्थित रहेंगे।

वर्ष-30 अंक : 316 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन-कृ.9, 2082 बुधवार, 11 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद* पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक संसद में

नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला

संसद में सियासी रार

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव

- ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया।
- कांग्रेस, डीएमके, सपा समेत लगभग 120 सांसदों ने किए हस्ताक्षर।
- कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा- संविधान के अनुच्छेद 94-सी का इस्तेमाल

> 9 मार्च को चर्चा की संभावना

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें।

वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का है जिक्र

विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का जिक्र किया गया है। इनमें एक में कहा गया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में चीन के खिलाफ 2020 के घटनाक्रम को उठाया था। जानकारी के मुताबिक, नौ मार्च को बिरला को लोकसभा स्पीकर के पद से हटाने के लिए विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। इस दौरान के कम से कम पचास सांसदों को खड़े होकर समर्थन दिखाना होगा। इसके बाद ही पीठासीन अधिकारी इस प्रस्ताव पर औपचारिक रूप से चर्चा की अनुमति दे सकता है।

तिरुपति लड्डू मिलावट मामले में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज

> कमाई की रकम की जांच करेगी ईडी

अमरावती, 10 फरवरी(स्वतंत्र वाता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम मामले में बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि ईडी ने घी में कथित मिलावट घोटाले की जांच के लिए धन शोधन का मुकदमा दर्ज किया है। यह केस धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया है ताकि अवैध तरीके से कमाए गए पैसों की जांच हो सके।

36 लोगों को बनाया गया है आरोपी

अधिकारियों ने बताया कि ईडी इस मामले में सीबीआई की अगुवाई वाली विशेष जांच दल (एसआईटी) के हाल ही में फाइल की गई एफआईआर, दस्तावेज और चार्जशीट को देख रहा है। एसआईटी ने इस मामले में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के नौ अधिकारियों और पांच डेयरी एक्सपर्ट्स समेत 36 लोगों को आरोपी बनाया है। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को घी बताकर जो सामान बेचा गया, वह असल में केमिकल से प्रोसेस किया हुआ पामोलिन तेल और अन्य चीजें थीं।

अब ईडी यह पता लगाएगी कि आरोपियों ने मिलावटी घी बेचकर पैसे कैसे कमाया। एजेंसी को शक है कि इसमें हवाला के जरिए पैसों का लेन-देन हुआ है और फंड का गलत इस्तेमाल किया गया है।

किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने मंगलवार को विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति 'मुद्रित या डिजिटल रूप में' प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। अब पेंगुइन इंडिया के ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए जनरल एमएम नरवणे ने एक्स पर लिखा कि किताब की वर्तमान स्थिति यह है। इसी बीच प्रकाशन की ओर से एक अन्य बयान भी जारी किया गया है। जिसमें प्रकाशक ने कहा है कि किसी किताब या उसके प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होने की घोषणा को पब्लिकेशन नहीं माना जाना चाहिए। इसके साथ पब्लिकेशन हाउस ने कहा है कि प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध किताब और पब्लिश हुई किताब एक ही बात नहीं हैं। 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' (पीआरएचआई) ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की अनधिकृत प्रतियां उपलब्ध होने की खबरों के बीच कहा है कि इसके प्रकाशन का अधिकार केवल उसके पास है और यह पुस्तक अब तक प्रकाशित नहीं हुई है।

एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी

सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए जारी किया आदेश

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता।

पीएम मोदी डिग्री मामला

'केवल सनसनी फैलाने का प्रयास' डीयू का दो टूक जवाब

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री से जुड़ी जानकारी के खुलासे को लेकर चल रहे मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने अपील दाखिल करने में हुई देरी पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए विश्वविद्यालय को तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय दे दिया। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ ने कहा जैसा कि प्रार्थना की गई है, देरी माफ करने से संबंधित आवेदन पर आपत्ति दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया जाता है। मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील दी कि इस पूरे मामले में कुछ भी ठोस नहीं है और इसे केवल सनसनी फैलाने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है।

राहुल बोले- कंपनी झूठ बोल रही या नरवणे

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया।

कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। दरअसल, कंपनी की सफाई इसलिए आई क्योंकि किताब की अनऑथोराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा सामने आया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है। राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा-एमएम नरवणे ने एक्स पर पोस्ट किया है, 'हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है।

साइबर अपराध के खिलाफ मजबूत तंत्र की जरूरत : शाह

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'साइबर-आधारित धोखाधड़ी से निपटना और इसके तंत्र को समाप्त करना' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आई4सी, राज्य पुलिस, सीबीआई, एनआईए, ईडी, दूरसंचार विभाग, बैंकिंग प्रणाली, आईटी मंत्रालय, आरबीआई और न्यायपालिका जैसे संस्थान सभी साइबर अपराध को रोकने और कम करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जनवरी 2020 से 2025 तक आई4सी के रिपोर्टिंग पोर्टल का व्यापक उपयोग हुआ है। 30 नवंबर 2025 तक इसे 23 करोड़ से अधिक बार इस्तेमाल किया गया, जो इसकी बढ़ती अहमियत को दर्शाता है। इसी अवधि में 82 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं।

'क्या इसके पीछे कोई देशव्यापी नेटवर्क?'

लापता बच्चों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; कहा-इसका पता लगाएं

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों से बच्चों के लापता होने के बढ़ते मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से अहम सवाल पूछे। शीर्ष अदालत ने केंद्र से यह पता लगाने को कहा कि क्या इन घटनाओं के पीछे कोई देशव्यापी नेटवर्क काम कर रहा है या फिर ये केवल अलग-अलग राज्यों में होने वाली बिखरी हुई घटनाएं हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि यह जानना बेहद जरूरी है कि बच्चों के लापता होने के मामलों में कोई पैटर्न है या नहीं। अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह सभी राज्यों से आंकड़े एकत्र कर उनका विश्लेषण करे।

पूरे आंकड़े मिलने के बाद ही होगी सही जांच

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि कुछ राज्यों ने लापता बच्चों और अभियोजन से जुड़े आंकड़े सौंप दिए हैं, लेकिन करीब एक दर्जन राज्यों ने अब तक डेटा उपलब्ध नहीं कराया है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी राज्यों से पूरी जानकारी नहीं मिलती, तब तक किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है।

सुप्रीम कोर्ट की दो-टूक

पीठ ने केंद्र से साफ शब्दों में कहा हम जानना चाहते हैं कि बच्चों के लापता होने के पीछे कोई राष्ट्रीय नेटवर्क है या राज्य-स्तरीय गिरोह। क्या यह कोई पैटर्न है या केवल संयोग? कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया कि जिन बच्चों को बचाया गया है, उनसे पूछताछ कर यह पता लगाया जाए कि इन घटनाओं के पीछे कौन जिम्मेदार है। साथ ही, अदालत ने डेटा नहीं देने वाले राज्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जरूरत पड़ी तो सख्त आदेश भी दिए जा सकते हैं।

लोकसभा में थरूर ने सरकार को घेरा

पीएम किसान निधि और वीबी जी राम जी कानून का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र में जारी गतिरोध खत्म हो गया है। जिसके बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में बजट पर चर्चा की बहस में हिस्सा लिया। इस दौरान शशि थरूर में सरकारी खर्च में कमी और कर राजस्व संग्रह में ठहराव की भी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय बजट को 'निराशाजनक' बताया।

किसान सम्मान निधि राशि बढ़ाने की अपील

लंबे गतिरोध के बाद लोकसभा में दोपहर दो बजे कामकाज शुरू हुआ। आम बजट 2026 पर चर्चा के दौरान केरल की तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाग लिया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि (पीएमकेवाई) के तहत किसानों को दी जाने वाली आर्थिक मदद का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार को दो हजार की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मनरेगा को बदलकर बनाए गए वीबी जी राम जी कानून का मुद्दा भी उठाया।

सरकार सिर्फ हेडलाइन मैनेज करती है : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बजट पर चर्चा के दौरान सरकार के काम के आंकड़े सामने रखे। उन्होंने कई योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार सिर्फ हेडलाइन मैनेज करती है, असलियत कुछ और है। थरूर ने मांग करते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा आपसे (सरकार) पूरा नहीं हुआ। किसान सम्मान निधि बढ़ानी चाहिए।

इससे पहले संसद के बाहर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी पार्टियों के अविश्वास प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पार्टी ने जो भी करने को कहा है, पार्टी ने करने का फैसला किया है। जाहिर है, पार्टी के सदस्य के तौर पर मैं पार्टी का समर्थन करता हूं।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद-सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

सीजेआई बोले-चुनाव आते ही कोर्ट भी राजनीति का हिस्सा बन जाता है

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई(एम) और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है।

लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप ने ली उद्यमी वैभव गांधी की हत्या की जिम्मेदारी, पोस्ट डालकर दिल्ली के लोगों को दी धमकी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के बवाना में उद्यमी वैभव गांधी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप के रणदीप मलिक, अनिल पंडित ने ली है। सोशल मीडिया पर रणदीप मलिक व अनिल पंडित के नाम से पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। पोस्ट में लिखा है कि उद्यमी वैभग गांधी की जो बवाना सेक्टर-4 में हत्या हुई है। यह मैंने रणदीप मलिक और अनिल पंडित ने यूएसए ने करवाई है। पोस्ट में लिखा कि जहां हमने कॉल की थी, यह वहां बीच में एंट्री कर रहा था। इसलिए हमने इसको इसकी जिंदगी से एग्जिट कर दिया। इस पोस्ट में यह भी लिखा कि सभी कान खोलकर सुन लो, अगर किसी ने हमारे काम के बीच में आने की कोशिश की भी, तो उसे बिना कॉल किए मरवा देंगे। हालांकि, इस पोस्ट की पुलिस जांच कर रही है।

पेट में 22 हफ्ते के भ्रूण को थी दिल की बीमारी, डॉक्टरों ने गर्भ में ही कर दिया बच्चे का इलाज

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। समय था जब गर्भ में बच्चे को कोई बीमारी होती थी तो गर्भवती महिला को ही दवाएं दी जाती थीं और उसी के माध्यम से बच्चे का इलाज किया जाता था लेकिन अब मेडिकल साइंस इससे बहुत आगे निकल गया है। अब गर्भ के अंदर ही बच्चे को सीधे दवाएं दी जा सकती हैं, सर्जरी की जा सकती है और कोई भी जटिल से जटिल बीमारी का इलाज किया जा सकता है। गर्भ में सीधे इलाज देकर जान बचाने की कामयाबी दिल्ली एम्स के बाद अब हैदराबाद स्थित रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट ने भी हासिल कर ली है जब बेहद दुर्लभ और गंभीर हार्ट की बीमारी से जूझ रहे गर्भ में पल रहे 5 बच्चों का सफल इलाज किया है।

डिप्टी सीएम के तौर पर सुनेत्रा पवार ने संभाला पदभार

कैबिनेट से पहले पार्टी मंत्रियों से की मुलाकात

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दिवगंत अजित पवार की पत्नी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को महाराष्ट्र की नई उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। वे राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होंने मुंबई स्थित मंत्रालय में अपने कार्यालय में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर नया पदभार ग्रहण किया। इसके बाद आज वे आज मंत्रिमंडल कि बैठक करेंगी। हालांकि मंत्रिमंडल की बैठक से पहले सुनेत्रा ने पार्टी के मंत्रियों से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनके पुत्र पार्थ पवार और एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उनके शपथ ग्रहण को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। बता दें कि अजित पवार के निधन के बाद पत्नी सुनेत्रा पवार को उनकी जगह

उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्हें आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुनेत्रा पवार ने अपने कार्यकाल के पहले दिन की शुरुआत मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना से की। उनके साथ उनके पुत्र पार्थ पवार, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रुपाली चकांकरे और अन्य पार्टी नेता भी मौजूद थे।

सुनेत्रा पवार को कौन-कौन सी जिम्मेदारियां

हाल ही में महाराष्ट्र कैबिनेट में हुए विभाग आवंटन के अनुसार सुनेत्रा पवार को राज्य के प्रमुख तीन विभाग सौंपे गए हैं। इसमें आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास मंत्रालय शामिल है। साथ ही उन्हें पुणे और बीड जिलों की गार्जियन मिनिस्टर भी बनाया गया है, जिससे वे इन जिलों के विकास और प्रशासन का ध्यान रखेंगी। सुनेत्रा पवार ने मंदिर से आशीर्वाद लेने के बाद सुनेत्रा पवार दादर स्थित चैत्यभूमि गईं और भारतीय संविधान निर्माता डॉ। भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने फूल चढ़ाए और उन्हें याद करते हुए एक मिनट का मौन रखा। सुनेत्रा पवार ने उसके बाद एनसीपी कार्यालय, मुंबई का दौरा किया। वहां उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अपने पति और दिवंगत नेता अजित पवार को श्रद्धांजलि दी।

अजित पवार के निधन के बाद सुनेत्रा पवार को जिम्मेदारी

गौरतलब है कि सुनेत्रा पवार की उपमुख्यमंत्री बनने की जिम्मेदारी उनके पति अजित पवार के हवाई दुर्घटना में असमय निधन के बाद आई। अजित पवार का 28 जनवरी को निधन हो गया था, जिसके कारण राज्य की राजनीति में हलचल मची थी। इसके बाद 31 जनवरी को सुनेत्रा पवार ने शपथ ली और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनीं।

लव जिहाद में इस्तेमाल 3 कारें जब्त

भोपाल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल में 11वीं की छात्रा से रेप, लव जिहाद और ब्लैकमेलिंग सहित अश्लील वीडियो वायरल करने के सह आरोपी माज खान से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। सोमवार रात उसकी निशानदेही पर तीन कारें- मारूति सियाज, स्विफ्ट और होंडा सिटी जब्त कर ली गईं। इन सभी कारों में अलग-अलग जगहों पर माज के साथी ओसाफ अली खान ने छात्रा के साथ रेप किया था। थार की तलाश में कोहेफिजा थाने की एक टीम रवाना हुई है। इसे जल्द जब्त करने का दावा किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि माज अपने मोबाइल को लेकर लगातार गुमराह कर रहा है। उसका कहना है कि वह ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में जियारत के लिए अजमेर गया था।

भाजपा के दिग्गज नेता मुरली मनोहर जोशी की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली एम्स में कराए गए भर्ती

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ। मुरली मनोहर जोशी की तबीयत अचानक खराब होने की खबर से राजनीतिक गलियारों में चिंता का माहौल बन गया है। 92 वर्षीय जोशी को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की विशेष टीम उनकी निगरानी कर रही है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में बेचैनी बढ़ गई है। जोशी भाजपा के संस्थापक सदस्यों में गिने जाते हैं और पार्टी को मजबूत बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं का सिलसिला शुरू हो गया। मुरली मनोहर जोशी लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में रहे हैं और उम्र के इस पड़ाव पर भी पार्टी गतिविधियों में हिस्सा लेते रहे।

बताया जा रहा है कि अचानक स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। वहां विशेषज्ञ डॉक्टर लगातार जांच और इलाज में जुटे हुए हैं। मुरली मनोहर जोशी के स्वास्थ्य को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने चिंता जताई है। कई नेता अस्पताल पहुंचकर उनकी स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में अनिल अंबानी की पत्नी टीना से ईडी करेगी पूछताछ, भेजा जाएगा नया समन

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए नया समन जारी करेगा। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। फिल्म अभिनेत्री रह चुकीं टीना को एजेंसी ने पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी उन्हें फिर से बुलाएगी। माना जा रहा है कि उन्हें न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी कॉन्डोमिनियम खरीदने से जुड़े मनी ट्रेल के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

पुनीत गर्ग की हो चुकी है गिरफ्तारी

ईडी ने हाल ही में इस मामले में आरकॉम (रिलायंस कम्युनिकेशन) के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के खिलाफ कथित बैंक फ्रॉड और उससे जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामलों की जांच के लिए एक एसआईटी बनाई है।

मेघालय कोयला खदान हादसा

मृतकों की संख्या पहुंची 30, असम के अस्पताल में दो और लोगों ने तोड़ा दम

सिलचर (असम), 10 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय में पांच फरवरी को हुए कोयला खदान में विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। असम के अस्पताल में दो और मजदूरों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मंगलवार (10 फरवरी) को एक अधिकारी ने बताया कि यहां एक अस्पताल में दो और लोगों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई।

मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के मिसिंगेट-थांग्स्को इलाके में कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट से भयानक हादसा हो गया था। सोमवार रात को दम तोड़ने वाले दोनों लोग असम के कछार जिले के कटिगोराह के निवासी थे और सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) में उनका इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोयला खदान विस्फोट में घायल हुए दो व्यक्तियों की एसएमसीएच अस्पताल में मौत हो गई। उनकी पहचान रामचंद्र बैष्णब और निमारुद्दीन के रूप में हुई है। पांच फरवरी की घटना के बाद कुल मिलाकर नौ घायल खनिकों को एसएमसीएच में भर्ती कराया गया था। बता दे कि यह विस्फोट पड़ोसी मेघालय के सुदूर थांगस्कू क्षेत्र के म्यंसंगट गांव में स्थित एक कोयला खदान में हुआ था।

मेघालय सरकार ने विस्फोट के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदारी तय करने के लिए घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि न्यायिक जांच घटना के कारणों की जांच करेगी।

शशिकला तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारेंगी, जयललिता की जयंती पर घोषणा

चेन्नई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। विवेकानंदन कृष्णावेनी शशिकला 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने जा रही हैं, जो राज्य में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को फिर से स्थापित करने का एक नया प्रयास है। सूत्रों के अनुसार दिवंगत मुख्यमंत्री जे। जयललिता की पूर्व सहयोगी विशेष रूप से दक्षिणी जिलों और थेवर क्षेत्र में अपने प्रभाव का परीक्षण करने की तैयारी कर रही हैं, जहां माना जाता है कि उनका एक वफादार समर्थक आधार अभी भी मौजूद है। उनके समर्थक संभवतः अन्ना द्रविड़ कजगम के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे, यह पार्टी 2018 में उनके भाई वीके दिवाकरन द्वारा बनाई गई थी।

इस कदम को तमिलनाडु के तेजी से बदलते चुनावी परिदृश्य में वर्षों तक हाशिये पर रहने के बाद एक स्वतंत्र राजनीतिक स्थान बनाने के रणनीतिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। खबरों के मुताबिक, शशिकला जमीनी स्तर पर समर्थन का आकलन करने और चुनावी हस्तक्षेप की सीमा तय करने के लिए वफादारों और पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों के साथ कई परामर्श बैठकें कर रही हैं। इसी तैयारी के तहत, वह कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और अपनी नई राजनीतिक सक्रियता का संकेत देने के लिए फरवरी के दूसरे सप्ताह में कल्लकुरुची जिले में एक जनसभा आयोजित करने की योजना बना रही हैं। उनके भविष्य के कदमों के बारे में आधिकारिक घोषणा 24 फरवरी को होने की उम्मीद है, जो जयललिता की जयंती के साथ मेल खाती है।

यह तारीख उनके अनुयायियों के लिए प्रतीकात्मक महत्व रखती है। जानकारों का कहना है कि यह समय दिवंगत नेता की विरासत को याद दिलाने और एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं से फिर से जुड़ने के उद्देश्य से चुना गया है, जो शशिकला को उसी राजनीतिक परंपरा का हिस्सा मानते हैं।

संसद में विपक्ष के रवैये पर कंगना रनौत का हमला

शिमला, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में चल रहे सियासी घमासान के बीच बीजेपी की महिला सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर विपक्षी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग किए जाने पर बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। कंगना ने विपक्ष के रवैये को न सिर्फ संसद, बल्कि पूरे देश के लिए शर्मनाक बताया। कंगना रनौत ने कहा, "विपक्ष सभी सीमाएं लांघ रहा है। सिर्फ संसद ही नहीं, पूरा देश शर्मिंदा महसूस कर रहा है। आपने कल देखा कि राहुल गांधी किस तरह एक अवैध और अनधिकृत किताब लेकर आए और न्यायपालिका का अपमान किया। पेंगुइन पब्लिशिंग हाउस ने आज कहा है कि वह किताब पूरी तरह से अवैध और अनधिकृत है।" उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जानबूझकर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है और संसद की गरिमा को लगातार ठेस पहुंचाई जा रही है।

अध्यक्ष पर कागज फेंकने का आरोप

कंगना रनौत ने विपक्ष पर और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, "विपक्ष का यह रवैया। मैं कहती हूँ कि उनकी अपनी पार्टी को भी शर्म आनी चाहिए। प्रधानमंत्री जी के ख़िलाफ हर तरह की साजिश रची जा रही है। आपने देखा कि किस तरह अध्यक्ष महोदय पर कागज फेंके गए, उनके टेबल पर चढ़कर उन पर सीधे हमला करने की कोशिश की गई।"

प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर चिंता

बीजेपी सांसद ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "ऐसी स्थिति में अगर प्रधानमंत्री जी सदन में आते हैं, तो क्या गारंटी है कि उनके हाथों से कागज नहीं छीने जाएँगे, उनके चेहरे पर कागज नहीं फेंके जाएँगे?

जब कोई उनकी सीट पर खड़ा होगा, तो क्या उनके साथ धक्का-मुक्की नहीं होगी? हमें इन बातों की स्पष्ट गारंटी चाहिए, तभी प्रधानमंत्री का वहाँ आना संभव हो सकता है।" कंगना ने आगे कहा, "यह बेहद जरूरी है। यह समय की माँग है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा, जब वे अध्यक्ष महोदय के चेहरे पर कागज मार सकते हैं, तो हम लोग कल यही चर्चा कर रहे थे कि यदि वे प्रधानमंत्री जी के हाथों से कागज छीन लें, उन पर कागज फेंक दें या उनके साथ धक्का-मुक्की करें, तो क्या होगा?"

महिलाओं को आगे करने पर भी आपत्ति

अपने बयान में कंगना रनौत ने कहा, "खास तौर पर जब वे महिलाओं को आगे करके यह सब कर रहे हैं, तो फिर संसद, देश और संविधान की गरिमा का क्या बचेगा? इसलिए हमें इस बात पर स्पष्टता चाहिए कि आज जब ये लोग इतने हिंसक हो चुके हैं, तब प्रधानमंत्री जी के सामने सदन में सुरक्षा और मर्यादा किस तरह सुनिश्चित की जाएगी।"

यूनिट से आए आईटीबीपी के जवान ने की आत्महत्या

मसूरी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मसूरी में आईटीबीपी के एक जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जवान दो महीने पहले ही पिथौरागढ़ से मसूरी ड्यूटी पर आया था। जानकारी के अनुसार, यूनिट 14 पिथौरागढ़ पर नियुक्त कांस्टेबल चेतराम मीणा(38) पुत्र राम फल मीणा, निवासी ग्राम भौबता, पोस्ट बसवा, जिला दौसा, राजस्थान ने कमरे की खिड़की के कुंडे में नायलॉन की रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। टीम ने मौके पर पहुंचकर वीडियोग्राफी कराई और शव को उतारकर अस्पताल भिजवाया। सामने आया कि इसके पहले जुलाई 2025 में भी पिथौरागढ़ में जवान ने आत्महत्या का प्रयास किया गया था।

मेडिकल लापरवाही की शिकायत 6 महीने में हल करने के निर्देश

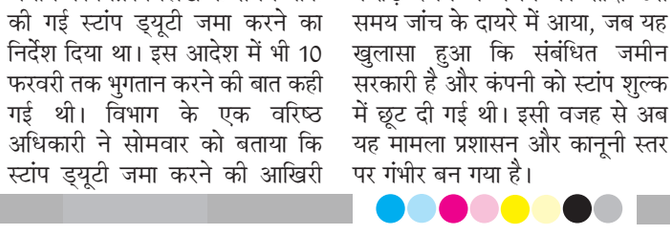

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन को निर्देश दिया है कि कथित मेडिकल लापरवाही से जुड़ी शिकायत को छह महीने के अंदर किसी निर्णय तक पहुंचाया जाए। यह मामला सिंगापुर में रहने वाली भारतीय महिला वी। अनीथा की मौत से जुड़ा है, जिन्हें सितंबर 2021 में लिपोसक्शन सर्जरी के बाद तबीयत बिगड़ने पर फरीदाबाद के एक अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट में मृतका की मां रंजकम इंद्रा विश्वनाथन ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत कथित रूप से गलत तरीके से की गई लिपोसक्शन सर्जरी के कारण हुई, लेकिन कई साल तक शिकायत करने के बावजूद मेडिकल नियामकों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अनीथा की सर्जरी दिल्ली के एसडीए स्थित डेजायर क्लिनिक में डॉ। प्रशांत यादव द्वारा की गई थी। याचिका में कहा गया है कि सर्जरी मानक चिकित्सा नियमों के विपरीत की गई और बाद में कई संदिग्ध परिस्थितियां सामने आईं।

27 किलोमीटर दूर ले जाकर इलाज करने पर उठा सवाल

दिल्ली हाई कोर्ट में सवाल उठाया गया कि तबीयत बिगड़ने पर अनीथा को नजदीकी बड़े अस्पताल जैसे एम्स या सफदरजंग ले जाने के बजाय करीब 27 किलोमीटर दूर फरीदाबाद के वेदांता अस्पताल क्यों ले जाया गया?

जिस पर याचिका में फरीदाबाद अस्पताल के मेडिकल लीगल केस का हवाला देते हुए कहा गया कि दस्तावेजों में विरोधाभास है एक जगह मरीज को बेहोश बताया गया जबकि दूसरी जगह मृत लाया गया लिखा है। परिवार के मुताबिक उन्होंने एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की लेकिन मेडिकल लापरवाही के मामलों में पहले मेडिकल जांच जरूरी होने के कारण पुलिस ने मना कर दिया।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल में साल 2022 में की थी शिकायत

दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल अर्जी में कहा गया फरवरी 2022 में दिल्ली मेडिकल काउंसिल में शिकायत दी गई, पर लंबे समय तक कोई फैसला नहीं आया। उन्होंने एनएमसी का रुख किया। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि पहले राज्य मेडिकल काउंसिल को ऐसे मामलों पर फैसला करना चाहिए, लेकिन यदि वह देरी करें तो एनएमसी को शिकायत लेकर छह महीने के भीतर निर्णय देना होगा।

अकाउंटेंट बोली- पति स्मैक और गांजा बेचता है

इंदौर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के मल्हारगंज इलाके की एक महिला ने अपने पति को गांजा और स्मैक बेचने के आरोप में गिरफ्तार कराया है। सोमवार को महिला ने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से फोन पर बताया कि उसका पति बुद्ध किरण कॉलेज और हॉस्टल के छात्र-छात्राओं को नशे का सामान सप्लाई करता है। महिला ने मादक पदार्थों (स्मैक-गांजा) से जुड़ा एक वीडियो भी कमिश्नर को भेजा था। वीडियो देखने के बाद कमिश्नर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद सोमवार रात को पुलिस ने महालक्ष्मी नगर स्थित पान दुकान पर दबिश देकर बुद्ध किरण को गिरफ्तार किया।

अजित पवार के बेटे की कंपनी पहुंची आईजीआर के पास, नोटिस को दी चुनौती

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजित पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़ी कंपनी को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी ने महाराष्ट्र पंजीकरण विभाग की ओर से जारी स्टांप ड्यूटी नोटिस को चुनौती देते हुए अपील दायर कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक, पंजीकरण विभाग ने मुंधवा इलाके की जमीन की बिक्री विलेख से जुड़ी करीब 21 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी 10 फरवरी तक जमा करने का नोटिस जारी किया था। विभाग का कहना है कि जमीन की बिक्री के दौरान नियमानुसार स्टांप शुल्क अदा नहीं किया गया, इसलिए यह राशि वसूली जानी चाहिए।

इससे पहले पंजीकरण विभाग ने एक आदेश में अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी और उसके साझेदार दिग्विजय पाटिल को 40 एकड़ सरकारी जमीन की बिक्री विलेख के समय माफ की गई स्टांप ड्यूटी जमा करने का निर्देश दिया था। इस आदेश में भी 10 फरवरी तक भुगतान करने की बात कही गई थी। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि स्टांप ड्यूटी जमा करने की आखिरी तारीख 10 फरवरी थी, लेकिन संबंधित कंपनी ने आदेश को चुनौती देते हुए अपील दाखिल कर दी है। अब इस पूरे मामले की सुनवाई पंजीकरण महानिरीक्षक के सामने होगी।

हालांकि, अधिकारी ने यह साफ नहीं किया कि 21 करोड़ रुपये की मांग वाले मूल आदेश को किन आधारों पर चुनौती दी गई है। बताया जा रहा है कि अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी द्वारा 40 एकड़ जमीन को करीब 300 करोड़ रुपये में बेचने का सौदा उस समय जांच के दायरे में आया, जब यह खुलासा हुआ कि संबंधित जमीन सरकारी है और कंपनी को स्टांप शुल्क में छूट दी गई थी। इसी वजह से अब यह मामला प्रशासन और कानूनी स्तर पर गंभीर बन गया है।

45 लाख रुपये कीमत का सोने का अंडरवियर, एयरपोर्ट पर दुबई से आया शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क विभाग की एयर इंटेलिजेंट यूनिट ने एक अंडरवियर जब्त की है। आप सोच रहे होंगे कि अंडरवियर? जी हां, यह अंडरवियर दिखने में तो साधारण था लेकिन इसकी वास्तविक कीमत 50 लाख रुपये की निकली। दरअसल जिस शख्स के पास से यह अंडरवियर मिला है, वह दुबई से लौटा था। खुफिया जानकारी के आधार पर पकड़ा उसे पकड़ा गया था। कस्टम विभाग के एक अफसर ने बताया कि शख्स अपने अंडरवियर में 601.9 ग्राम 24 कैरेट सोना छिपाकर तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। जब्त किए गए सोने का बाजार मूल्य 96.06 लाख रुपये था।

अब कैसी है शरद पवार की तबीयत? बेटी सुप्रिया सुले ने बताया- 'अगले चार दिन तक चलेगा इलाज'

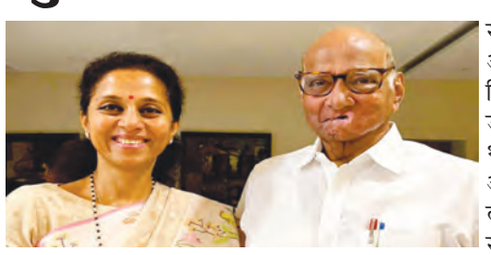

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के मुखिया शरद पवार की तबीयत अचानक बिगड़ने की वजह से उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया था। बताया जा रहा है कि उनके सीने में तकलीफ और खांसी है, जिसकी वजह से उन्हें दिक्कत हो रही थी। अब उनकी बेटी और बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने शरद पवार के स्वास्थ्य की जानकारी दी है। सुप्रिया सुले ने बताया है कि शरद पवार की सेहत में सुधार है। कल के मुकाबले आज उनकी तबीयत काफी बेहतर है। फिलहाल, शरद पवार एंटीबायोटिक्स पर हैं, जो अगले चार दिन तक चलेगी। शरद पवार को खांसी की दिक्कत थी, इसलिए उन्हें पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि शरद पवार को खांसी के अलावा अब और कोई दिक्कत नहीं है। बाकी सभी तरह से वे स्वस्थ हैं।

इसी के साथ सुप्रिया सुले ने शरद पवार के लिए प्रार्थना करने वालों और कठिन समय में उनका सपोर्ट करने वालों को धन्यवाद दिया है। इसी के साथ उन्होंने शरद पवार की मेडिकल टीम के सभी डॉक्टर्स का भी शुक्रिया अदा किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 11 फरवरी - 2026

विचार

कदर करना सीख लीजिए, ना जिंदगी वापस आती है, ना जिंदगी में आए हुए लोग, कई बार तबीयत दवा लेने से नहीं, हाल पूछने से भी ठीक हो जाती है

नगर निकाय चुनावों के लिए कड़ा सुरक्षा प्रबंध : डीजीपी

मतदाता निडर होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश राज्य में 7 नगर निगमों और 116 नगरपालिकाओं के लिए बुधवार को होने वाले मतदान को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

यह जानकारी पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने दी। मंगलवार को अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी ने बताया कि राज्यभर में स्थापित 8,203 मतदान केंद्रों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इनमें से 1,302 मतदान केंद्रों को अत्यंत संवेदनशील और 1,926 केंद्रों को संवेदनशील घोषित करते हुए वहां अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों में मतदान केंद्रों के बाहर भी निगरानी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 3,000 अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। इनमें टीजीएसपी के साथ-साथ वन, आबकारी, सीआईडी और लीगल मेट्रोलॉजी विभागों के कर्मचारी भी शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि सोमवार शाम 5 बजे से चुनाव प्रचार समाप्त होने के साथ ही साइलेंट पीरियड लागू हो गया है। इसके मद्देनज़र विजिबल पुलिसिंग बढ़ा दी गई है और गश्त को और सख्त किया गया है। चुनावी आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 27 जनवरी से अब तक पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाए गए हैं, जिनमें कुल 3.09 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी और अन्य सामग्री जब्त की गई है।

इसमें 1.29 करोड़ रुपये नकद, 1.21 करोड़ रुपये मूल्य की शराब, 15.7 लाख रुपये के मादक पदार्थ तथा 28.69 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण शामिल हैं। अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए पड़ोसी राज्यों की सीमाओं पर 20 चेक पोस्ट और जिलों की सीमाओं पर 55 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं।

महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर विशेष जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए 181 फ्लाइंग स्क्वॉड और 167 स्टैटिक सर्विलांस टीमें कार्यरत हैं। एहतियाती कदम के तहत राज्यभर में 1,183 लाइसेंसी हथियार जमा कराए गए हैं तथा शांति भंग करने की आशंका वाले 4,318 लोगों को बाउंडओवर किया गया है। विभिन्न मामलों में लंबित 398 गैर-जमानती वारंटों का भी क्रियान्वयन किया गया है। चुनाव नियमों के उल्लंघन से संबंधित अब तक 142 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

डीजीपी ने बताया कि चुनाव संचालन से जुड़े जमीनी स्तर के अधिकारियों को पहले ही व्यापक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आएं और बिना किसी भय के अपने संवैधानिक मताधिकार का प्रयोग करें। इस अवसर पर अतिरिक्त डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

माधापुर एसआई रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), रंगारेड्डी रेंज ने माधापुर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर गुंद्र विनय को मंगलवार को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने शिकायतकर्ता को भविष्य में गिरफ्तार न करने और एक अपराध नोटिस की कॉपी देने के लिए यह रिश्वत मांगी थी। एसीबी ने आरोपी के पास से नगद जब्त किया। अधिकारियों ने बताया कि एसआई ने अपनी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग किया। आरोपी को न्यायिक हिरासत के लिए एडिशनल स्पेशल जज एसीबी मामले, नामपल्ली के सामने पेश किया गया। मामले की जांच अभी जारी है, और सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

जीएचएमसी के मेयर और डिप्टी मेयर का कार्यकाल पूरा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी)की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी का पांच वर्षों का कार्यकाल आज पूरा हो गया। इस मौके पर मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने मेयर के रूप में सेवा का अवसर देने के लिए नगरवासियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से शहर के विकास के लिए उन्होंने सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया। मेयर ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, मंत्री पोनम प्रभाकर और श्रीधर बाबू को शहर के विकास में सहयोग देने के लिए विशेष धन्यवाद कहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में सहयोग देने वाले डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी, कमिश्नर आर. वी. करनन, पूर्व कमिश्नरों, निगम पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया। उप महापौर के रूप में पांच वर्षों तक लगातार सेवाएँ देने वाली मोते श्रीलता शोभन रेड्डी का कार्यकाल आज आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने अपने कार्यकाल को सफल बनाने में सहयोग देने वाले महापौर गदवाल विजयरत्न लक्ष्मी, जनप्रतिनिधियों, जीएचएमसी कमिश्नरों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, ड्राइवरों, कार्यालय स्टाफ, स्वयंसेवी संगठनों, मीडिया और शहरवासियों का हृदय से धन्यवाद किया। उप महापौर के रूप में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को उन्होंने सर्वोच्च जनसेवा मानकर निभाया। उन्होंने शहर में बुनियादी सुविधाओं के विकास, सड़क विस्तार, फुटपाथ निर्माण, ड्रेनेज सिस्टम सुदृढ़ीकरण, गंदे पानी के शुद्धिकरण केंद्रों का विकास, पेयजल आपूर्ति सुधार, कचरा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई विकास कार्यों का नेतृत्व किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में शहर में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण, पार्कों का विकास, झीलों का पुनरुद्धार और जैव विविधता संरक्षण की पहल की गई। प्लास्टिक उपयोग कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर स्वच्छ हैदराबाद के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रायदुर्गम में ज्वैलरी शॉप में बड़ी चोरी

लाखों के गहने ले उड़े चोर

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम क्षेत्र में सोमवार रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई, जहां अज्ञात चोरों ने एक आभूषण की दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने और चांदी के गहने चुरा लिए। पुलिस के अनुसार, पांच अज्ञात व्यक्तियों ने सैयद ज्वैलरी शॉप में घुसकर लगभग दो किलोग्राम चांदी के आभूषण और सोने से भरे लॉकर लेकर फरार हो गए। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मंगलवार सुबह जब दुकान के कर्मचारी पहुंचे, तब घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही रायदुर्गम पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

वनस्थलीपुरम में एम्बुलेंस की ट्रक से टक्कर, तीन लोग घायल

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम के ऑटो नगर इलाके में मंगलवार दोपहर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में तेज रफ्तार से आ रही एक निजी एम्बुलेंस ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एम्बुलेंस चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के समय एम्बुलेंस दो मरीजों को अस्पताल ले जा रही थी। टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन में सवार एक मरीज अंदर फंस गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग और अन्य वाहन चालक मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद फंसे मरीज को बाहर निकालकर बचाया। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

रेप के मामले में नाबालिग, युवक गिरफ्तार

भूपालपल्ली, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रेगोंडा मंडल के पोनागल्लू गांव में आठ साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में रेगोंडा पुलिस ने एक नाबालिग लड़के और एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को घटी जब बच्ची अपने घर पर अकेली थी क्योंकि उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे। 21 वर्षीय आरोपी श्रीकांत बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। जब बच्ची रोने लगी तो उसने उसे वापस उसके घर छोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि श्रीकांत ने यह अपराध तब किया जब नाबालिग लड़के ने उसे बताया कि उसने कुछ दिन पहले लड़की के घर पर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया था। दोनों आरोपी लड़की के रिश्तेदार थे और घटना के बाद गांव से भाग गए। काम से लौटने के बाद लड़की के माता-पिता को घटना की जानकारी मिली। माता-पिता की शिकायत के आधार पर, रेगोंडा पुलिस लड़की के घर गई और आरोपी के खिलाफ पीओसीएसओ अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। बच्ची को इलाज के लिए जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय विधायक गांद्रा सत्यनारायण राव ने अस्पताल का दौरा किया, परिवार को सांत्वना दी और डॉक्टरों को बच्ची के बेहतर इलाज के लिए निर्देश दिए। डीएसपी संपत राव और एसआई के राजेश मामले की जांच कर रहे हैं।

गलत दिशा में वाहन चलाने पर 21,713 चालान

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा प्रवर्तन अभियान के तहत हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने फरवरी के पहले सप्ताह में गलत दिशा में वाहन चलाने के मामलों में कुल 21,713 चालान किए हैं। शहर में बढ़ती दुर्घटनाओं और यातायात जाम को रोकने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान 2 से 9 फरवरी के बीच चलाया गया।

अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि गलत दिशा में वाहन चलाना न केवल उल्लंघन करने वालों बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर खतरा बनता है, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्थानों पर सघन जांच की गई। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि कानून के सख्त प्रवर्तन के साथ-साथ लोगों में अनुशासित और जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम और ऑनलाइन प्रचार का भी सहारा लिया जा रहा है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और किसी भी उल्लंघन की सूचना आधिकारिक ट्रैफिक पुलिस चैनलों के माध्यम से देने की अपील की है।

'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले के मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक 62 वर्षीय पीड़ित को कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर धोखा देकर 1.07 करोड़ रुपए का घोटाला किया। गिरफ्तार आरोपी गुरदीप सिंह उर्फ़ लकी नरंग (42), हरप्रीत सिंह उर्फ़ करण कौशिक (36), और कुमार मोहित (30), सभी निवासी नई दिल्ली है। पुलिस के अनुसार, अपराधियों ने मुंबई क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर पीड़ित को धमकाया और झूठा दावा किया कि उसका आधार और फोन नंबर अवैध गतिविधियों में जुड़े हैं।

डर के चलते पीड़ित ने पैसे ट्रांसफर कर दिए। जांच में पता चला कि गैंग ने खाताधारकों को कमीशन का लालच देकर शामिल किया, दिल्ली और जयपुर के होटलों से ऑपरेशन किया और जल्दी से पैसा मुख्य सरगना तक पहुंचाया। गिरफ्तारी के दौरान बैंकिंग विवरण वाले मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साइबर क्राइम) वी. अरविंद बाबू ने जनता से अपील की कि वे किसी भी कॉल पर पैसे देने से बचें और साइबर फ्रॉड की सूचना तुरंत 1930 पर दें या राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट करें।

नाबालिग छात्रा का कथित तौर पर यौन शोषण

गुपचुप तरीके से शादी करने के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगरों के पोचारम में एक निजी स्कूल के शिक्षक को एक नाबालिग छात्रा का कथित तौर पर यौन शोषण करने, उसके साथ भाग जाने और उससे गुपचुप तरीके से शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पोचारम आईटी कॉरिडोर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत घटी यह घटना सामने आई। पुलिस के अनुसार, पोचारम के एक निजी स्कूल में भौतिकी के शिक्षक पी. मैतीन (27) ने उसी स्कूल की कक्षा 10 की एक छात्रा के साथ अवैध संबंध विकसित कर लिया था और कथित तौर पर नाबालिग को झूठे वादों से बहला-फुसलाकर उसे अपने रिश्ते में फंसा लिया था।

बाद में दोनों भाग गए और कथित तौर पर लड़की के परिवार को बिना बताए शादी कर ली। यह घटना कुछ दिन पहले तब सामने आई जब लड़की की मां ने उसके गले में मंगलसूत्र देखा और उससे पूछताछ की। तब लड़की ने रिश्ते और शादी के बारे में सारी जानकारी दी। सदमे में डूबे परिवार के सदस्यों ने स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया, लेकिन कथित लापरवाही और असंतोषजनक प्रतिक्रिया ने उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर कर दिया, हालांकि इसमें देरी हुई। एक शिकायत के आधार पर, पोचारम आईटी कॉरिडोर पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

नगरपालिका चुनाव में धन व बाहुबल के इस्तेमाल के आरोप

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत चुनावों की तरह नगरपालिका चुनावों में भी सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी द्वारा मतदाताओं और विपक्षी उम्मीदवारों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर धन और बाहुबल के इस्तेमाल की शिकायतें राज्य के विभिन्न हिस्सों से सामने आ रही हैं।

कुछ स्थानों पर कांग्रेस नेताओं को मतदाताओं को पैसे बांटते हुए पकड़े जाने के दावे किए गए हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में विपक्षी उम्मीदवारों पर चुनाव न लड़ने का दबाव डाले जाने के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायतों में यह भी कहा गया है कि पुलिस और चुनाव दल विपक्षी उम्मीदवारों को उनके कार्यालयों और आवासों पर तलाशी लेकर विशेष रूप से निशाना बना रहे हैं। बिचकुंडा नगरपालिका में स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जुक्कल विधायक टी. लक्ष्मीकांत राव को सोमवार शाम निर्धारित समय सीमा के बाद भी प्रचार करते हुए पकड़ा गया, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

इसी तरह खम्मम जिले के व्यारा नगरपालिका के 14वें वार्ड में कांग्रेस विधायक रामदास नाइक के कथित तौर पर शाम पांच बजे के बाद भी प्रचार करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

नारायणपेट जिले के मक्तल में भाजपा उम्मीदवार महादेवप्पा की कथित आत्महत्या को लेकर भी स्थानीय कांग्रेस नेताओं पर दबाव बनाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। पूर्व विधायक बल्का सुमन ने आरोप लगाया कि चेन्नूर नगरपालिका में पुलिस विशेष रूप से बीआरएस उम्मीदवारों और नेताओं को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि धन और शराब वितरण को लेकर शिकायतों के बावजूद कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है।

वहीं महबूबनगर के बंदामिदिपल्ली के 11वें डिवीजन में बीआरएस कार्यालय को बंद कराने के आदेश पर भी पक्षपात के आरोप लगे हैं। विपक्षी दलों ने सरकारी तंत्र पर सत्ताधारी दल को अनुचित समर्थन देने का आरोप लगाया है।

तेलंगाना नगर निगम चुनावों में अधिक मतदान होने की संभावना

बीजेपी, कांग्रेस और बीआरएस में आरोप-प्रत्यारोप जारी

52 लाख मतदाता 12,993 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 116 नगरपालिकाओं और 7 नगर निगमों में बुधवार को मतदान होने वाला है। सोमवार को प्रचार समाप्त होने के बाद अब लगभग 52 लाख मतदाता 2,996 वार्डों में 12,993 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे।

मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक कड़े सुरक्षा प्रबंधों के तहत होगा। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यापक तैयारियाँ पूरी की हैं, जबकि सरकार ने अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए पेड हॉलिडे घोषित किया है। इससे मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है। राजनीतिक मोर्चे पर माहौल गर्माया हुआ है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने दावा किया कि मतदाता बीजेपी के पक्ष में मजबूती दिखा रहे हैं और सत्तारूढ़ कांग्रेस को बीजेपी के विस्तार को रोकने के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पर वोटरों को प्रभावित करने के लिए भारी खर्च करने का आरोप लगाया। किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी, कहते हुए, किअगर बीजेपी चुनाव जीतती है, तो मुख्यमंत्री पूछ रहे हैं कि क्या पीएम मोदी तेलंगाना के नाले साफ करेंगे। मैं पूछता हूँ कि क्या वह स्वयं राज्य के नगर पालिका मंत्री के रूप में कोई नाला साफ करेंगे?" दूसरी ओर, बीआरएस ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करवाई, जिसमें गदवाल विधायक बंडला कृष्णमोहन रेड्डी पर 48 घंटे की शांत अवधि का उल्लंघन करने और मतदाताओं से सीमित समय में संपर्क करने का आरोप लगाया गया। पार्टी ने वीडियो सबूत के आधार पर तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की।

चुनाव प्राधिकरण के अनुसार, नगरपालिकाओं के 2,569 वार्डों में 6,017 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जबकि 10,719 उम्मीदवार मैदान में हैं। सात नगर निगमों में 414 वार्डों के लिए 2,174 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 2,225 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। ये चुनाव राज्य में शहरी मतदाताओं के रुझान का महत्वपूर्ण संकेतक माने जा रहे हैं।

एक पल की लापरवाही, जीवनभर का दुख : ट्रैफिक डीसीपी

साइबराबाद पुलिस ने सड़क सुरक्षा पर दिया संदेश

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। ट्रैफिक डीसीपी- I रंजन रतन कुमार ने बताया कि तेज़ रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना, हेलमेट या सीट बेल्ट न पहनना और मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करना दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी प्राणघातक हो सकती है, न केवल ड्राइवर बल्कि अन्य लोगों के जीवन के लिए भी खतरा पैदा करती है। उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार-पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट पहनने की अनिवार्यता पर जोर दिया। पैदल यात्रियों को भी सड़क पार करते समय सतर्क रहने की सलाह दी। डीसीपी ने चेताया कि सड़क पर 'थोड़ा ही रास्ता बचा है' जैसी लापरवाह सोच जीवन और परिवार के लिए घातक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि सड़क नियम सिर्फ जुर्माना बचाने के लिए नहीं, बल्कि प्राण बचाने के लिए बनाए गए हैं। 'एक पल की लापरवाही आपके और किसी अन्य परिवार के लिए दुख का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन सावधानी से चलाएँ और नियमों का पालन करें।' पुलिस ने असावधानी से वाहन चलाते हुए फोटो भी जारी किया है।

टीजी ईएपीसीईटी 2026 परीक्षा केंद्रों पर छात्रों के लिए डायबिटिक किट की व्यवस्था

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के हित में एक नई पहल करते हुए तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2026 के सभी परीक्षा केंद्रों को डायबिटिक किट से सुसज्जित किया जाएगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से मधुमेह या अन्य बीमारियों से पीड़ित छात्रों की सहायता के लिए की जा रही है। टीजी ईएपीसीईटी 2026 के संयोजक प्रोफेसर के. विजय कुमार रेड्डी ने बताया कि कई छात्र बिना भोजन किए परीक्षा केंद्रों पर पहुंचते हैं, जिससे उन्हें चक्कर या कमजोरी महसूस होती है। छात्रों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए सभी केंद्रों पर चॉकलेट, बिस्कुट, ग्लूकॉन-डी पाउडर और ओआरएस के पैकेट वाली डायबिटिक किट उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षाओं में यह पहली बार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि टीजी ईएपीसीईटी 2026 की अधिसूचना 14 फरवरी को जारी की जाएगी। बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन 19 फरवरी से 4 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे। परीक्षा 4 से 11 मई के बीच आयोजित होगी। कृषि और फार्मेसी प्रवेश परीक्षा 4 और 5 मई को तथा इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा 9 से 11 मई तक होगी।

डॉ. रेड्डी के अनुसार, इस वर्ष परीक्षा के लिए राज्य को 16 परीक्षा क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और सिद्दिपेट जिले को नया परीक्षा क्षेत्र बनाया गया है। पंजीकरण प्रक्रिया को भी सरल किया जा रहा है, जिससे छात्र अब कंप्यूटर के साथ-साथ स्मार्टफोन के जरिए भी आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा, इस बार परीक्षा के तुरंत बाद कंप्यूटर स्क्रीन पर छात्रों के प्रारंभिक स्कोर प्रदर्शित किए जाएंगे। छात्र विषयवार स्कोर देख सकेंगे। साथ ही, पिछले दो वर्षों के रैंक बैंड भी वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे छात्रों को अपनी संभावित रैंक का अनुमान लगाने में सुविधा होगी।

CLASSIFIEDS

क्लिनिकल

एक्सिस क्लिनिकल्स लिमिटेड हमारे क्लिनिकल जैव उपलब्धता/जैव-समतुल्यता अध्ययन में भाग लेने के लिए 18 से 45 वर्ष के बीच के स्वस्थ साक्षर पुरुष/महिला स्वयंसेवकों की तलाश करना। निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण और नैतिकता समिति ने आपके समय, प्रयास और कठिनाई को कम करने के लिए मुआवजे को मंजूरी दी। यह स्वैच्छिक सेवा है, कोई नौकरी नहीं।
हेल्प डेस्क से संपर्क करें: एक्सिस क्लिनिकल्स लिमिटेड, 1-121/1, सर्वेक्षण संख्या 66 (भाग) और 67 (भाग), मियापुर, सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद-500049, तेलंगाना, भारत। फोन नं. -9642990036, 9290639110, 040-40408194

CHANGE OF NAME

I, Lalsha Yadav, W/o, No.14650271F, Hav, Ashok Kumar Singh,R/o, Dist : Ghazipur, U P, changed my name from Lalsha Yadav to Lalsha Devi vide Affidavit No. 775 dt. 09.02.2026 before Ghazipur Court,U P..

I, No. 14649623F, Hav, Gajendra Singh Mohan Singh, R/o, Dist: Ahmedabad, Gujarat, changed my Son's name from Rohit Singh to Rohit Rathore, vide Affidavit No. 284597 dt. 09.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14649623F, Hav, Gajendra Singh Mohan Singh, R/o, Dist: Ahmedabad , Gujarat, changed my Son's name from Mohit Singh Rathour to Mohit Rathore, vide Affidavit No. 284598 dt. 09.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 17006834F, CFN, Kendre Sudhakar Ramrao, R/o, Dist: Lathur, Maharashtra, changed my Mother's name from Sangita to Sangita Ram Kendre, vide Affidavit No. 284592 dt. 09.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.17006834F, CFN, Kendre Sudhakar Ramrao, R/o, Dist: Latur, Maharashtra, changed my Father's name from Ramrao to Ramrao Baburao Kendre, vide Affidavit No. 284594 dt. 09.02.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 768579W, Sub, Jai Prakash, R/o, Dist: Pauri Garhwal, Uttarakhand, changed my Daughter's name from Shweta Negi to Sweta Negi, vide Affidavit No. 284604 dt.09.02.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचेत किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
संपदा विभाग / Estate Department
हैदराबाद - 500 004 / Hyderabad - 500 004

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के मुख्य कार्यालय भवन में सेंट्रल एयर कंडीशनिंग प्लांट का संचालन और रूटीन रखरखाव के लिए ई-निविदा।

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के मुख्य कार्यालय भवन में सेंट्रल एयर कंडीशनिंग प्लांट का संचालन और रूटीन रखरखाव के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। काम की अनुमानित लागत ₹14.80 लाख (रुपये चौदह लाख अस्सी हजार मात्र) है। प्री-क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया के बारे में ज़्यादा जानकारी के लिए, कृपया MSTC लिमिटेड के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "टेंडर" सेक्शन में 11 फरवरी, 2026 को शाम 18:00 बजे से टेंडर नोटिस के साथ टेंडर डॉक्यूमेंट देखें।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 06 मार्च 2026 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकर्ता को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

11 फरवरी, 2026
हैदराबाद

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक

बजट पर चर्चा : 'अमेरिका से डील नहीं, ढील हुई, बजट में यूपी के लिए कुछ नहीं'

> अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

नोएडा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट पर बोलते हुए सरकार पर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए कथित 'डील' और बजट की प्राथमिकताओं पर सरकार को घेरा।

यादव ने कहा कि यह 'डील' नहीं बल्कि 'ढील' साबित हुई है, जिसका देश की अर्थव्यवस्था और किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अखिलेश यादव ने बजट आने से पहले और बाद में अमेरिका के साथ हुई 'डील' को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने कई देशों के साथ फ्री ट्रेड डील करने का दावा किया है, लेकिन अब सवाल यह है कि कितने देश बचे हैं जिनसे ऐसी डील नहीं हुई

> बजट में गरीब, पिछड़े, दलित के लिए कुछ नहीं है। हम इतने बजट ला रहे हैं, पर हमारी प्रति व्यक्ति आय नहीं बढ़ पा रही। सरकार को कम से कम फ्री राशन पाने वालों की प्रति व्यक्ति आय तो बतानी ही चाहिए।
>
> अखिलेश यादव, सांसद (समाजवादी पार्टी)

है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस 'डील' के बाद रुपये की स्थिति क्या होगी और पूछा कि अगर यही डील करनी थी तो पहले क्यों नहीं की गई। उनके अनुसार, यह 'डील' देश के लिए कोई बड़ा लाभ नहीं बल्कि एक प्रकार की 'ढील' है, जिससे देश को यह तय करना होगा कि 18 बड़ा है या जीरो, और बजट पहले बना या डील पहले हुई।

बजट की दिशाहीनता और उपेक्षित वर्ग

यादव ने वर्तमान बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि इसमें गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतने बड़े बजट लाए जा रहे हैं, तो भी प्रति व्यक्ति आय क्यों नहीं बढ़ रही है। उन्होंने सरकार से फ्री राशन पाने वाले लोगों की प्रति व्यक्ति आय बताने की मांग की।

उत्तर प्रदेश के लिए विशेष योजनाओं का अभाव

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के लिए बजट में किसी खास योजना का उल्लेख न होने पर भी अखिलेश यादव ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से प्रधानमंत्री होने के बावजूद, भारत सरकार के बजट से कोई भी एक्सप्रेसवे नहीं बना है।

जो एक्सप्रेसवे बने भी हैं, वे 'विकसित भारत' की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार पर भी सवाल उठाया और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर बन रहे एक्सप्रेसवे का नाम बदले जाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बस कागजों पर ही बन रहा है।

विधानसभा में दो विधायकों के मोबाइल जब्त

लखनऊ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में स्पीकर सतीश महाना दो विधायकों पर भड़क गए। दरअसल, दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि देते समय दोनों विधायकों के मोबाइल बजने लगे। स्पीकर ने तत्काल सिक्योरिटी बुलाई। सिक्योरिटी से दोनों विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा- दोनों माननीय सदस्यों से टेलीफोन ले लो..वो जो पीछे टोपी वाले बैठे हैं।

बताया जा रहा कि बीजेपी के फतेहपुर सीकरी विधायक चौधरी बाबूलाल और एक अन्य विधायक के मोबाइल बज रहे थे। सत्र के दूसरे दिन दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतक विधायकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भी उनको याद किया।

योगी बोले-कयामत के लिए जीने वालों कायदे से रहो अब बाबरी मस्जिद कभी नहीं बनेगी

ये सपना नहीं होगा पूरा

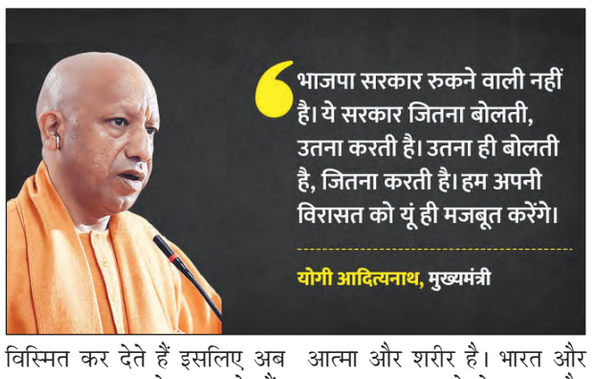

> भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती, उतना करती है। उतना ही बोलती है, जितना करती है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे।
>
> योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

बाराबंकी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती उतना करती है। उतना ही बोलती है जितना करती है। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे है वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी भी नहीं बनने वाली है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे। याद करिए 500 साल बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कितनी सरकारें आई कितनी गईं। कितने राजा महाराजा हुए मगर अयोध्या में राम मंदिर क्यों नहीं बनवाया। राम सबके है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाकर संकट में राम को याद करते हैं। बाकी राम को विस्मित कर देते हैं इसलिए अब भगवान राम उनको भूल चुके हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कयामत के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। कानून मानोगे तो फायदे में रहोगे। नहीं तो आगे का रास्ता सीधा जहन्नुम जाता है। कानून तोड़ने वाले जहन्नुम जाएंगे। हर भारत वासी का एक ध्येय एक भारत श्रेष्ठ भारत हो। हमारा देश वैभवशाली हो। विकसित हो। हर संत देश के लिए है और धर्म भी देश के लिए है। धर्म और देश एक आत्मा और शरीर है। भारत और सनातन एक दूसरे के पूरक है। सीएम योगी मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। दोपहर करीब सवा दो बजे सीएम का हेलीकॉप्टर कुटी के पास उतरा। यहां महंत बलरामदास ने उनका स्वागत किया। यहां पहुंचकर उन्होंने कथा मंडप का उद्घाटन किया और रामार्चा यज्ञ में आहुतियां अर्पित की।

'ठाकुर हूं, ऐसी-तैसी कर दूंगी'

> कहने वाली बैंककर्मी सामने आई > बदतमीजी की, इसलिए गुस्सा आया, ठाकुर होने पर गर्व

कानपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में एचडीएफसी बैंक में 'ठाकुर हूं, ऐसी-तैसी कर दूंगी' कहने वाली महिला बैंक कर्मी सामने आ गई है। रिलेशनशिप मैनेजर आस्था सिंह ने वीडियो जारी करके सफाई दी। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा-मैंने किसी ग्राहक के साथ अभद्रता नहीं की।

मेरा विवाद बैंक की एक महिला संविदा कर्मचारी के पति से हुआ था। उसने मेरी जाति पूछकर मेरे साथ अभद्रता की, तभी मुझे गुस्सा आ गया। मैं आज भी अपने बयान पर कायम हूं। ठाकुर हूं, मुझे गर्व है। दरअसल, पिछले दो दिनों से आस्था का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह गालियां देती नजर आ रही हैं। गुस्से में वह लैपटॉप उठाकर किसी पर हमला करने का प्रयास करती भी दिखाई देती हैं। हालांकि, वीडियो 6 जनवरी का है। आस्था पनकी की एचडीएफसी ब्रांच में तैनात हैं। वीडियो जारी कर आस्था

ने कहा कि वीडियो को गलत संदर्भ में वायरल किया जा रहा है। महिला कर्मचारी ने इस्तीफा देकर उसी दिन रिलीविंग की मांग की थी। इस दौरान उसकी ननद सुबह से ही ब्रांच में मौजूद थी, जिससे हल्की बहस हो गई। उन्होंने कहा कि बाद में महिला कर्मचारी ने यह बात अपने पति को बताई, जो वर्किंग आवर खत्म होने के बाद बैंक आया और मेरे साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। आस्था ने कहा कि महिला कर्मचारी के पति ने मेरी डेस्क पर आकर मेरी जाति पूछी और धमकी भरे शब्द कहे।

'मैं अपने बयान पर कायम हूं'

आस्था सिंह ने कहा, मैं मानती हूं कि मेरे कुछ शब्द गलत हो सकते हैं। सार्वजनिक सेवा में शब्दों का चयन सोच-समझकर होना चाहिए, लेकिन धमकी और अपमानजनक भाषा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वीडियो को जातिवाद का मुद्दा बनाकर गलत तरीके से पेश किया गया है। मैं अपने बयान पर कायम हूं। मैं ठाकुर हूं और मुझे इस बात का गर्व है... जय श्रीराम।

'रेप करने और बाल काटने तक की धमकी दी जा रही'

इसके अलावा एक मीडिया चैनल से बातचीत में आस्था ने कहा, 'इस केस में इंटरनल मेल अपने सीनियर्स को फॉरवर्ड कर दिया है। सबको पता है कि मैं गलत नहीं हूं, इसलिए हमें इसमें इतना एक्शन लेने की जरूरत नहीं थी। मगर जब इस तरीके की चीजें हो रही हैं, तो मैं बिल्कुल मानहानि का केस करना चाहूंगी।'

नीट छात्रा की मौत पर प्रदर्शन महिलाओं पर लाठीचार्ज

दूसरी बैरिकैडिंग तोड़ने की भी कोशिश; बोलीं-चुनाव से पहले 10 हजार-बाद में हत्या-बलात्कार

पटना, 10 फरवरी (एजेंसियां)। नीट छात्रा की मौत को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। एआईएसए और एपीडब्ल्यूए की महिला कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा घेरने निकली थीं। करीब 2 घंटे चले प्रदर्शन को पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर रोका। यहां महिलाएं सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रही थीं। 'सरकारी नारा बेटी बचाओ, सरकारी मंशा बलात्कारी बचाओ।' 'एनडीए की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार, जेडीयू की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार।'

कारोबारी बोले-कानपुर पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे

> लेम्बोर्गिनी बेटा नहीं, ड्राइवर चला रहा था; योगी का आदेश-एक्शन लो

कानपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में लेम्बोर्गिनी कार से 6 लोगों को कुचलने के मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। कारोबारी पिता केके मिश्रा मंगलवार को ग्वालटोली थाने पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि हादसे के वक्त बेटा शिवम नहीं, बल्कि ड्राइवर मोहन लेम्बोर्गिनी कार चला रहा था। शिवम उस वक्त सो रहा था।

केके मिश्रा ने कहा-हादसे के बाद कार लॉक हो गई थी, जिससे बेटे की तबीयत बिगड़ गई। ठीक होने पर बेटे को लेकर मैं खुद थाने आऊंगा। मीडिया ने पूछा कि पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि गाड़ी शिवम चला रहा था। इस पर पिता ने जवाब दिया- पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे हैं। वहीं,

कारोबारी के वकील ने दावा किया कि शिवम बेहोश है और दिल्ली में भर्ती है। लेम्बोर्गिनी कार मामला लखनऊ तक पहुंच गया है। सीएम योगी ने अफसरों को कार्रवाई के आदेश दिए हैं। हादसा रविवार दोपहर हुआ था। उसी रात कार के नंबर के आधार पर अज्ञात ड्राइवर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद मामला तूल पकड़ गया, तो पुलिस बैकफुट पर आ गई।

पुलिस जांच में एक वीडियो सामने आया, जिसमें शिवम को उनके बाउंसर कार की ड्राइविंग सीट की ओर से निकालते दिखे। इसके बाद सोमवार दोपहर कानपुर कमिश्नर रघुबीर लाल सामने आए। उन्होंने कहा- जांच में सामने आया है कि शिवम मिश्रा ही गाड़ी चला रहा था, इसलिए एफआईआर में उसका नाम जोड़ा गया है। सोमवार शाम को कमिश्नर ने ग्वालटोली थाना प्रभारी संतोष गौड़ को लापरवाही के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया। रविवार को हादसे के बाद जब कार को थाने लाया गया, तो पुलिस ने उसे ब्लैक कवर से ढंक दिया था। जिस लेम्बोर्गिनी कार (डीएल-11 सीएफ 4018) से हादसा हुआ, वह लिमिटेड एडिशन मॉडल है। इसकी कीमत करीब 14 करोड़ रुपए है और कार शिवम मिश्रा के नाम पर ही रजिस्टर्ड है।

मथुरा में परिवार के 5 लोगों की लाश मिली

पति-पत्नी, 3 बच्चे; रसोई की दीवार समेत 3 जगह सुसाइड नोट मिले

मथुरा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा में एक ही कमरे से एक परिवार के पांच लोगों की लाशें मिली हैं। मृतकों में पति, पत्नी और तीन बच्चे शामिल हैं। कमरे में बेड पर मां, एक बेटी और एक बेटा मिले, जबकि दूसरी बेटी चारपाई पर पड़ी थी। पति का शव फर्श पर मिला। पुलिस की दो थ्योरी सामने आई हैं। पहली- पति, पत्नी और बच्चों ने दूध में जहर मिलाकर आत्महत्या की। दूसरी- पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर बच्चों की जान ली और बाद में खुद करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि घटना का पता उस समय चला, जब सुबह बच्चे दिखाई नहीं दिए। इस पर पास में रहने वाले मनीष के भाई मौके पर पहुंचे। वे मेन गेट फांदकर अंदर गए और कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर सभी मृत पड़े मिले, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को तीन सुसाइड नोट मिले हैं। पहला रसोई की दीवार पर लिखा था, जिसमें कहा गया कि मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं और पुलिस किसी को परेशान न करे। दूसरा नोट कागज पर मिला, जिसमें भी यही बातें लिखी थीं। इसके अलावा, सुसाइड से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मनीष ने दुखों से परेशान होकर जान देने की बात कही है। पुलिस तंत्र-मंत्र के एंगल पर भी जांच कर रही है। इसी सिलसिले में उस मंदिर के पुजारी को हिरासत में लिया गया है, जहां मनीष अक्सर पूजा करने जाते थे। मनीष खेती करते थे। हाल ही में उन्होंने 19 लाख रुपए का प्लॉट बेचा था, जिसमें से 12 लाख रुपए खाते में आ चुके थे। घटना महावन थाना क्षेत्र के खप्परपुर गांव की है।

अनुष्का डिलीवरी के बाद हॉस्पिटल से घर नहीं लौटीं

पटना, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अगर बच्ची नहीं हुई है तो तेजप्रताप यादव डिप्रेशन में क्यों हैं? अनुष्का की डिलीवरी से लेकर बच्ची के नाम तक सब कुछ सार्वजनिक करूंगा। बच्ची को लेकर पूरा परिवार दहशत में है, इसी वजह से अनुष्का ने घर छोड़ दिया है। बच्चे के मामले में किसी भी बहन-बेटी के चरित्र पर आरोप कैसे लगाए जा सकते हैं? कोर्ट में सब कुछ साबित करना होगा। मैं 24 घंटे के अंदर पूरा खुलासा करूंगा, फिर उन्हें जवाब देना होगा।

यह दावा अनुष्का के भाई आकाश यादव का है। अनुष्का अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर नहीं लौटी हैं। जांच के दौरान एक अस्पताल की पर्ची भी मिली, जिसमें अनुष्का के पति के रूप में तेजप्रताप यादव का नाम दर्ज है। अनुष्का की डिलीवरी के बाद आकाश यादव क्यों शांत हो गए और उन्होंने तेजप्रताप यादव को खुली चुनौती क्यों दी। 8 फरवरी को खबर सामने आई कि अनुष्का यादव ने एक बेटी को जन्म दिया है। यह खबर सामने आते ही तेजप्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनुष्का की बेटी का पिता होने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस खबर को झूठा बताते हुए कहा कि अनुष्का से उनका कोई संबंध नहीं है। तेजप्रताप यादव ने आकाश भाटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'बच्चा आकाश भाटी का है।'

एंटी करप्शन टीम ने ढाबे से दरोगा को उठाया

रिश्वतखोरी का है मामला; चर्चाओं का बाजार गर्म

अमेठी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी में मंगलवार को एंटी करप्शन टीम ने हाईवे के पास स्थित एक ढाबे से उप निरीक्षक राजेश पाल को हिरासत में लिया है। वह इन्हौना थाने में तैनात हैं।

टीम की कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उप निरीक्षक पर सड़क हादसे से जुड़े एक मामले में पीड़ित से धनराशि मांगने का आरोप है। विवेचना के नाम पर रुपये की मांग की जा रही थी। पीड़ित ने शिकायत किया है। इस पर एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की है। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कार्रवाई के बाद टीम उप निरीक्षक को अपने साथ ले गई। फिलहाल पूरे प्रकरण को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं, पुलिस विभाग के अधिकारी भी इस मामले में सतर्कता बरतते नजर आ रहे हैं। थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने इतना ही बताया कि एंटी करप्शन टीम ने उप निरीक्षक को हिरासत में लिया है। पैसे लेने के आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद ही आगे की विभागीय या कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार किया जा रहा है।

महिला से वन विभाग के चार दरोगाओं ने किया सामूहिक दुष्कर्म

चारों की पांच माह पहले ही हुई सहसवान में तैनाती

बदायूं, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बदायूं के सहसवान रेंज में तैनात चार वन दरोगाओं पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उझानी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है। सहसवान के ही एक गांव की महिला ने 10 जनवरी की वारदात बताकर एफआईआर लिखाने के लिए कोर्ट का सहारा लिया था। महिला का कहना है कि दस जनवरी की दोपहर वह दवा लेने के लिए सहसवान से बदायूं आने के लिए घर से निकली थी। उझानी के अकराबाद चौराहे पर वाहन का इंतजार करते समय एक कार रुकी। उसमें बैठे एक व्यक्ति ने बदायूं चलने की आवाज लगाई। वह उसमें बैठ गई।

पल्लवी को बाल पकड़कर लखनऊ पुलिस ने गाड़ी में डाला

यूजीसी रेगुलेशन के समर्थन में निकाला मार्च, विधानसभा कूच के दौरान झड़प

लखनऊ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच आज झड़प हो गई। पल्लवी यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च निकाल रही थीं। उनके साथ सैकड़ों महिलाएं इस मार्च में शामिल थीं। महिलाओं संग वह आईटी चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था। मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। वहां बड़ी-बड़ी कंटीली बैरिकेडिंग की गई थी। पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। झड़प के बाद वह सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी।

वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं, लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जा रही थीं। इसके बाद उनके बाल पकड़कर गाड़ी के अंदर डाल दिया।

संभल हिंसा मामले में डीएसपी रहे अनुज चौधरी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

कोर्ट ने सीजेएम के आदेश पर लगाई रोक

प्रयागराज, 10 फरवरी (एजेंसियां)। संभल के डीएसपी रहे अनुज चौधरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सीजेएम कोर्ट के उस आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिसमें सीओ अनुज चौधरी समेत 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया था। पांच सप्ताह बाद मामले की होगी सुनवाई। सीजेएम कोर्ट के आदेश पर तब तक रोक लगी रहेगी। संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में सीजेएम कोर्ट ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व 22 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इस फैसले को अनुज चौधरी ने हाईकोर्ट में और राज्य सरकार ने भी हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सीजेएम कोर्ट ने सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर अनुज चौधरी सहित 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इस आदेश को अनुज चौधरी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। साथ ही राज्य सरकार ने भी इस फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने फिलहाल सीजेएम कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है और दो सप्ताह बाद अगली सुनवाई की तारीख तय की है। तब तक एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पर रोक बनी रहेगी।

यूपी में एक और पति का कत्ल

बीवी ने प्रेमी संग कुल्हाड़ी से काटा, दो दिन पहले ही आया था रणवीर

इटावा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में एक और पति मारा गया है। इटावा की भरथना कोतवाली इलाके के गांव पड़ियापुर में ट्रक चालक का शव सोमवार सुबह उसके घर के बाहर लहूलुहान हालत में मिला।

चालक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या की गई थी। सिर, गले और चेहरे पर कुल्हाड़ी के कई वार किए गए थे। पिता ने शव पड़ा देखकर पुलिस और परिजनों को सूचना दी। घर से ट्रक चालक की पत्नी और उसकी बच्ची भी गायब थे। पिता ने बहू और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाया है। उसकी तहरीर पर पुलिस ने मृतक की पत्नी, उसके प्रेमी और एक अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव पड़ियापुर में ट्रक चालक रणवीर (40) की उसके घर के बाहर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह करीब सात बजे पिता लाखन सिंह जब अपने बेटे के घर पहुंचे तो उन्होंने रणवीर का लहूलुहान शव बरामदे में पड़ा देखा।

सिर, गले और चेहरे पर कुल्हाड़ी से किए गए गंभीर चोटों के निशान थे। उन्होंने तत्काल पुलिस और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक देहात श्रीशचंद्र, प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद पुलिस ने घर के बरामदे से खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद की। शुरुआती जांच और परिजनों के बयानों के अनुसार हत्या के पीछे अवैध संबंध का मामला सामने आ रहा है। मृतक के पिता लाखन सिंह ने अपनी बहू पूजा (38), उसके प्रेमी अर्पित और प्रेमी के पिता सर्वेश पर हत्या का आरोप लगाया है।

कलश यात्रा के दौरान भगदड़ से महिला की मौत नरोत्तम मिश्रा करा रहे थे प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

ग्वालियर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मंगलवार को नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान भगदड़ मच गई, जहां एक महिला की मौत हो गई। भगदड़ में छह से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। सभी को डबरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, अस्पताल में महिला के मृत घोषित होने के बाद आक्रोशित परिजन अस्पताल से शव लेकर कलश यात्रा स्थल के बीच लेकर पहुंच गए और प्रशासन को भगदड़ का जिम्मेदार ठहराया है। मृतक महिला की पहचान रति साहू के रूप में हुई है, जो हनुमान कॉलोनी की रहने वाली थी। गंभीर रूप से घायल महिला विमला हैं। जानकारी के अनुसार, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा नवग्रह मंदिर में आज प्राण प्रतिष्ठा करा रहे थे, जिसका कार्यक्रम 20 फरवरी तक चलना है।

सलमान खान उद्धव ठाकरे से बड़े हिंदू हैं नितेश राणे ने और क्या-क्या कहा?

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने यहां तक कहा कि सलमान खान तो उद्धव ठाकरे से बड़े हिंदू हैं। उन्होंने आरएसएस के कार्यक्रम में जाने की हिम्मत तो दिखाई। उद्धव ठाकरे तो राहुल गांधी के सामने अपने पिता को हिंदू हृदय सम्राट बोलने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाते। दरअसल, 8 फरवरी को मुंबई में संघ प्रमुख ने संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक संवाद किया था। इस संवाद में विभिन्न क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों ने भी शिरकत की थी।

इसी को लेकर राज ठाकरे सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस इवेंट में अलग-अलग फील्ड के कई जाने-माने लोगों को बुलाया गया था। और उनमें से कुछ असल में आए भी।

लेकिन मैं मोहनराव भागवत को साफ-साफ बताना चाहूंगा कि वे आपसे प्यार की वजह से नहीं आए थे; वे नरेंद्र मोदी की सरकार के डर से आए थे। प्लीज़ इस गलतफहमी से बाहर निकलें कि वे आपके लिए वहां आए थे। नितेश राणे ने कहा कि मैं राज ठाकरे से सिर्फ इतना ही कहूंगा कि जब मुंब्रा की एआईएमआईएम की पार्षद हिंदी में बोलती है कि कैसा हराया तब राज ठाकरे कहां थे? उद्धव कहां थे?

मोहन भागवत ने क्या कहा था ?

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने इस कार्यक्रम में धर्मांतरण, घुसपैठ और कम जन्म दर को जनसंख्या असंतुलन के लिए जिम्मेदार तीन प्रमुख कारक बताया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक शोध एक परिवार में तीन बच्चे पैदा करने का सुझाव देते हैं, जो हालांकि पसंद का मामला है। भागवत ने लोगों का धर्मांतरण कराने और किसी संप्रदाय की आबादी बढ़ाने के लिए बल, प्रलोभन और छल का सहारा लिए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने मूल धर्म में लौटना चाहते हैं, उनके लिए घर वापसी ही एकमात्र उपाय है। घुसपैठ से जुड़े एक सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस कार्यकर्ता भाषा के जरिये संदिग्ध घुसपैठियों की पहचान करते हैं और उनकी सूचना अधिकारियों को देते हैं।

जनसंख्या असंतुलन पर आरएसएस प्रमुख ने कहा, इसके तीन प्रमुख कारण हैं; पहला-धर्मांतरण। हालांकि, धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी है, लेकिन लोगों का धर्म बदलवाने और किसी संप्रदाय की आबादी बढ़ाने के लिए बल, प्रलोभन या छल का सहारा लिया जाना पूरी तरह से निंदनीय है। भागवत ने कहा कि जो लोग अपने मूल धर्म में लौटना चाहते हैं, हम उनके लिए रास्ता बनाते हैं और ऐसे लोगों के लिए घर वापसी ही एकमात्र उपाय है।

नशा तस्करों पर चला ऑपरेशन प्रहार,125 अपराधियों के साथ पंजाबी गायिका भी अरेस्ट

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव के निर्देशों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार-2 के तहत खन्ना पुलिस को पहले ही दिन बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसएसपी डॉ दर्पण आहलूवालिया के नेतृत्व में जिले के तीनों सब-डिवीजनों खन्ना,पायल और समराला में एक साथ 151 जगहों पर छापेमारी कर कुल 125 अपराधी तत्वों को हिरासत में लिया गया है। इनमें गैंगस्टर,नशा तस्कर,वांछित अपराधी और संदिग्ध लोग शामिल हैं। इस दौरान माछीवाड़ा साहिब की रहने वाली पंजाबी गायिका परमजीत कौर पम्मी और उसका भाई सरवन सिंह भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

एसएसपी डॉ।दर्पण आहलूवालिया ने बताया कि ऑपरेशन के तहत सुबह करीब 4 बजे से पुलिस की कई टीमों ने पूरी योजना और पुख्ता इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ रेड की। पुलिस ने गैंगस्टरों,ड्रग पेडलर्स और सक्रिय अपराधियों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की।इस दौरान 3 सक्रिय गैंगस्टर,45 वांछित अपराधी,46 लोगों को क्राइम प्रिवेंशन के तहत,2 फरार आरोपी और 29 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

इस तरह कुल 125 लोगों को काबू किया गया। इसी के तहत माछीवाड़ा साहिब में कोहाड़ा रोड अडियाना बस स्टैंड के पास गश्त के दौरान पुलिस ने एक युवक और महिला को संदिग्ध हालत में पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से 8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।पूछताछ में उनकी पहचान सरवन सिंह और परमजीत कौर के रूप में हुई,जो गांव रहीमाबाद खुर्द के रहने वाले और भाई-बहन हैं। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार,परमजीत कौर पहले पंजाबी गायिका रह चुकी है और उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बड़ा खुलासा: बैंक में जाली नोट जमा कराते ही फंस गया आरोपी

नोटों की जांच से करोड़ों की कोकीन तक पहुंची पुलिस

जम्मू, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जाली नोटों की शिकायत की जांच ने सांबा पुलिस को कोकीन की बड़ी खेप और आरोपी दिल मोहम्मद तक पहुंचा दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने बाड़ी ब्राह्मणा की जिंदल कोको फैक्टरी के गैरेज में छिपाकर रखी 1937.80 ग्राम कोकीन बरामद की है। बरामद कोकीन की बाजार कीमत करीब 19.37 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपी दिल मोहम्मद पेशे से चालक है और लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार में लिप्त था। तीन फरवरी को बाड़ी ब्राह्मणा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि जम्मू के डिगियाना आश्रम निवासी दिल मोहम्मद ने बैंक में 9000 रुपये के जाली नोट जमा कराए हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी के बैंक खातों की छानबीन की गई तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरोपी के खातों में जम्मू-कश्मीर बैंक में करीब 18 लाख रुपये और पीएनबी में लगभग 2.40 लाख रुपये जमा पाए गए। एक चालक के खाते में इतनी बड़ी रकम को लेकर पुलिस का शक और गहरा गया। एसएसपी सांबा वीरेंदर सिंह के निर्देश पर एसडीपीओ बाड़ी ब्राह्मणा प्रदीप सेन की अध्यक्षता में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई। लगातार पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने लंबे समय से कोकीन की तस्करी में शामिल होने की बात कबूल की। आरोपी की निशानदेही पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फैक्टरी के गैरेज से दो पैकेट कोकीन बरामद किए गए।

राज्यपाल कटारिया और राधा स्वामी डेरा प्रमुख के सुरक्षाकर्मी आपस में भिड़े, खूब हुई धक्का-मुक्की

फिरोजपुर (पंजाब), 10 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया मंगलवार को नशा मुक्ति रैली के लिए फिरोजपुर पहुंचे थे। सारागढ़ी गुरुद्वारा से लेकर सरकारी स्कूल शहर तक नशा मुक्ति रैली निकाली गई। रैली के दौरान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ राधा स्वामी डेरे के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों भी शामिल हुए। इस दौरान राज्यपाल और राधा स्वामी डेरे के सुरक्षाकर्मी भी साथ मौजूद थे। खासी भीड़ के चलते राज्यपाल कटारिया और डेरे के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों के सुरक्षाकर्मी आपस में भिड़ गए।

ये सारी घटना कैमरे में कैद हो गई। काफी रास्ते तक वे आपस में धक्का मुक्की करते हुए नजर आए। काफी देर तक राज्यपाल और डेरा ब्यास प्रमुख के सुरक्षाकर्मियों के बीच खींचतान चलती रही। इसके बाद फिरोजपुर में नशा मुक्त रैली के दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने पंजाब को नशा मुक्त करने का संदेश दिया। इससे पहले राष्ट्रीय गान हुआ। इस मौके पर राज्यपाल कटारिया ने कहा कि पंजाब नशे से तभी मुक्त हो सकता है जब सभी सुरक्षा एजेंसियां व समाजसेवी एकजुट होकर इसके खिलाफ काम करें।

बाथरूम में मिला एमबीबीएस छात्रा का शव:पास ही पड़ी थी एसिड बॉटल

भोपाल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की छात्रा रोशनी की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में बाथरूम में लाश मिली है। पास ही एसिड बॉटल पड़ी थी। रोशनी ने अक्टूबर 2025 में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिया था। रोशनी डे-स्कॉलर थी और कोहेफिजा थाना क्षेत्र के एक पीजी में रह रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जब वह सुबह कॉलेज के लिए अपने कमरे से बाहर नहीं निकली, तो साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को को अनहोनी की आशंका हुई। साथी छात्रों के मुताबिक, रोशनी को कई बार आवाज देने और फोन कॉल करने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो पीजी के गार्ड को सूचना दी गई। इसके बाद पहले कमरे और फिर बाथरूम का दरवाजा तोड़ा गया, जहां रोशनी पड़ी मिली। स्टूडेंट्स ने बताया कि रोशनी के पास एक खाली एसिड की बोतल भी पड़ी हुई थी, जिससे स्थिति और गंभीर लगने लगी। तत्काल कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी गई।

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव, उग्रवादियों ने कई घरों में लगाई आग, 5 दिन के लिए इंटरनेट बंद

इंफाल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के उखरुल जिले में हथियारबंद उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी और गोलीबारी की। यह घटना तांगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर हमले को लेकर तनाव बढ़ने के बीच हुई। हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने जिले में 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं, ताकि आगे की हिंसा और अफवाहों को रोका जा सके।

पूरे जिले में कर्फ्यू

पुलिस के अनुसार, लिटान सारेइखोंग इलाके में हुई गोलीबारी और आगजनी की यह घटना एक दिन पहले दो तांगखुल नगा संगठनों द्वारा उखरुल और कामजोंग जिलों में कुकी समुदाय की आवाजाही पर पाबंदी लगाए जाने के बाद हुई। प्रशासन ने पूरे जिले में कर्फ्यू लगा दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "सशस्त्र लोगों ने लिटान सारेइखोंग में खाली पड़े कुछ मकानों में आग लगा दी और गोलीबारी की। स्थिति तनावपूर्ण है और सुरक्षा बल हालात पर

काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि मणिपुर सरकार ने एहतियाती तौर पर पर उखरुल जिले के राजस्व क्षेत्र में ब्रॉडबैंड, वीपीएन और वी-सैट से चलने वाली इंटरनेट सेवाओं को 5 दिन के लिए सस्पेंड करने का आदेश दिया है।

सुरक्षाबलों पर क्यों नाराज हुए स्थानीय लोग?

वहीं, अपने घरों को छोड़ कर भाग रहे स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में गोलीबारी रोकने में कथित विफलता को लेकर सुरक्षाबलों पर नाराजगी जताई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो क्लिप में पहाड़ी इलाके में घना धुआं फैलता हुआ दिखाई दे रहा है।

जल चुके हैं 21 मकान, स्थिति अब भी तनावपूर्ण

पिछले 2 दिन से लिटान सारेइखोंग और आसपास के कुकी बहुल गांवों से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सैकड़ों कुकी और तांगखुल नगा ग्रामीण सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। कई ग्रामीणों ने कुकी बहुल कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और सैकुल के कुछ हिस्सों में शरण ली है। मणिपुर के मंत्री गोविंदास कोंथौजाम ने सोमवार को कहा था कि कम से कम 21 मकान जलाए जा चुके हैं और स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि हालात पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

जल्द होगी शिक्षकों की भर्ती, फ्रीज पदों को डी-फ्रीज करने पर विचार; शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू का बयान

जम्मू, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश में जल्द ही शिक्षा विभाग में अध्यापकों की भर्ती होने की उम्मीद है। कारण-शिक्षा विभाग में फ्रीज किए गए शिक्षकों के पदों केा डी-फ्रीज करने पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। इसकी पुष्टि स्वयं शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में की। उन्होंने अध्यापकों के रिक्त पदों और सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कमी के लिए वर्ष 2018 में तत्कालीन प्रदेश प्रशासनिक परिषद के फैसले को जिम्मेदार ठहराया तो भाजपा विधायक पवन गुप्ता ने कहा कि यह कहां लिखा है कि अतीत में अगर कुछ गलत हुआ है तो प्रदेश सरकार उसे ठीक नहीं कर सकती। प्रदेश सरकार एक ही आदेश में गलत को सही कर सकती है। आज विधानसभा में विधायक पवन गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र उधमपुर के विभिन्न स्कूलों मं अध्यापकों के रिक्त पदों की तरफ सदन का ध्यान दिलाते हुए कहा कि इससे बच्चों की सीखने की क्षमता प्रभावित हो रही है।

उन्होंने स्कूलों में अध्यापकों के 1800 से ज्यादा पर रिक्त पड़े हुए हैं। भाजपा विधायक आरएस पठानिया ने भी हस्ताक्षेप किया और कहा कि सरकार ने सिंगल स्कूल टीचर की अवधारणा कहां से ली है, यह क्या हैं। हैंगिंग स्कूल भी एक समस्या है। इन्हें दूर किया जाना चाहिए। प्रदेश सरकार यह कहकहर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती कि यह सब पहले का किया हुआ है। सरकार को अपनी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि वर्ष 2018 में तत्कालीन राज्यपाल के नेतृत्व में प्रदेश प्रशासनिक परिषद एसएसी ने अध्यापकों के पदों पर भर्ती पर रोक लगाई थी।

'थोड़ी भी शर्म होती तो मैच न खेलता पाक' पाकिस्तान के यू-टर्न पर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार के फैसले से पलटने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मजाक बताते हुए बीसीसीआई और पाकिस्तान, दोनों पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही उन्होंने संसद की कार्यवाही और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। पाकिस्तान के यू-टर्न पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा, यह किस तरह का मजाक है? पूरा देश देख रहा है और इंतजार कर रहा है कि पाकिस्तान क्या फैसला लेगा। अगर पाकिस्तान में थोड़ी भी शर्म बची होती, तो वह साफ कह देता कि वह यह मैच नहीं खेलेगा।

पहले बहिष्कार का ऐलान करना और फिर उससे पलट जाना, यह पाकिस्तान की गैर-गंभीरता को दिखाता है। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से बीसीसीआई की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि देश की जनता इस फैसले को ध्यान से देख रही है। प्रियंका चतुर्वेदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सरकार की घोषित नीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही थी, आतंक के साथ कोई व्यापार नहीं, आतंकवाद से कोई बातचीत नहीं, और पाकिस्तान को किसी तरह की रियायत नहीं। ऐसे में पाकिस्तान के साथ मैच खेलने को लेकर उठ रहे सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य ने संसद की कार्यवाही और लोकतंत्र के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद की प्रक्रिया चल रही है, उसमें ट्रेजरी बेंच लगातार विपक्ष पर हमला कर रही हैं और उन्हें कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि संसद में कई पुस्तकों का हवाला दिया गया, यहां तक कि देश के पूर्व थलसेनाध्यक्ष द्वारा लिखी गई पुस्तक का भी उल्लेख हुआ। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उस पुस्तक को लेकर इतना बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया गया कि प्रधानमंत्री स्वयं सदन में आकर प्रक्रिया पर जवाब देने तक नहीं आए। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक बताया।

कंचन कुमारी हत्याकांड: मुख्य आरोपी अमृतपाल मेहरों 'भगोड़ा' घोषित, बठिंडा कोर्ट का एक्शन

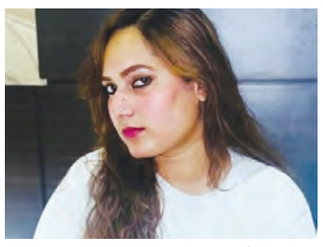

बठिंडा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या के मामले में बठिंडा की एक स्थानीय अदालत ने सिख कट्टरपंथी नेता अमृतपाल सिंह मेहरों को भगोड़ा (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर पीओ) घोषित कर दिया है। आरोपित बार-बार समन जारी होने के बावजूद अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। अदालत ने बीती 7 फरवरी को मामले की सुनवाई करते हुए फरार आरोपित अमृतपाल सिंह मेहरों को पीओ घोषित किया। मेहरों इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित है और वारदात के बाद जून 2025 में देश छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार उसके वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में छिपे होने की आशंका है।

इससे पहले अदालत ने बीती 1 दिसंबर 2025 को अमृतपाल सिंह मेहरों और उसके साथी व आरोपित रंजीत सिंह को गिरफ्तारी से बचने के आरोप में भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। मामले में मेहरों के तीन सहयोगी व आरोपित जसप्रीत सिंह, निर्मतजीत सिंह और रंजीत सिंह को गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

बठिंडा कैंट थाने के एसएचओ दलजीत ढिल्लों ने बताया कि उन्हें अदालत का आदेश प्राप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि अमृतपाल सिंह मेहरों के यूएई में छिपे होने की जानकारी है। राज्य सरकार व केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है, ताकि इंटरपोल की मदद से उसे भारत प्रत्यर्पित करवाया जा सके। इंटरपोल को आवश्यक विवरण भेजे जा चुके हैं और आधिकारिक जवाब का इंतजार है।

अलर्ट! भयंकर गर्मी दस्तक देने को तैयार, क्या इस साल टूटेंगे रिकॉर्ड?

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सर्दी अलविदा कहने वाली है और गर्मी दस्तक देने वाली है। राजधानी दिल्ली का तापमान फरवरी के दूसरे हफ्ते में ही 26 डिग्री है तो महीने के आखिर तक यह 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। अनुमान लगा लीजिए कि मार्च और अप्रैल के महीने में दिल्ली में तापमान का क्या हाल होगा और फिर जून-जुलाई में इस बार कितनी गर्मी पड़ सकती है? जी हां, इस बार गर्मी के मौसम में 2024-2025 की रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बाद सामान्य से ज्यादा गर्मी पड़ सकती है औ साल 2028 तक यह दौर जारी रहेगा, यानी अगले 3 साल भारत समेत पूरी दुनिया को भीषण गर्मी झेलनी पड़ सकती है। इसकी वजह प्रशांत महासागर में अल नीनो का एक्टिव होना और जलवायु परिवर्तन के कारण घटती बारिश से मौसम चक्र का टूटना है।

चौथा सबसे गर्म साल रह सकता है 2026

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देशभर के कई राज्यों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो गई और न्यूनतम तापमान भी बढ़ने लगा है। ऐसे में मौसम वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि साल 2026 भी 23-24-25 की तरह सबसे गर्म साल साबित हो सकता है। इसकी वजह हाई लेवल की कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन होना है और प्रशांत महासागर में अल नीनो एक्टिव होने की संभावना है। अल नीनो के कारण तापमान में बढ़ोतरी होगी और बारिश का पैटर्न भी बदेगा।

2027 में भी तापमान तोड़ सकता रिकॉर्ड

वहीं अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञानियों का कहना है कि साल 2026 में एक्टिव होने का अल नीनो के साल 2027 तक मजबूत तरीके से विकसित होने का अनुमान है, जिसके चलते साल साल 2027 में वैश्विक तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचेगा और इसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर पड़ेगा। अगर ऐसा हुआ तो साल 2027 पिछले 3 साल के मुकाबले बहुत ज्यादा गर्म होगा। भारत में जहां तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा, वहीं जंगलों में अग्निकांड होने के आसार रहेंगे।

भारत के मौसम पर कैसा रहेगा असर?

बता दें कि अल नीनो के असर से मार्च से अप्रैल 2026 तक दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत में तापमान सामान्य रह सकता है। वहीं गरज-चमक के साथ होने वाली बारिश भीषण गर्मी से राहत दिलाएगी, जिस वजह से गर्मी थोड़े समय के लिए ही रहेगी। मई से जून के मध्य तक उत्तर और पश्चिम भारत में लू चलने से भयंकर कर्मी पड़ेगी, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है। क्योंकि अल नीनो के असर से तापमान बढ़ेगा और बारिश का पैटर्न बदलेगा, जिस वजह से ज्यादा गर्मी पड़ेगी।

ग्राम जलई में घास लेने जंगल गई महिला पर भालू ने किया हमला

रुद्रप्रयाग, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग के ग्राम जलई में सुबह एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। इस दौरान महिला बुरी तरह घायल हो गई। महिला को जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, घटना आज सुबह करीब 10:30 बजे की है। निशा देवी (60 वर्ष) जंगल घास लेने गई थी। उसके साथ अन्य महिलाएं भी थीं। तभी झाड़ी से निकलकर अचानक भालू ने हमला कर दिया।

घायल महिला को ग्रामीणों की मदद से स्वास्थ्य केंद्र अगस्तमुनि लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया। चिकित्सक डॉ। ज्योति शाह के अनुसार, पीड़िता की स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन खून का थक्का जमने के कारण रेफर किया गया है वहीं, सूचना मिलते ही वन विभाग सक्रिय हुआ। रेंजर एच।एस। रावत ने बताया कि छह सदस्यीय टीम को क्षेत्र में भेज दिया गया है। मौके पर फॉरेस्टर गौरव भट्ट एवं फॉरेस्ट गार्ड ऋषिराज मौजूद रहे।

फिल्म की रिलीज में देरी से परेशान मेकर्स

समझौते को तैयार? सेंसर बोर्ड के खिलाफ याचिका ली वापस

चैन्नई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। तमिल सुपरस्टार थलापति विजय पिछले एक महीने से अपनी फिल्म 'जना नायकन' को लेकर छिड़े विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। ये फिल्म पहले 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी, लेकिन फिल्म की रिलीज से ठीक पहले ये फिल्म सर्टिफिकेशन विवाद में फंस गई और अब तक फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो पाई है। थलापति विजय के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित थे, क्योंकि ये उनकी आखिरी फिल्म बताई जा रही है।

इस फिल्म की रिलीज के बाद अभिनेता पूरी तरह से अपना समय राजनीति को देने वाले हैं। लेकिन, रिलीज से ठीक पहले फिल्म सेंसर के पचड़े में फंस गई और अब तक रिलीज नहीं हो पाई है। इस बीच 'जना नायकन' के मेकर्स ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के खिलाफ दायर अपनी याचिका वापस लेने की अर्जी दी है। जना नायकन के निर्माताओं ने मद्रास उच्च न्यायालय में दायर सीबीएफसी के खिलाफ अपनी याचिका वापस लेने का फैसला किया है और मेकर्स के वकील ने इस संबंध में हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को सूचना दी। अब खबर है कि मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को 'जना नायकन' के निर्माताओं को अपनी पिछली याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी है।

यह फैसला विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट पास को लेकर हफ्तों से बनी अनिश्चितता के बाद आया है। जस्टिस पीटी आशा के समक्ष सुनवाई के दौरान, जना नायकन के निर्माताओं ने अदालत को सूचित किया कि वे अब सीबीएफसी संशोधन समिति के जरिए इस मामले में आगे बढ़ेंगे। मेकर्स के इस फैसले को फिल्म को दोबारा जांच के लिए वापस भेजे जाने के बाद पहला स्पष्ट कदम माना जा रहा है। जस्टिस पीटी आशा की सिंगल बेंच ने मंगलवार सुबह 10.30 पर इस संबंध में सुनवाई की और मेकर्स को अपना पुराना केस वापस लेने की अनुमति दे दी। अब अदालत की ओर से याचिका वापस लेने की अनुमति मिलने के बाद मेकर्स को सीबीएफसी की हरी झंडी का इंतजार करना होगा

रूस बोला- भारत पर हमसे तेल नहीं खरीदने का दबाव

अमेरिका एनर्जी सप्लाई पर कंट्रोल चाहता है ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

मॉस्को, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं।

लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा।

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्स देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे

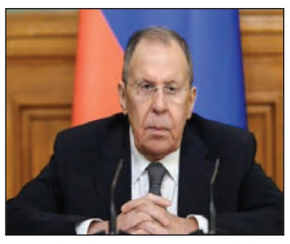

रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं।

भारत जो मुद्दे उठाता है वे आज की जरूरतें

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पर लावरोव ने कहा कि भारत जिन मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है, वे आज की जरूरतों से जुड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, खाने और ऊर्जा की सुरक्षा, तकनीक और एआई जैसे विषय अहम हैं।

उन्होंने बताया कि भारत फरवरी में एआई पर एक बड़ी बैठक करने वाला है, जिसमें रूस भी शामिल होगा। रूस का कहना है कि एआई को लेकर नियम ऐसे होने चाहिए, जिनमें हर देश की आजादी बनी रहे और कोई एक देश बाकी देशों पर हुक्म न चलाए।

लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश अपनी पुरानी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। ट्रम्प सरकार के आने के बाद यह और साफ हो गया है कि अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया पर कंट्रोल चाहता है और अपने मुकाबले वालों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इन हालात का असर रूस के दूसरे देशों के साथ रिश्तों पर भी पड़ रहा है। रूस पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं। खुले समुद्र में रूसी जहाजों को रोका जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। कुछ देशों को रूसी तेल और गैस खरीदने पर टैरिफ भी देना पड़ रहा है।

लावरोव ने कहा कि रूस के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि देश सुरक्षित रहे और आगे बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप में कुछ नेता खुले तौर पर रूस के खिलाफ युद्ध की बात कर रहे हैं।

रूस का कहना है कि उसकी सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि यूक्रेन की जमीन से उसे कोई खतरा न हो और क्रीमिया, डोनबास और नोवोरोसिया में रहने वाले रूसी और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है।

कार-बाइक की टक्कर एक युवक की मौत

घटना में बाइक सवार की मौत, दूसरा गंभीर, कार चालक फरार

लातेहार, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत किनामाड़ स्थित सीआरपीएफ कैंप के पास एनएच-39 पर मंगलवार को एक कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान लातेहार के बोड़ा, सबानो निवासी पवन यादव के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक कढ़िमा, लातेहार निवासी मुकेश यादव है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक बाइक से लातेहार से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रांची से लातेहार की ओर आ रही एक कार से उनकी बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई।

वहां डॉक्टरों ने पवन यादव को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल मुकेश यादव को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया।

पश्चिमी अमेरिका में बर्फबारी में रिकॉर्ड कमी

पानी की कमी और जंगल की आग जैसी समस्याओं ने बढ़ाई चिंता

लॉस एंजिल्स, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम अमेरिका में बर्फ में भारी कमी देखी जा रही है। इसके साथ ही असामान्य गर्मी भी बढ़ रही है। इससे आने वाले महीनों में पानी की भारी कमी होने का खतरा है। जंगल की आग का खतरा भी बढ़ सकता है। शीतकालीन पर्यटन और खेलों पर भी असर पड़ा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ की मोटाई और फैलाव पिछले कई दशकों में सबसे कम है।

67 मौसम केंद्रों में दिसंबर से फरवरी की शुरुआत तक सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई है।

आमतौर पर इस समय बर्फ करीब 4 लाख 60 हजार वर्ग मील में होती थी। यह क्षेत्र कैलिफोर्निया, यूटा, इडाहो और मोंटाना चारों राज्यों जितना होता है।

बर्फ के अंदर जमा पानी रिकॉर्ड स्तर कम

नेशनल स्नो एंड डाटा सेंटर (एनओएए) के निदेशक मार्क सेरेज ने कहा, मैंने ऐसी सर्दी पहले कभी नहीं देखी। यह मौसम

का पैटर्न बहुत लंबे समय से एक जैसा बना हुआ है। इस केंद्र के वैज्ञानिक जेसन गर्लिच ने बताया कि ओरेगन में बर्फ के अंदर जमा पानी रिकॉर्ड स्तर पर कम है। यह पिछली सबसे खराब स्थिति से भी 30 फीसदी कम है।

पूर्वी अमेरिका में विपरीत मौसम

अमेरिका के पूर्वी हिस्से में बेहद सर्दी है और बर्फ जमी हुई है। लेकिन पश्चिम में हालात बिल्कुल उलट हैं। यूटा के वेस्ट जॉर्डन शहर में लोग टी-शर्ट और शॉर्ट्स में घूम रहे हैं। ट्रेवर स्टीफेंस ने कहा, अभी जमीन पर बिल्कुल बर्फ नहीं है। उन्होंने स्नोबोर्डिंग न कर पाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मुझे फिसलन भरी सड़कें सही लगती हैं, लेकिन यह हालात नहीं।

बर्फ की कमी का व्यापक स्तर पर दिख रहा असर

बर्फ की कमी से स्की रिसॉर्ट पहले ही परेशान हैं। अब असर बड़े स्तर पर दिखने लगा है। ओरेगन, कोलोराडो और यूटा में 1980 के बाद से सबसे कम बर्फ दर्ज की गई है। जनवरी महीना बहुत सूखा रहा। अधिकतर राज्यों में औसत से आधी या उससे भी कम बारिश हुई। धूप ज्यादा रही और तापमान ऊंचा रहा।

चुनाव से पहले एक और हिंदू कारोबारी की हत्या

दुकान में घुसकर मारा, नकदी भी लूटी

ढाका, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में सोमवार रात एक हिंदू कारोबारी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वारदात करीब 11 बजे हुई।मृतक की पहचान 62 वर्षीय सुसैन चंद्र सरकार के रूप में हुई है। वह चावल का कारोबार करते थे। स्थानीय थाना प्रभारी मोहम्मद फिरोज हुसैन के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने दुकान के अंदर सुसैन सरकार पर धारदार हथियार से हमला किया। उन्हें सिर पर गंभीर चोटें आईं। हमलावर हत्या के बाद शव को दुकान के अंदर ही छोड़ गए और शटर बंद कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उन्हें तलाशते हुए दुकान पहुंचे। शटर खोलने पर सुसैन सरकार खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उन्हें तुरंत मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के बेटे सुजन सरकार ने बताया कि उनका परिवार दशकों से चावल का कारोबार कर रहा था और किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने कहा, "मेरे पिता की बेरहमी से हत्या की गई। हमलावर दुकान से कई सौ हजार टका भी लूट ले गए।"

सुजन सरकार ने दोषियों की जल्द पहचान कर कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले में कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और जांच जारी है।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं

कश्मीर मूल की हैं, एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

लंदन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं।

इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है।

कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओके के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी।

दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन

फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है।

मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी।

स्टार्मर को चुनौती देने के लिए 20% सदस्यों का समर्थन जरूरी

लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20% का समर्थन हासिल करना जरूरी है।

यह नियम 2021 में पार्टी कॉन्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10% थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20% कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे।

अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है।

आरक्षक ने घर में लगाई फांसी

सूरजपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले के विश्रामपुर में आरक्षक ने अपने क्वार्टर में फांसी लगा ली है। आरक्षक दो महीने से एमसीबी जिले में ड्यूटी पर था।

सोमवार शाम ही वह ड्यूटी से लौटा था। रात करीब 10 बजे पत्नी ने शव को फंदे पर झूलता देखा। मामला विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक अन्तोश खलखो (36) विश्रामपुर के चोपड़ा कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 783 में रहता था। दो महीने से उसकी ड्यूटी एमसीबी जिले में लगाई गई थी। 9 फरवरी को वह छुट्टी लेकर अपने घर विश्रामपुर लौटा था।

विश्रामपुर लौटने के बाद वह अपने क्वार्टर में पहुंचा। शाम को वह अपने ससुराल चोपड़ा कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 788 में गया। वहां उसने खाना खाया। उसकी पत्नी आशा खेस भी मायके में थी। खाना खाने के बाद वह अपने क्वार्टर में लौट गया। रात करीब 10 बजे आशा खेस पति के लिए कुछ खाने का सामान लेकर उसके क्वार्टर में पहुंची, तो अन्सोश खलखो पंखे में फांसी पर झूलता मिला।

आशा खेस ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और अन्तोश खलखो को फंदे से नीचे उतारा।

उसे लेकर तत्काल वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। अन्तोश खलखो ने फांसी क्यों लगाई? इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले में परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटा रही है। मंगलवार को उसके शव को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

रूस में भारतीय छात्रों के शोषण के मामले बढ़े

2025 में दुनियाभर में 350 शिकायतें दर्ज, इनमें 200 रूस से

मॉस्को, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रूस की एक यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में 7 फरवरी को हुई चाकूबारी की घटना में चार भारतीय छात्र घायल हो गए। इस घटना के बाद रूस में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और परेशानियों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

इसी बीच विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दुनिया भर में भारतीय छात्रों की तरफ से शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव को लेकर की गई शिकायतों में से आधे से ज्यादा मामले सिर्फ रूस से जुड़े हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 196 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने ऐसी करीब 350 शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 200 से ज्यादा शिकायतें रूस में पढ़ने वाले छात्रों की थीं।

पिछले तीन सालों में इन शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2023 में 68 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2024 में यह संख्या बढ़कर 78 हो गई और 2025 में बढ़कर 201 तक पहुंच गई।

रूस में पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु से आते हैं। कम फीस और आसानी से एडमिशन मिलने की वजह से रूस लंबे समय से मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों की पसंद रहा है।

लेकिन अब वहां से लगातार शिकायतें सामने आने लगी हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई छात्रों का कहना है कि उन्हें दूसरे देशों के छात्रों की तरफ से अक्सर भेदभाव झेलना पड़ता है।

छात्रों का आरोप है कि कई बार यूनिवर्सिटी प्रशासन भी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता है। छोटी-छोटी बातों पर कॉलेज से निकालने की धमकी दी जाती है। वीजा और पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं के डर की वजह से कई छात्र खुलकर अपनी परेशानी बता भी नहीं पाते।

मॉस्को की बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर चुके एक छात्र ने मीडिया को बताया कि उनके हॉस्टल की रसोई में मामूली कहासुनी के बाद कुछ विदेशी छात्रों ने भारतीय छात्रों पर हमला कर दिया था और चाकू दिखाकर डराया था।

बलूचिस्तान से लेकर खैबर तक जंग जैसे हालात

मुल्ला मुनीर खाड़ी देशों को देने चले सुरक्षा गारंटी, एक्सपर्ट ने सुना दिया

इस्लामाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आतंकवाद चरम पर है और हर दिन कहीं न कहीं हमले होते हैं। पिछले हफ्ते ही राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद में हुए हमले में 30 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। लेकिन ताज्जुब की बात देखिए, असीम मुनीर से अपना देश तो संभल नहीं रहा है, लेकिन वो मिडिल ईस्ट को सुरक्षा गारंटी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान एक तरफ लगातार आतंकवाद से जूझ रहा है, जबकि दूसरी तरफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर दूसरे देशों की रक्षा की गारंटी लेने की कोशिश कर रहे हैं। असीम मुनीर की कोशिश मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका(एमईएनए) में पाकिस्तानी हथियार बेचना है।

पाकिस्तान, अपने हथियारों को लेकर प्रोपेगेंडा भी फैला रहा है।

कुछ इंटरनेशनल मीडिया समूह इस काम में पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों के साथ पाकिस्तान ने डील किए भी हैं। जैसे असीम मुरीन ने फरवरी के पहले हफ्ते में लीबिया के बागी मिलिट्री कमांडर खलीफा हफ्तार से रावलपिंडी आर्मी हेडक्वार्टर में मुलाकात की थी। ये उनकी एमईएनए डिप्लोमेसी का हिस्सा था। पाकिस्तान ने दावा किया है कि लीबियाई नेशनल आर्मी (एलएनए) के साथ 4 अरब डॉलर के सौदे के रूप में 16 JF-17 फाइटर और 12 सुपर मुशक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के लिए सौदा किया गया है। पाकिस्तान ने सूडानी आर्म्ड फोर्सेज (एसएएफ) को 10 काराकोरम-8 लाइट अटैक एयरक्राफ्ट, 200 से ज्यादा ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम सप्लाई करने के लिए 1.5 अरब डॉलर की डील का दावा किया है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और इराक जैसे देशों के साथ भी डिफेंस डील के दावे किए हैं। पाकिस्तान का दावा है कि ये देश उसके जेएफ-17 फाइटर को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

रिसर्चर रियाज़ खोखर ने अलजजीरा में लिखा है कि पाकिस्तान की सेना खुद को एमईएनए में सुरक्षा गारंटर की तरह पेश कर रहा है। जबकि देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कहते हैं कि बलूचिस्तान के 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर अब सरकार का कंट्रोल नहीं है।

बांग्लादेश चुनाव कौन जीतेगा

सर्वे में बीएनपी और जमात में किसे मिली बढ़त, भारत बेचैन क्यों है?

ढाका, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव होने हैं। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधों के बीच है। हालांकि, चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों ने ऐसे संकेत दिए हैं, जो भारत की चुनौतियां बढ़ा सकते हैं। बांग्लादेश के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड डिप्लोमेसी (आईआईएलडी) के एक सर्वे के मुताबिक, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की लीडरशिप वाला अलायंस 44.1 परसेंट वोटों के साथ रेस में सबसे आगे रहेगा। प्रोथोम एलो की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की लीडरशिप वाली 11 पॉलिटिकल पार्टियों के इलेक्टोरल अलायंस को 43.9 परसेंट वोट मिल सकते हैं।

बीएनपी सबसे बड़ी पार्टी, लेकिन क्या बना पाएगी सरकार?

सर्वे के मुताबिक, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) कुल वोट शेयर के मामले में सबसे आगे है, जबकि भारत विरोधी जमात की लीडरशिप वाला इलेक्टोरल अलायंस उन सीटों पर आगे है जहां जीत पक्की लग रही है। सर्वे में आगे कहा गया है कि जमात के नेतृत्व वाला गठबंधन 105 सीटें जीत सकता है, जबकि बीएनपी की लीडरशिप वाला अलायंस 101 सीटें अपनी झोली में डाल सकता है।

थ्री-स्टार होटल में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट

रायगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। सोमवार रात पुलिस ने थ्री-स्टार ट्रिनिटी होटल की 7वीं मंजिल पर संचालित सनराइज स्पा एंड सैलून में दबिश दी। इस दौरान 3 युवतियां संदिग्ध हालत में मिली। इसके अलावा मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी मिली। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रिनिटी होटल में संचालित सनराइज स्पा एंड सैलून में देह व्यापार संचालित हो रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एक पॉइंटर को ग्राहक बनाकर और 6 हजार रुपए देकर स्पा सेंटर भेजा। इनपुट मिलते ही पुलिस छापा मारा और पूरे मामले का खुलासा किया।

इस मामले में पुलिस ने स्पा संचालक और होटल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पकड़ी गई युवतियां इंदौर, कोलकाता और असम की रहने वाली हैं। हालांकि, पुलिस ने इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक शहर के बीचों-बीच थ्री-स्टार ट्रिनिटी होटल स्थित है। होटल के 7वें मंजिल पर सनराइज स्पा एंड सैलून का संचालन किया जा रहा था। लेकिन इसके आड़ में देह व्यापार का खेल जारी था। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम बनाई गई।

ईरान ने इस्फहान न्यूक्लियर साइट को सील करना शुरू किया

तेहरान, 10 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान ने अपने इस्फहान न्यूक्लियर साइट की सुरंगों को कंक्रीट और मिट्टी से भरना शुरू कर दिया है। सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ है। सोमवार को ईरान के ऊपर ली गई हाई-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों से पता चल रहा है कि ईरान, इस्फहान न्यूक्लियर साइट पर अजीब तरह की किलाबंदी कर रहा है। ऐसा लग रहा है कि सुरंगों को कंक्रीट और मिट्टी से बंद किया जा रहा है।

इस्फहान, ईरान के सबसे मुख्य संवेदनशील परमाणु साइट में से एक है। यहां पर भारी सुरक्षा व्यवस्था रहती है और पिछले साल जून में हुई लड़ाई के दौरान इजरायल ने यहां बार बार हमले किए थे। अमेरिका ने भी अपने B-2 बॉम्बर जेट से यहां बंकर बस्टर बम गिराए थे।

माना जा रहा है कि ईरान इस कोशिश में है कि अगर अमेरिका और इजरायली सैनिक यहां पहुंचे तो वो इस न्यूक्लियर साइट के अंदर दाखिल ना हो पाएं। इसके अलावा अगर बमबारी भी होती है तो नुकसान कम से कम हो। इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी की वेबसाइट पर सैटेलाइट तस्वीरें जारी की गई हैं।

इन तस्वीरों से पता चलता है कि दक्षिणी एंट्री गेट और साइट के बीच वाले सुरंग को बंद कर दिया गया है। अब उन्हें पहचाना नहीं जा सकता है। उत्तरी टनल एंट्रेंस, जहां तैयारी के और उपाय किए गए थे, उसे भी मिट्टी से भर दिया गया है। इंस्टीट्यूट ने बताया कि एंट्रेंस वाले एरिया में कोई गाड़ी की एक्टिविटी नहीं दिख रही है। इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने कहा है कि ऐसा लग रहा है कि ईरान जानता है कि अमेरिका और इजरायल का हमला होना तय है। वो अपने न्यूक्लियर फैसिलिटी को बचाने की कोशिश कर रहा है।

रिसर्चर्स का कहना है कि टनल के एंट्रेंस को मिट्टी और कंक्रीट से भरने से हवाई हमले से होने वाला नुकसान कम होगा और साइट पर स्टोर किए गए एनरिच्ड यूरेनियम को जब्त करने या नष्ट करने के लिए स्पेशल फोर्स के ऑपरेशन की स्थिति में जमीन तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा यह भी हो सकता है कि ईरान ने सुरंगों को बचाने के लिए उनमें इक्विपमेंट या कुछ सामान ट्रांसफर किया हो।

जब शिव जी ने वैद्य बनकर जोड़े रावण के सिर, क्या बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की कथा ?

देश भर में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग हैं। हर एक का अपना विशेष महत्व है। झारखंड के देवघर में भी भगवान शिव का एक ज्योतिर्लिंग है। इसका नाम है बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग। इस पावन तीर्थ को कामना लिंग के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि जो भी भगवान शिव के इस दरबार में सच्चे मन से सिर झुकाता है भगवान उसकी सारी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

महाशिवरात्रि और सावन के माह में यहां का नजारा अद्भुत होता है। रावण भगवान शिव का सबसे बड़ा भक्त था। बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का संबंध लंकापति रावण से ही बताया जाता है, तो आइए जानते हैं बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की अद्भुत कथा कि आखिर क्यों महादेव का नाम बैद्यनाथ पड़ा?

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार रावण की इच्छा भगवान शिव को लंका लाने की हुई। वो चाहता था कि भगवान शिव हमेशा लंका में ही निवास करें। इसके बाद भगवान शिव को लंका लाने के लिए रावण ने कठिन तपस्या शुरू कर दी। उसने अपनी भक्ति की पराकाष्ठा दिखाते हुए भगवान शिव के नाम पर अपने नौ सिर काटकर अग्नि में अर्पित कर दिए।

जब वो अपना दसवां सिर काटकर अग्नि में अर्पित करने जा रहा था, उसी समय शिव जी प्रकट हुए और उन्होंने रावण की भक्ति से प्रसन्न होकर उससे वरदान मांगने को कहा। वरदान में रावण ने भोलेनाथ से लंका चलने का आग्रह किया। इस पर शिव जी ने उसे अपना आत्मलिंग प्रदान किया, लेकिन ये शर्त रखी कि अगर यात्रा के दौरान कहीं भी भूमि पर उसने लिंग को रख दिया तो वो वहीं स्थापित हो जाएगा।

शिव जी को उठाए लंका चल पड़ा रावण

भगवान शिव ने रावण से कहा कि फिर इसे कोई नहीं उठा सकेगा। भगवान शिव की बात सुनकर रावण उनके आत्मलिंग को लेकर लंका की ओर चल पड़ा। इधर देवताओं को ये भय हो गया कि अगर रावण भगवान शिव लंका ले जाने में कामयाब रहा तो उसकी शक्तियां अजेय हो जाएंगी और वो संसार के लिए संकट बन जाएगा। फिर देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने एक लीला की। जब रावण शिव जी के आत्मलिंग को लेकर देवघर की भूमि के पास पहुंचा तो वरुण देव की सहायता से उसको तेज लघुशंका आई। तब रावण इस सोच में पड़ा गया कि वो आत्मलिंग को किसे सौंपे, तभी उसे वहां एक ग्वाला नजर आया। ये ग्वाला कोई और नहीं, बल्कि स्वयं भगवान विष्णु थे। रावण ने शिव जी का आत्मलिंग ग्वाले को पकड़ा दिया और स्वयं निवृत्त होने चला गया। इधर ग्वाले ने आत्मलिंग को भूमि पर रख दिया।

महादेव एक 'वैद्य' रूप में हुए थे प्रकट

शास्त्रों के अनुसार, जैसे ही शिव जी के आत्मलिंग को भूमि पर रखा गया, वो वहीं स्थापित हो गया। जब रावण लौटा तो उसने देखा कि आत्मलिंग भूमि पर स्थापित हो चुका है। ये देखकर रावण को बहुत क्रोध आया। उसने उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन उठा नहीं पाया। इस ज्योतिर्लिंग के बैद्यनाम नाम पड़ने के पीछे का कारण भी रावण ही है। कथाओं के अनुसार, रावण के सिर काटने पर महादेव एक 'वैद्य' यानी चिकित्सक के रूप में प्रकट हुए थे।

इसके बाद महादेव ने रावण के सिरों को जोड़ा था और उसको स्वास्थ्य प्रदान किया था। महादेव के वैद्य रूप के कारण ही इस ज्योतिर्लिंग को बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है।

वनवास जाते समय माता सीता को किसने दी थी दिव्य साड़ी

रामायण की कथा से हम सभी परिचित हैं, लेकिन प्रभु श्री राम के साथ जब माता सीता वनवास गईं, तो उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे चमत्कार हैं जो आज भी हमें हैरान कर देते हैं। अक्सर मन में यह सवाल आता है कि राजकुमारी सीता ने वन के कठिन 14 साल किन कपड़ों में बिताए? आखिर वह कौन सी साड़ी थी जो 14 सालों तक न कभी मैली हुई और न ही फटी? आइए जानते हैं माता सीता की उस दिव्य साड़ी के पीछे की अनसुनी कहानी।

माता अनसुइया का अनमोल उपहार

रामायण कथा के अनुसार, वनवास के शुरुआती समय में जब भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता दंडकारण्य पहुंचे, तो उन्होंने ऋषि अत्रि के आश्रम में आराम किया। वहां ऋषि अत्रि की पत्नी माता अनसुइया ने सीता जी को अपनी पुत्री के समान स्नेह दिया। माता अनसुइया, जो अपनी तपोशक्ति और पतिव्रत धर्म के लिए जानी जाती थीं, उन्होंने सीता जी को विदा करते समय कुछ दिव्य वस्तुएं भेंट कीं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण थी एक दिव्य पीले रंग की साड़ी।

क्या थी इस दिव्य साड़ी की खासियत?

यह कोई साधारण साड़ी नहीं थी। माता अनसुइया ने अपनी तपस्या के बल पर इसे विशेष शक्तियों से अभिमंत्रित किया था।

हमेशा साफ रहना: इस साड़ी की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि यह कभी मैली नहीं होती थी। धूल, मिट्टी या पसीने का इस पर कोई असर नहीं पड़ता था।

अक्षय वस्त्रः यह साड़ी कभी फटती नहीं थी। 14 सालों के लंबे समय और वन की विषम परिस्थितियों के बावजूद यह साड़ी वैसी ही बनी रही जैसी पहले दिन थी।

अग्निदेव का अंशः पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह वस्त्र अग्निदेव द्वारा बनाया गया था, जिसे माता अनसुइया ने सीता जी को उनकी कठिन परीक्षा और भविष्य की चुनौतियों जैसे अग्नि परीक्षा ध्यान में रखकर दिया था।

साड़ी का पीला रंग न केवल शुभता का प्रतीक था, बल्कि यह माता सीता के ओज और तेज को भी बढ़ाता था। रावण द्वारा हरण के समय भी माता सीता ने यही दिव्य वस्त्र धारण किया था। अशोक वाटिका में रहने के दौरान और आखिर में रावण के वध के बाद भी माता सीता इसी अलौकिक साड़ी में प्रभु राम के सामने आई थी।

क्या आप तो नहीं कर रहे शिव पूजन में ये गलती

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बेहद खास माना जाता है। हिंदू धर्म में इस दिन का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व बहुत अधिक होता है। पंचांग के अनुसार, साल 2026 में महाशिवरात्रि का व्रत 15 फरवरी को रखा जाएगा। इस दिन भक्त भगवान शिव का व्रत रखते हैं और विशेष रूप से रुद्राभिषेक करते हैं। मान्यता है कि सही विधि से रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। लेकिन कई बार लोग अनजाने में कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे पूजा का पूरा फल नहीं मिल पाता। आइए जानते हैं रुद्राभिषेक की सही विधि और इससे जुड़ी जरूरी बातें।

रुद्राभिषेक क्या है और क्यों है खास?

रुद्र भगवान शिव का ही एक प्रचंड रूप हैं और अभिषेक का अर्थ है स्नान कराना। मंत्रों के उच्चारण के साथ शिवलिंग पर पवित्र वस्तुओं को अर्पित करना ही रुद्राभिषेक कहलाता है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करने से ग्रहों के दोष दूर होते हैं और मनोकामनाएं जल्दी पूरी होती हैं।

रुद्राभिषेक की सही विधि

सबसे पहले खुद शुद्ध होकर साफ कपड़े पहनें। उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें। हाथ में जल और अक्षत लेकर अपनी मनोकामना का ध्यान करते हुए पूजन का संकल्प लें। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी की पूजा अनिवार्य है। उनका ध्यान करें ताकि पूजा निर्विघ्न संपन्न हो। शिवलिंग पर जल, गंगाजल, कच्चा दूध, दही, घी, शहद और शक्कर यानी पंचामृत से अभिषेक करें। अभिषेक के बाद शिवजी को चंदन का तिलक लगाएं। उन्हें 3 पत्तियों वाला बिना कटा-फटा बिल्व पत्र, धतूरा, और शमी के पत्र अर्पित करें। आखिर में धूप-दीप दिखाकर आरती करें और अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगें।

शिव पूजन में भूलकर भी न करें ये गलतियां!

केतकी का फूलः पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव ने केतकी के फूल को अपनी पूजा से वर्जित कर दिया था।

तुलसी की पत्तियां: शिवजी को कभी भी तुलसी अर्पित नहीं की जाती (जलंधर की कथा के कारण)।

हल्दी और सिंदूरः शिवलिंग पुरुष तत्व का प्रतीक है, इसलिए इस पर हल्दी या सौभाग्य का प्रतीक सिंदूर नहीं चढ़ाया जाता। आप सफेद चंदन का उपयोग कर सकते हैं।

शंख से जलः भगवान शिव ने शंखचूड़ का वध किया था, इसलिए उनकी पूजा में शंख का प्रयोग खासकर जल चढ़ाने के लिए नहीं करना चाहिए।

शुक्र-शनि साथ आकर चमकाएंगे इन 3 राशि वालों का भाग्य! शुरू होंगे अच्छे दिन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, अगले माह 8 मार्च 2026 को शुक्र और शनि युति बनाने वाले हैं। इस दिन ऐश्वर्य और वैभव के कारक शुक्र और कर्म फलदाता शनि एक साथ होंगे।

वृषभ राशि

वृषभ राशि का स्वामित्व शुक्र देव के पास ही है। वहीं शनि वृष राशि वालों के लिए राजयोग का कारक ग्रह माने जाते हैं। इस युति के प्रभाव से वृषभ राशि वालों के कामों को गति मिल सकती है। पैतृक संपत्ति से लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नतति मिल सकती है।

मिथुन राशि

शुक्र और शनि की युति से मिथुन राशि वालों का भाग्य और लाभ का भाव प्रभावित हो सकता है। इससे मिथुन राशि वालों की सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है। इस समय प्रेम संबंध मजबूत हो सकते हैं। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

तुला राशि

तुला राशि के स्वामी भी शुक्र हैं। इस राशि में शनि उच्च के हो जाते हैं। ऐसे में इन दोनों की मित्रता का सबसे अधिक लाभ तुला राशि को प्राप्त हो सकता है। इन दोनों ग्रहों की युति से तुला राशि वालों को समाज में मान-सम्मान मिल सकता है। कारोबार में लाभ हो सकता है। भौतिक सुख प्राप्त हो सकते हैं।

क्या आपकी पूजा की थाली अधूरी है? जानें कौन-कौन सी चीजें होती हैं जरूरी

अक्षत (बिना टूटे हुए चावल)

पूजा में अक्षत का अर्थ होता है जिसकी क्षति न हुई हो। यह पूर्णता का प्रतीक है । ध्यान रखें कि थाली में रखे चावल टूटे हुए न हों । अक्षत को भगवान को अर्पित करना सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है ।

कुमकुम और चंदन

बिना तिलक के कोई भी पूजा अधूरी है । कुमकुम (रोली) और चंदन न केवल भगवान को लगाए जाते हैं, बल्कि पूजा करने वाले के माथे पर भी लगाए जाते हैं । यह एकाग्रता और ऊर्जा का केंद्र माना जाता है ।

दीपक- दीपक ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक है । थाली में घी या तेल का दीपक जरूर रखें । यह नकारात्मकता को दूर करता है और वातावरण को शुद्ध बनाता है ।

धूप और अगरबत्ती- पूजा के दौरान भीनी-भीनी खुशबू मन को शांति देती है । धूप या अगरबत्ती जलाने से घर का वातावरण सकारात्मक होता है और मन एकाग्र रहता है ।

जल का कलश

पूजा की थाली में एक छोटा लोटा या तांबे का पात्र जल भरकर जरूर रखें । भगवान को स्नान कराने और शुद्धिकरण के लिए जल जरूरी है ।

ताजे फूल और माला

फूल श्रद्धा और कोमलता के प्रतीक हैं । भगवान को उनकी पसंद के अनुसार ताजे फूल अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं । बासी या सूखे फूलों का प्रयोग कभी न करें ।

नैवेद्य (प्रसाद)

भगवान को भोग लगाने के लिए थाली में कुछ मीठा,

फल या मेवे जरूर रखें । यह हमारी कृतज्ञता को दर्शाता है कि जो कुछ हमारे पास है, वह ईश्वर का दिया हुआ है ।

सुपारी और पान का पत्ता

सुपारी को गणेश जी का प्रतीक माना जाता है । किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में सुपारी और पान का पत्ता रखना सौभाग्य की निशानी है ।

मौली (कलावा)

इसे रक्षा सूत्र भी कहा जाता है । पूजा के अंत में कलाई पर कलावा बांधने से रक्षा का संकल्प सिद्ध होता है ।

घंटी और कपूर

मान्यता के अनुसार, आरती के समय घंटी बजाने से आस-पास की बुरी शक्तियां दूर होती हैं ।

पूजा की थाली का महत्व

पूजा की थाली केवल एक परंपरा नहीं बल्कि श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक होती है । इसमें रखी हर वस्तु का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व होता है । माना जाता है कि सही सामग्री के साथ की गई पूजा से भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है ।

कथा सुनने से चुनौतियों से निपटने की शक्ति मिलती है

इन दिनों कथाओं में बहुत भीड़ रहने लगी है। लेकिन सबसे बड़ा प्रभाव कथा का क्या होता है- ये बताया तुलसीदास जी ने उस वार्तालाप में, जो गरुड़ जी और काकभुशुंडि जी के बीच में हो रहा था। पक्षीराज गरुड़ ने कहा- अब श्रीराम कथा अति पावनि, सदा सुखद दुःख पुंज नसावनि।

आप मुझे श्रीराम की अत्यंत पवित्र करने वाली, सदा सुख देने वाली और दुःख समूह का नाश करने वाली कथा सुनाइए। पवित्रता, सुख और दुःख तीनों का संबंध कथा से जोड़ा गया है। कथा में आने वाले पात्र और प्रसंग हमें यह प्रेरणा देते हैं कि जीवन में कुछ आप करें, कुछ होने दें।

कर्म करते समय जब हम सोचते हैं कि जो हम कर रहे हैं, उसका परिणाम वही मिले, जैसा हमने सोचा- यहीं से झंझट शुरू हो जाती है। प्रकृति अपना काम कर रही है। जरूरी नहीं कि आपके सोचे हुए परिणाम को वैसा ही आपको सौंप दे। इसलिए कथा श्रवण से एक शक्ति मिलती है, जो हमें चुनौतियों से विनोद के साथ निपटने में मदद करती है।

कुंडली में बुध कमजोर होने पर क्या बुरा असर पड़ता है?

किसी भी इंसान का जब समय सही चल रहा होता है तो उसे कोई चिंता करने की जरूरत नहीं होती है क्योंकि जीवन रूपी गाड़ी धीरे-धीरे अपनी मंजिल की ओर बढ़ रही होती है और अगर वही गाड़ी पटरी से उतरने लगती है तो दिमाग में एक ही ख्याल घूमता है कि उसके साथ ऐसा क्यों हो रहा है? क्या आप भी अधिक सोच-विचार, चिंता, भ्रम, अचानक गलत फैसले लेने और कमजोर याददाश्त का सामना कर रहे हैं? अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो कुंडली में कमजोर बुध के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि कुंडली में बुध के कमजोर होने से क्या-क्या परेशानी हो सकती है और इसे मजबूत करने के लिए कौन से उपाय करने की जरूरत होती है... इसमें कोई शक नहीं कि कई बार आप बहुत ज्यादा सोच-विचार करते हैं। यही नहीं,

तनाव और अचानक बहुत ज्यादा उलझन में पड़े रहते हैं। इसकी वजह से आपकी सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होने लग जाती है। साथ ही साथ कई लोगों को अपने विचार व्यक्त करने में परेशानी होती है और वे गलतफहमी में बने रहते हैं। घर में झगड़े और गुस्सा बढ़ने लग जाता है।

बुध ग्रह कमजोर होने को लेकर क्या कहता है वैदिक ज्योतिष?

वैदिक ज्योतिष के मुताबिक, बुध ग्रह बुद्धि, कम्युनिकेशन और व्यापार का स्वामी ग्रह है। हालांकि, बुध अस्त होने या अशुभ ग्रहों की दृष्टि से कमजोर हो जाता है, जिससे इन क्षेत्रों में व्यवधान खड़े होने लग जाते हैं और मानसिक भ्रम और जीवन में चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। जब बुध छठे, आठवें या बारहवें भाव में स्थित हो या शनि, राहु या मंगल से पीड़ित हो, तो यह चीजों को नीरस और फीका बना सकता है। साथ ही साथ सोचने की क्षमता, कम्युनिकेशन और बुद्धि व अनुकूलनशीलता को प्रभावित कर सकता है।

कुंडली में बुध को मजबूत करने के सरल उपाय

ज्योतिष के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि हरे रंग के कपड़े पहनने या मंत्रों या पन्ना (3-5 रत्ती) पहनने से लाभ होता है। यह भी माना जाता है कि शुक्रवार की पूजा के बाद छोटी उंगली में चांदी पहनने से बुध ग्रह मजबूत होता है। इसके अलावा बुधवार को गायों को हरा चारा खिलाना एक और सरल उपाय है। साथ ही साथ पालक दान दे सकते हैं। यह उपाय कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति सुधारने में भी सहायक होते है।

अगर आप और भी साधारण उपाय करना चाहते हैं तो रोज स्नान करने के बाद केसर का तिलक लगाएं, लेकिन बुधवार को केसर का तिलक नहीं लगाना है। जेब में कोई भी चांदी चीज रखें। इसके अलावा पूजा करते समय बुधवार को 108 बार "ॐ बुधाय नमः" का जाप करें। अगर हो सके तो इस दिन नमक का सेवन करने से बचें और मंदिर में तुलसी के पत्ते चढ़ाएं। ये उपाय करने से बुध ग्रह मजबूत होता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 11 फरवरी - 2026

बांग्लादेश का आम चुनाव : भारतीय विदेश नीति की परीक्षा

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

12 फ़रवरी 2026 को बांग्लादेश में होने वाला आम चुनाव साधारण अर्थों में सत्ता परिवर्तन का अभ्यास नहीं है, बल्कि यह उस प्रश्न का उत्तर देगा कि 2024 के जनान्दोलन के बाद बांग्लादेश किस रास्ते पर चलेगालोकतान्त्रिक पुनर्निर्माण की ओर या फिर नई राजनीतिक अनिश्चितताओं और बाहरी प्रभावों की गिरफ्त में। वर्षों से जमी सत्ता-केन्द्रित राजनीति, संस्थाओं के क्षरण और बढ़ते सामाजिक असंतोष के बाद यह चुनाव बांग्लादेशी लोकतन्त्र की विश्वसनीयता की निर्णायक परीक्षा बन चुका है। इसके नतीजे केवल ढाका की सत्ता-राजनीति तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि बंगाल की खाड़ी की सामरिक दिशा, दक्षिण एशिया के शक्ति-सन्तुलन और भारत की सुरक्षा तथा कूटनीतिक प्राथमिकताओं को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेंगे।

5 अगस्त 2024 बांग्लादेश के समकालीन राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ बनकर उभरा। बढ़ती महँगाई, बेरोज़गारी, शासन में केन्द्रीकरण, भ्रष्टाचार और लोकतान्त्रिक संस्थाओं के क्षरण के विरुद्ध छात्रों और युवाओं के नेतृत्व में शुरू हुआ आन्दोलन कुछ ही दिनों में व्यापक जनान्दोलन में बदल गया। ढाका सहित कई प्रमुख शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिन पर नियन्त्रण के लिए सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया। जनहानि, गिरफ्तारियाँ और दमन के आरोपों ने सरकार की वैधता पर गम्भीर प्रश्न खड़े किए। लम्बे समय से सत्ता में रही आवामी लीग पर यह आरोप गहराता गया कि उसने लोकतन्त्र को औपचारिकता तक सीमित कर दिया है। अन्ततः सत्ता-संरचना चरमराई और देश एक नए राजनीतिक संक्रमण के दौर में प्रवेश कर गया। इस सत्ता-संक्रमण के बाद बांग्लादेश में एक अन्तरिम राजनीतिक व्यवस्था अस्तित्व में आई, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक स्थिरता बहाल करना और देश को निष्पक्ष चुनाव की ओर ले जाना बताया गया। इस दौर में चुनावी सुधार, मतदाता सूची की शुद्धता, मीडिया की स्वतन्त्रता और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका जैसे मुद्दे केन्द्रीय बहस बने रहे। चुनाव आयोग द्वारा 12 फ़रवरी 2026 की तिथि घोषित किए जाने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि यह चुनाव केवल सरकार चुनने का नहीं, बल्कि 2024 के जनान्दोलन की राजनीतिक दिशा तय करने का माध्यम भी होगा।

चुनावी परिदृश्य में इस समय एक जटिल और बहुस्तरीय प्रतिस्पर्धा दिखाई देती है। एक ओर पारम्परिक राजनीतिक दल अपने खोए हुए आधार को पुनः संगठित करने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर 2024 के आन्दोलन से निकली नई नागरिक और युवा राजनीतिक शक्तियाँ व्यवस्था-विरोधी एजेंडे के साथ सामने आई हैं। इसके साथ ही इस्लामिक और रूढ़िवादी दल भी सामाजिक नेटवर्क और धार्मिक पहचान के सहारे अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह त्रिकोणीय संघर्ष बांग्लादेश की राजनीति को पहले से कहीं अधिक अनिश्चित और संवेदनशील बना रहा है।इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य के समानान्तर बांग्लादेश तेजी से अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और तुर्कीचारों देश अपने-अपने हितों के अनुरूप ढाका में राजनीतिक,आर्थिक औरसामरिक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका की दिलचस्पी विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी और हिन्द-प्रशान्त रणनीति से जुड़ी हुई है। सेन्ट मार्टिन द्वीप को लेकर होने वाली चर्चाएँ इसी सन्दर्भ में देखी जाती हैं, साथ ही अगस्त क्रान्ति के मूल में भी यह द्वीप रहा है। यद्यपि आधिकारिक रूप से किसी सैन्य अड्डे की योजना से इनकार किया जाता रहा है, फिर भी समुद्री मार्गों की निगरानी, नौवहन सुरक्षा और रणनीतिक उपस्थिति के लिहाज़ से यह क्षेत्र अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है।

चीन ने बांग्लादेश में अपने आर्थिक और सामरिक निवेश को लगातार विस्तार दिया है। बन्दरगाह विकास, ऊर्जा परियोजनाएँ, बुनियादी ढाँचा और रक्षा-सहयोग के माध्यम से चीन ने बांग्लादेश को अपने व्यापक क्षेत्रीय दृष्टिकोण का हिस्सा बना लिया है। बेल्ट एन्ड रोड पहल के तहत कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स पर जोर ने बांग्लादेश को चीन के लिए एक महतत्त्वपूर्ण साझेदार बना दिया है। यह विस्तार केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि इसका स्पष्ट भू-राजनीतिक निहितार्थ भी है, जो भारत-चीन प्रतिस्पर्धा के सन्दर्भ में विशेष महत्व रखता है।पाकिस्तान भी बांग्लादेश के साथ सम्बन्धों को नए सिरे से परिभाषित करने की कोशिश में जुटा है। रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और हथियार आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में सम्पर्क बढ़ाने के संकेत मिलते हैं। तुर्की, जो हाल के वर्षों में इस्लामिक देशों के साथ अपने सम्बन्धों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है, बांग्लादेश में सांस्कृतिक, धार्मिक और रक्षा-उद्योग के माध्यम से प्रभाव स्थापित करना चाहता है। इन दोनों देशों की सक्रियता भारत के लिए सामरिक चिंता का विषय है, विशेषकर तब जब क्षेत्रीय सन्तुलन पहले से ही सम्वेदनशील बना हुआ है।

भारत और बांग्लादेश के सम्बन्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से गहरे रहे हैं, किन्तु बदलते राजनीतिक हालात ने इस रिश्ते को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। भारत के लिए बांग्लादेश केवल एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि उसकी पूर्वी सीमा की सुरक्षा, पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिरता और बंगाल की खाड़ी में उसकी सामरिक उपस्थिति से सीधे जुड़ा हुआ है। सीमा-प्रबन्धन, अवैध तस्करी, उग्रवाद और 'चिकन नेक' कॉरिडोर जैसी सम्वेदनशील भौगोलिक संरचना भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रहती है। आर्थिक दृष्टि से दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा सहयोग, कनेक्टिविटी परियोजनाएँ और बन्दरगाह-उपयोग आपसी निर्भरता को दर्शाते हैं। इसके बावजूद जल-विवाद, विशेषकर तीस्ता नदी का मुद्दा, आज भी विश्वास-निर्माण की कसौटी बना हुआ है। राजनीतिक स्तर पर यह आवश्यक हो गया है कि ढाका और नई दिल्ली के बीच संवाद सन्तुलित और पारदर्शी रहे, ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी या भारत-विरोधी भावना को पनपने से रोका जा सके। 2026 के चुनाव के बाद बांग्लादेश जिस दिशा में आगे बढ़ेगा, उसका सीधा प्रभाव भारत की विदेश नीति और क्षेत्रीय रणनीति पर पड़ेगा। भारत के लिए यह समय किसी एक राजनीतिक धड़े पर निर्भर रहने के बजाय व्यापक और समावेशी कूटनीति अपनाने का है। आर्थिक साझेदारी, जन-स्तरीय सम्पर्क, युवाओं और नागरिक समाज से सम्वाद तथा सुरक्षा सहयोग को संस्थागत ढाँचे में विकसित करना भारत के लिए दीर्घकालिक रूप से अधिक लाभकारी होगा। अन्ततः 12 फ़रवरी 2026 का चुनाव बांग्लादेश के लोकतान्त्रिक भविष्य के साथ-साथ दक्षिण एशिया की स्थिरता का भी निर्धारक साबित होगा। 2024 के बाद की राजनीतिक उथल-पुथल, बाहरी शक्तियों की बढ़ती भूमिका और आन्तरिक सुधारों की चुनौती के बीच बांग्लादेश जो मार्ग चुनेगा, वह भारत के लिए अवसर भी लेकर आएगा और सावधानी की मांग भी करेगा। भारत के लिए आवश्यक है कि वह सतर्क, संतुलित और दूरदर्शी नीति के साथ इस बदलते पड़ोस को समझे, ताकि क्षेत्र में स्थिरता, सहयोग और साझा समृद्धि का नया अध्याय लिखा जा सके।

रणनीतिक साझेदार मलेशिया

एशिया-प्रशांत क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति में मलेशिया भारत के लिए केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक धुरी के रूप में उभरा है। हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर को जोड़ने वाला मलक्का जलडमरूमध्य वैश्विक समुद्री व्यापार की जीवनरेखा माना जाता है। भारत के कुल समुद्री व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में मलेशिया के साथ मजबूत संबंध भारत के लिए केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सुरक्षा और रणनीतिक स्थिरता का सवाल भी बन चुका है। जहां पश्चिमी देशों में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है, वहीं एशिया नई आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। ऐसे समय में भारत का 'एक्ट ईस्ट' विजन केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और सुरक्षा रणनीति का मुख्य स्तंभ बन चुका है। मलेशिया आसियान क्षेत्र में भारत का प्रमुख व्यापारिक द्वार है। भारत और आसियान व्यापार 2016 में करीब 65 अरब डॉलर था, जो अब 120 अरब डॉलर से अधिक है। यह इस क्षेत्र में भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का संकेत है। मलेशिया का सेमीकंडक्टर सेक्टर चार दशक पुराने अनुभव और मजबूत सप्लाई चेन के कारण दुनिया में पहचान बना चुका है। भारत अगर इस अनुभव का लाभ लेता है, तो चीन और ताइवान पर अपनी निर्भरता काफी कम हो जाएगी। ऊर्जा क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर एनर्जी और रिन्यूएबल टेक्नोलॉजी में सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा। भारत से अगर दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ क्लीन एनर्जी नेटवर्क बनता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक बढ़त होगी। डिजिटल सेक्टर में भी संभावनाएं जबरदस्त हैं। यूपीआई और फिनटेक टेक्नोलॉजी भारत की सॉफ्ट पावर बन चुकी है। अगर मलेशिया के साथ डिजिटल पेमेंट और टेक सहयोग बढ़ता है, तो यह डॉलर निर्भरता कम करने की दिशा में भी सार्थक कदम हो सकता है। दक्षिण चीन सागर और मलक्का जलडमरूमध्य आज वैश्विक शक्ति संघर्ष का केंद्र बन चुके हैं। चीन-अमेरिका-ताइवान तनाव के कारण समुद्री मार्ग संवेदनशील हो चुके हैं। ऐसे माहौल में भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा। संयुक्त नौसैनिक अभ्यास, समुद्री निगरानी और आतंकवाद विरोधी सहयोग इस साझेदारी को और मजबूत बना सकते हैं। मलेशिया में लगभग 29 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो दोनों देशों के रिश्तों को सांस्कृतिक और सामाजिक मजबूती देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुर्वेद और मेडिकल टूरिज्म में सहयोग दोनों देशों के समाज को सीधे लाभ पहुंचाता है। नया वाणिज्य दूतावास, स्किल सहयोग और वीजा सुविधाएं लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगी। भारत को यह समझना होगा कि केवल समझौते करने से काम नहीं चलेगा। चीन पहले से ही दक्षिण-पूर्व एशिया में भारी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए अपनी पकड़ मजबूत कर चुका है। भारत को तेज फैसले, तेज निवेश और तेज क्रियान्वयन की जरूरत होगी। अगर भारत ने तेज फैसले नहीं लिए तो यह रणनीतिक मौका हाथ से निकल सकता है। साफ है कि भारत-मलेशिया संबंध भविष्य की भू-राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक संतुलन का आधार बन सकती है। अगर भारत सही दिशा में तेज और निर्णायक कदम उठाता है, तो मलेशिया केवल सहयोगी नहीं, बल्कि भारत के इंडो-पैसिफिक विजन का केंद्रीय स्तंभ बन सकता है।

मूल शिक्षा में आर्थिक वैज्ञानिक सोच विचारणीय

संजीव ठाकुर

हर राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा का अति महत्वपूर्ण किरदार होता है जिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित, पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक तथा वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें। बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता। वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है।

यूपी में हिंदुत्व की मजबूत नींव को हिलाना विपक्ष के लिए मुश्किल

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हिन्दुत्व की लहर ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को ऐसी मजबूत नींव दे दी है कि विपक्षी दल अब हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के मुकाबले अभेद्य किले की तरह खड़ी नजर आ रही है। हिन्दुत्व के सहारे ही भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता की कमान संभालना चाहती है। लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब एक सोची-समझी चाल चली है। वे हिन्दू समाज को ही आपस में बांटने की साजिश रच रहे हैं। हर उस मुद्दे को हवा दी जा रही है जो हिन्दुओं के बीच फूट डाल सके। कभी ब्राह्मणवाद के नाम पर आक्रोश भड़काया जाता है तो कभी दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार के रोने से सियासी माहौल गरमाया जाता है।

अपराधियों को भी अब जाति के चश्मे से देखा जाने लगा है। यह सब कुछ हिन्दू एकता को चूर करने की गहरी चाल है।

प्रदेश की सियासत को करीब से देखें तो साफ पता चलता है कि भाजपा ने हिंदुत्व को ऐसा हथियार बनाया है जो विपक्ष के सारे तीरों को विफल कर देता है। राम मंदिर निर्माण से लेकर गौ रक्षा तक हर मुद्दे पर हिन्दू समाज एकजुट हो गया। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कानून-व्यवस्था को पुख्ता कर अपराधियों पर नकेल कसी तो हिन्दू समाज में विश्वास जगा। लेकिन विपक्ष अब उसी समाज को तोड़ने पर तुला है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेता ब्राह्मणों को भाजपा विरोधी बताने की मुहिम चला रहे हैं। वे कहते हैं कि भाजपा में ब्राह्मणों की उपेक्षा हो रही है। पुरानी घटनाओं को उछालकर ब्राह्मण युवकों को भड़काया जा रहा है। एक तरफ ब्राह्मण सम्मेलनों में नारे लगवाए जाते हैं तो दूसरी तरफ दलित सभाओं में ब्राह्मणों पर अत्याचार के किस्से गढ़े जाते हैं। यह दोहरी चाल हिन्दू समाज के दो बड़े वर्गों में वैमनस्य पैदा कर रही है। दलित और पिछड़े वर्गों को भी निशाना बनाया जा रहा है। विपक्षी दल दावा करते हैं कि योगी सरकार में दलितों और पिछड़ों पर जुल्म हो रहे हैं। हर छोटी-मोटी घटना को जातिगत रंग देकर प्रचारित किया जाता है। उदाहरण के तौर पर कुछ महीने पहले एक घटना घटी जहां पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। विपक्ष ने तुरंत चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह दलित था और भाजपा सरकार ने उसे फंसाया। सच्चाई यह थी कि अपराधी ने कई हत्याएं की थीं लेकिन जाति का लबादा ओढ़ाकर उसे शहीद बनाने की कोशिश हुई। इसी तरह पिछड़े वर्ग के अपराधियों को भी संरक्षण देने की मुहिम चलाई गई। समाजवादी पार्टी के कुछ नेता खुले तौर पर कहते हैं कि अपराधी कोई भी हो, उसकी जाति को बचाना जरूरी है। इससे हिन्दू समाज में पिछड़ों और अन्य वर्गों के बीच खाई पैदा हो रही है।

कांग्रेस भी इस खेल में पीछे नहीं है। वह ब्राह्मण-दलित कार्ड खेल रही है। पार्टी के नेता पुरानी शिकायतें दोहराते हैं कि भाजपा सवर्णों की ही सरकार है। वे हिन्दू समाज को चार हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कभी जाट बनाम गुर्जर का मुद्दा उठता है तो कभी राजपूतों को ठाकुरों से लड़ाने की चेष्टा होती है। अपराध के मामलों को जाति से जोड़ना सबसे खतरनाक है। प्रदेश में अपराधी किसी भी जाति का हो सकता है लेकिन विपक्ष उसे जाति का चेहरा बना देता है। अगर अपराधी ब्राह्मण है तो ब्राह्मणवाद का ढोल पीटा जाता है। दलित अपराधी पर तो अत्याचार का रोना रोया जाता है। पिछड़ा अपराधी हो तो पिछड़ों की दुर्दशा का बखान किया जाता है। इससे समाज में नफरत का बीज बोया जा रहा है। हिन्दू समाज जो सदियों से एकजुट रहा, अब उसके टुकड़े करने की साजिश रची जा रही है।

यह साजिश नई नहीं है। विपक्ष हमेशा से जातिवाद का सहारा लेता रहा है। लेकिन अब यह हिंदुत्व के खिलाफ सीधी जंग है। भाजपा ने हिन्दू समाज को जाति से ऊपर उठाकर एक सूत्र में बांधा है। योगी सरकार की योजनाएं सबके लिए हैं। दलितों के लिए विशेष छात्रावास, पिछड़ों के लिए आरक्षण में इजाफा और ब्राह्मणों के लिए संस्कृत विद्यालय। लेकिन विपक्ष इन तथ्यों को नजरअंदाज कर अफवाहें फैला रहा है। हाल ही में एक जिले में दलित युवक की मौत पर विपक्ष ने ब्राह्मणों पर आरोप लगाए। जांच में साफ हुआ कि यह पारिवारिक झगड़ा था लेकिन सियासी फायदा उठाने के लिए जाति का जहर घोला गया। ऐसे कई उदाहरण हैं जहां अपराध को जातिगत संघर्ष का रूप दिया गया। लखनऊ से लेकर वाराणसी तक सभाओं में यही जहर परोसा जा रहा है।

विपक्ष की यह चाल उल्टी पड़ रही है। हिन्दू समाज जागरूक हो गया है। सोशल मीडिया पर लोग इन साजिशों को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर एकता का संदेश दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कई बार खुलकर कहा है कि हिन्दू एकता ही प्रदेश की ताकत है। विपक्ष की जातिवादी राजनीति अब जनता को भाती नहीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी यही देखने को मिला। जहां विपक्ष ने जाति कार्ड खेला, वहां भाजपा ने हिन्दुत्व से जवाब दिया। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भी यही होगा। लेकिन विपक्ष हार मानने को तैयार नहीं। वे और तीव्रता से हिन्दुओं को बांटने की कोशिश करेंगे। अपराधियों को जाति का चोला पहनाकर सड़कों पर उतारेंगे। ब्राह्मणों को भड़काएंगे, दलितों को उकसाएंगे और पिछड़ों को भटकाएंगे।

यह साजिश सिर्फ सियासी नहीं, समाज को कमजोर करने वाली है। हिन्दू समाज अगर बंट गया तो प्रदेश की प्रगति रुक जाएगी। योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। एक्सप्रेसवे बने, हवाई अड्डे बढ़े, निवेश आया लेकिन एकता ही सबकी कुंजी है। विपक्ष को समझना चाहिए कि जनता अब जाति के जाल में नहीं फंसती। वे चाहे जितना चिल्लाएं, हिन्दुत्व की दीवार अटल है। ब्राह्मण, दलित, पिछड़ा, क्षत्रिय सब एक हैं। राम के भक्त एक हैं। विपक्ष की साजिशें नाकाम होंगी। प्रदेश फिर भाजपा के हाथों सशक्त होगा। हिन्दू समाज को सावधान रहना होगा। इन फूट डालने वाली चालों से बचना होगा। एकता बनाए रखें, तभी सच्ची विजय होगी।

मार्क्स, मशीनरी और मोदी मॉडल अफसरशाही का नया चेहरा

आरके जैन

भारत की सर्वोच्च प्रशासनिक व्यवस्था, जिसे अब तक रहस्यमय फाइलों, लंबी बैठकों और धीमी प्रक्रियाओं का पर्याय माना जाता था, आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। कैबिनेट सेक्रेटेरिएट द्वारा यूनियन सेक्रेटरियों के लिए शुरू किया गया 'मार्क्स-बेस्ड परफॉर्मेंस रिव्यू' न केवल एक प्रशासनिक प्रयोग है, बल्कि यह पूरी ब्यूरोक्रेसी की सोच और कार्यशैली को बदलने वाला कदम भी है। जिस तरह स्कूलों में छात्रों की योग्यता रिपोर्ट कार्ड से आंकी जाती है, उसी तरह अब देश के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों का मूल्यांकन अंकों के आधार पर किया जा रहा है। यह व्यवस्था दक्षता बढ़ाने की कोशिश है या नियंत्रण का नया हथियार, यह सवाल आज हर प्रशासनिक गलियारे में गूंज रहा है।

इस नई प्रणाली की बुनियाद तथ्यों, आंकड़ों और मापदंडों पर रखी गई है। कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा भेजे गए प्रशासनिक स्कोरकार्ड कुल सौ अंकों पर आधारित हैं, जिनमें एक दर्जन से अधिक पैरामीटर्स शामिल किए गए हैं। फाइल डिस्पोजल को सर्वाधिक महत्व दिया गया है (अधिकतम 20 अंक), जो प्रशासनिक गति का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद आउटपुट/गतिविधियां (15 अंक), योजनाओं पर खर्च (15 अंक), पूंजीगत व्यय (15 अंक), जनशिकायत निवारण, कैबिनेट नोट्स, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा मॉनिटर की जाने वाली परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्ति, तथा पे एंड अकाउंट्स ऑफिस (पीएओ) और चीफ कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स (सीसीए) द्वारा बिलों का समयबद्ध निपटारा जैसे तत्व जोड़े गए हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य यह है कि अब केवल प्रक्रियाओं पर नहीं, बल्कि परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इस व्यवस्था का सबसे दिलचस्प पहलू नेगेटिव और डिस्क्रेशनरी मार्क्स का प्रावधान है। यदि कोई विभाग विदेशी यात्राओं या इवेंट्स पर अत्यधिक खर्च करता है, सेक्रेटरी स्तर या ऊपर की फाइलों में असामान्य लंबित रखता है या एमएसएमई को भुगतान में देरी करता है, तो उसके कुल 12 अंक काटे जा सकते हैं। वहीं, असाधारण कार्य या योगदान के लिए कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा 5 अतिरिक्त अंक दिए जा सकते हैं। यह व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के साथ-साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय करती है। पहले जहां गलतियों पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता था, अब हर चूक अंकतालिका में दर्ज होगी। इस तरह यह प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही का नया ढांचा तैयार करती है।प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से यह कदम एक तरह की क्रांति कहा जा सकता है, जो 2024 में शुरू हुए मासिक डेमी-ऑफिशियल लेटर्स में मंत्रालय-विशिष्ट मात्रात्मक इंडिकेटर्स जोड़कर विकसित हुआ है। पारंपरिक ब्यूरोक्रेसी में प्रदर्शन मूल्यांकन अक्सर वरिष्ठों की व्यक्तिगत राय या वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तक सीमित रहता था। उसमें वस्तुनिष्ठता का अभाव रहता था। अब आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन होने से निर्णय अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष होंगे। फाइलों के तेजी से निपटारे से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और विकास परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। यह प्रधानमंत्री की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें देरी को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन माना गया है।

मोटिवेशन के नजरिए से देखें तो यह स्कोरकार्ड प्रणाली एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, बेहतर अंक पाने की होड़ से अधिकारी अधिक सक्रिय, सतर्क और परिणामोन्मुख बनेंगे। उन्हें अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने का अवसर मिलेगा। दूसरी ओर, निरंतर मूल्यांकन का दबाव मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ा सकता है। यदि कोई अधिकारी बार-बार कम अंक पाता है, तो उसका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है। स्कूल परीक्षाओं की तरह, यहां भी सफलता प्रेरणा बन सकती है और असफलता निराशा का कारण। संतुलन बनाए रखना इसलिए अत्यंत आवश्यक होगा।

इस व्यवस्था का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। डिस्क्रेशनरी मार्क्स का अधिकार कैबिनेट सेक्रेटरी (वर्तमान में डॉ. टी वी सोमनाथन) के पास है, जो सीधे सरकार के अधीन होते हैं। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं यह प्रणाली राजनीतिक प्राथमिकताओं को थोपने का माध्यम न बन जाए। यदि किसी विभाग का प्रदर्शन सरकार के एजेंडे से मेल नहीं खाता, तो उसे कम अंक मिलने का खतरा हो सकता है। इससे अधिकारी जोखिम लेने और नए प्रयोग करने से बच सकते हैं।

नवाचार के लिए स्वतंत्रता जरूरी होती है, और अत्यधिक नियंत्रण उस स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है। इस प्रणाली के व्यापक प्रभाव धीरे-धीरे सामने आएंगे। यदि इसे संतुलित तरीके से लागू किया गया, तो सरकारी मशीनरी अधिक चुस्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बन सकती है। एमएसएमई भुगतान, जनशिकायत निवारण और परियोजना निगरानी जैसे क्षेत्रों में सुधार से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा। लेकिन यदि यह केवल अंक जुटाने की दौड़ बन गई, तो अधिकारी दीर्घकालिक सुधारों के बजाय तात्कालिक उपलब्धियों पर ध्यान देने लगेंगे।

वो चला गया

डॉ. सुरेश कुमार

रामसेवक जी ने अपनी पूरी उम्र एक लोअर डिवीजन क्लर्क की हैसियत से सरकारी फाइलों पर थूक लगाकर पन्ने पलटते हुए गुजार दी। अंततः एक दिन उन्होंने वह साहसी काम कर ही दिया जो उनके विभाग का कोई भी मंत्री नहीं कर पाया- उन्होंने बिना किसी रिश्वत के अपनी साँसें त्याग दीं। रामसेवक जी का जाना विभाग के लिए वैसी ही घटना थी जैसे किसी पुराने टाइपराइटर की रिबन का खत्म हो जाना। उनके मेज पर धूल की जो परतें जमी थीं, वे उनके अनुभव का 'जियोलॉजिकल सर्वे' थीं। उनकी मृत्यु पर विभाग में शोक की एक ऐसी फॉर्मल लहर दौड़ी, जिसे देखकर लगता था कि अगर उनकी लाश पर भी नोटिंग करने का प्रावधान होता, तो उनके सहकर्मी उस पर भी लिख देते- मामला गंभीर है, इसे अगले जन्म तक लंबित रखा जाए।अस्पताल से घर तक की यात्रा में उनके बड़े सुपुत्र, जो खुद एक प्राइवेट बैंक में लोन रिकवरी का काम करते थे, वैसे ही विलाप कर रहे थे जैसे किसी बैड डेट के डूबने पर मैनेजर करता है। उन्हें दुख इस बात का नहीं था कि पिता चले गए, बल्कि इस बात का था कि बाबूजी अपनी पेंशन की पीपीओ फाइल कहाँ रख गए हैं, इसका पासवर्ड साथ ले गए। शव-यात्रा में विभाग के वे 'मठाधीश' भी आए थे जो रामसेवक जी के जीते-जी उनकी ईमानदारी को मानसिक विक्षिप्तता का नाम देते थे। बड़े बाबू ने अर्थी को कंधा देते हुए चेहरे पर ऐसा विलाप ओढ़ा, मानो उन्होंने रामसेवक जी के साथ अपना परलोक का कोटा भी बुक करा लिया हो। वे आपस में धीमे स्वर में चर्चा कर रहे थे- बेचारे बड़े सीधे थे, कभी चाय के ऊपर का पैसा नहीं लिया, इसीलिए आज किराये के मकान में विदा हो रहे हैं।

दाह-संस्कार के बाद जब घर की सफाई हुई, तो रामसेवक जी की वह पुरानी लोहे की अलमारी खोली गई जिसकी चाबी वे अपनी जनेऊ में बाँधकर रखते थे। बेटों को उम्मीद थी कि पिता ने अपनी पैंतीस साल की कलम-घिसाई में कहीं न कहीं तो कोई गुप्त खजाना गाड़ा होगा। आखिर सरकारी नौकरी थी, कुछ न कुछ तो चिपका ही होगा।

भीतर से एक कपड़े की पोटली निकली। सबकी धड़कनें वैसे ही तेज थीं जैसे बजट भाषण सुनने वालों की होती है। पोटली खुली। उसमें से सोना-चांदी नहीं, बल्कि बत्तीस पुरानी पेन की रिफिलें, सैकड़ों रबर बैंड और एक छोटा सा नोट निकला।

नोट पर लिखा था:

मेरे बच्चों, मैंने पूरी उम्र सरकारी दफ्तर से बस यही कमाई की है। ये रिफिलें उस स्याही की गवाह हैं जिससे मैंने दूसरों की तकदीरें लिखीं, लेकिन अपनी किस्मत की फाइल हमेशाऑब्जेक्शन में फंसी रही। लोग कहते थे कि मैं बेवकूफ हूँ जो ऊपरी कमाई नहीं करता, पर मैंने तुम्हारी माँ की कसम खाई थी कि घर में जो भी आएगा, वह पसीने का होगा, आँसुओं का नहीं। उस पोटली के नीचे एक और छोटा सा कागज था-एक रसीद। वह रामसेवक जी के गुमनाम दान की रसीद थी। उन्होंने अपनी रिटायरमेंट की आधी राशि एक अनाथालय को दे दी थी, और बाकी आधी अपनी बीमारी के इलाज के लिए बचाई थी, जो कम पड़ गई।

पत्र के अंत में एक वाक्य था जिसने कमरे की हवा में सल्फर जैसी कड़वाहट घोल दीः अलमारी के दाहिने कोने में एक शीशी है, उसे संभालकर रखना। उसमें गंगाजल नहीं, मेरे वे 'आंसू' हैं जो मैंने तब पिए थे जब तुम दोनों ने अपनी पहली नौकरी लगने पर मुझसे कहा था- 'बाबूजी, आपकी ईमानदारी ने हमें गरीबी के अलावा दिया ही क्या है?' अस्थि विसर्जन के वक्त नदी का पानी भी कुछ मैला सा लगा। बड़ा बेटा बार-बार अपने मोबाइल पर पेंशन विभाग के बाबू का नंबर मिला रहा था ताकि डेथ सर्टिफिकेट जल्दी बन सके और अनुकंपा नियुक्ति की फाइल आगे बढ़े।उस दिन एक 'आदर्श' का अंतिम संस्कार नहीं हुआ था, बल्कि एक मूर्खता का अंत हुआ था जिसे दुनिया ईमानदारी कहती है।

वैलेंटाइन डे पर लड़कियां भी अपने पार्टनर को दे सकती हैं खास गिफ्ट

प्यार करने वाले हर साल 14 फरवरी को धूमधाम से वैलेंटाइन डे के रूप में सेलिब्रेट करते है. इस दौरान अपने पार्टनर्स को गिफ्ट देने का रिवाज है. वो गिफ्ट किसी भी तरह का हो सकता है, लेकिन उसका स्पेशल होना जरूरी है.

लड़कों को फिट रहना बेहद पसंद है, इसीलिए वे जिम करना पसंद करते हैं. आप अपने पार्टनर को जिम का कीट गिफ्ट के तौर पर दे सकते हैं. इसे देखकर आपका पार्टनर खुश हो जाएगा. ये उसके रोजाना काम आने वाली चीज है.

आपके पास अपने पार्टनर को वैलेंटाइन डे पर कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स देने का बेहतरीन विकल्प है. आप यादगार फोटो के साथ

एक प्यारा सा फोटो फ्रेम, कुशन, मग या ब्रेसलेट बना सकते हैं.

एक कस्टमाइज्ड बैंड भी बनवा कर दे सकते हैं.अगर आपका बजट अच्छा है तो अपने पार्टनर को ब्रांडेड कपड़े या शू, परफ्यूम, ग्रूमिंग किट, सेल्फ केयर किट, बेल्ट, सनग्लास जैसी चीजें दे सकती हैं, क्योंकि लड़कों को ब्रांडेड चीजों का बहुत शौक होता है.स्क्रैपबुक भी बेस्ट गिफ्ट हो सकता है.

आप अपनी फर्स्ट व्हाट्सएप चैट या कुछ खास और स्पेशल पलों की चैट्स और फोटोज का कोलाज प्रिंट करवाकर स्क्रैपबुक बनवा सकती हैं. इसे देखकर आपका पार्टनर पक्का खुश हो जाएगा.

अगर आप सिंपल में कुछ करना चाहते हैं, तब अपने पार्टनर को अच्छा सा एक्वालिटी टाइम देकर लॉन्ग ड्राइव या किसे अच्छे पार्क घूमने जा सकते हैं. बजट अच्छा है तो 2 दिन की शॉर्ट ट्रिप भी घूमने जा सकते हैं.

लड़कों को अच्छा वालेट रखना बहुत पसंद है. उनके लिए उसके पसंदीदा रंग का एक वालेट खरीदें और उसमें अपने साथ की फोटो लगा कर गिफ्ट कर सकते हैं. ये गिफ्ट भी वैलेंटाइन डे के लिए एक अच्छा आइडिया है.

वैलेंटाइन डे के दिन पहने स्पेशल आउटफिट्स

वैलेंटाइन डे के दिन आप ओलिव ग्रीन और व्हाइट का कंबीनेशन ट्राई कर सकते हैं. ये

दिखने में जितना सुंदर है उतना ही क्लासी लगता है. आप वाइट शर्ट और पैंट के साथ इसे पहनकर हैंडसम लुक क्रिएट कर सकते हैं. ये कांबिनेशन न केवल आपको स्टाइलिश बनाएगा बल्कि आपकी गर्लफ्रेंड को भी इंप्रेस कर देगा. इसके साथ आप चाहे तो ब्लैक शूज या लोफर पहन सकते हैं.

लड़कों पर ब्लैक कलर खूब जंचता है. ब्लैक कलर लड़कियों को भी हमेशा से अट्रैक करता रहा है. आप चाहें तो वैलेंटाइन डे के दिन फॉर्मल ब्लैक शर्ट और पैंट पहन सकते हैं. ये आपके लुक को ज्यादा हैंडसम बना देगा.

आप चाहे तो वैलेंटाइन डे के दिन ट्रेंडी ऑप्शन ट्राई कर सकते हैं. लड़कियों को ये काफी पसंद आता है. आप इसमें क्यूट और कूल लगते हैं. हूडी और जींस के साथ व्हाइट स्नीकर्स सबसे ज्यादा परफेक्ट लगते हैं.

अगर आपको वैलेंटाइन डे के दिन फ्रेश लुक चाहिए टी शर्ट, डेनिम जींस और ओपन जैकेट ट्राई कर सकते हैं. ये आपके लुक को सिंपल रखेगा लेकिन स्टाइलिश और ट्रेंडी भी दिखाएगा. आजकल लड़कों के बीच इसे खूब पसंद किया जा रहा है.

वैलेंटाइन डे प्यार का दिन होता है. रेड कलर प्यार का रंग माना जाता है. आप चाहे तो रेड कलर की शर्ट ट्राई कर सकते हैं. अगर आप रेड शर्ट को वाइट पैंट के साथ ट्राई करें तो ये काफी अच्छा दिखता है. इसके साथ आप चाहें तो व्हाइट स्नीकर्स या फॉर्मल शूज पहन सकते हैं.

अगर आप अपने लुक को सिंपल और क्लासी रखना चाहते हैं तो शर्ट या हल्की प्रिंट वाली शर्ट पहन सकते हैं. इसे आप ब्लू या ब्लैक जींस के साथ पहने तो काफी कमाल लगेंगे. अगर आप इसके साथ कुछ एसेसरी कैरी करना चाहते हैं तो हाथ में हल्की वॉच और

गले में पतली चेन के साथ अपने लुक को कंप्लीट कर सकते हैं.

बालों में दही लगाने से मिलते हैं कई फायदे

हेयर केयर रूटीन में शामिल करना है क्यों ज़रूरी?

बालों के लिए दही का इस्तेमाल किसी अमृत से कम नहीं है। इसमें ऐसी कई गुण पाए जाते हैं जो बालों की बेहतरीन केयर करते हैं। चलिए, जानते हैं बालों पर दही लगाने से कौन से फायदे होते हैं?

बालों में दही लगाने के फायदे

बालों के लिए दही का इस्तेमाल किसी अमृत से कम नहीं है। इसमें ऐसी कई गुण पाए जाते हैं जो बालों की बेहतरीन केयर करते हैं। विटामिन सी और साइट्रिक एसिड से भरपूर दही बालों को जड़ से मजबूत बनाता है। इसमें कुछ हेल्दी फैट्स भी हैं जो बालों के टेक्सचर को सही करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये एंटीबैक्टीरियल है और साथ ही स्कैल्प को अंदर से ठंडक पहुंचाने में मदद करती है। चलिए, जानते हैं बालों पर दही लगाने से कौन से फायदे होते हैं?

बालों में दही लगाने से ये परेशानियां होती हैं दूरः

डैंड्रफ में फायदेमंदः दही एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर है जो डैंड्रफ कम करने में मदद करती है। इसका साइट्रिक एसिड स्कैल्प की सफाई करता है और ब्लड सर्कुलेशन को सही करती है। इस तरह दही एक प्राकृतिक एंटी-डैंड्रफ फाइटर के रूप में काम करी है।

ड्राइ हेयर की होती है छुट्टीः अगर आपके बाल ड्राइ हैं तो दही ड्राइ हेयर का इलाज कर सकती है। यह एक प्राकृतिक कंडीशनर या मॉइस्चराइजर के रूप में काम करती है, इसलिए यह बालों को मुलायम बनाती है। इससे आपको बालों में जान आती है और ये शाइन करते हैं।

झड़ते बालों के लिए कारगरः दही सिर की त्वचा और उस पर पनपने वाले किसी भी संक्रमण या बैक्टीरिया से बचाती है। दही में मौजूद बायोटिन, जिंक के साथ मिलकर बालों को जड़ से मजबूत करने में मदद करती है इससे बाल कम झड़ते हैं। तो, दही बालों के विकास के लिए एक बूस्टर की तरह काम करती है।

स्कैल्प इंफेक्शन नहीं होगाः दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्कैल्प को साफ करने में मदद करती है। ये मृत त्वचा कोशिकाओं को एक्सफोलिएट करने में मददगार है।

कैसे करें दही का इस्तेमाल?

आप बालों में दही का इस्तेमाल बालों को धोने से 2 घंटे पहले करें। दही को छी तरह फेंट लें और इसे अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं। गहफते में एक बार दही को अपने बालों पर लगाएं। हेयर रूटीन में ऐसे दही का इस्तेमाल करने से आपके बाल मुलायम और सॉफ्ट होंगे।

ऐसे बनाएं बैंगन का भरता

बैंगन का नाम सुनते ही कई लोग नाक मुंह बनाने लगते हैं। इसकी सब्जी बहुत लोगों को कुछ ख़ास नहीं पसंद आती है। लेकिन आज हम आपको बैंगन भरता की रेसिपी बताएंगे जो आपको यकीनन पसंद आएगी। बैंगन भरता दाल चावल या रोटी के साथ बड़े चाव से खाते हैं। बैंगन का भरता का स्वाद बहुत लाजवाब होता हैं। आज हम आपको रेस्टोरेंट स्टाइल बैंगन भरता बनाने की रेसिपी बताने जा रहे है। यह रेसिपी कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है। बैंगन का भरता खाने में जितना स्वादिष्ट है बनाने में उतना ही आसान भी है। आप इसे घर में आधा घंटे से भी कम वक्त में आसानी से तैयार कर सकते हैं। आपने इसे घरनहीं बनाया

है तो चलिए बताते हैं इसकी रेसिपी?

बैंगन का भरता बनाने के लिए सामग्रीः

बड़ा बैंगन, प्याज बारीक कटा – 1, हरी मिर्च बारीक कटी – 3, बारीक कटी लहसुन - 2, टमाटर - 1, लाल मिर्च पाउडर – 1 टीस्पून, गरम मसाला – 1 टीस्पून, कटी धनिया पत्ती – 1 टेबलस्पून, सरसो का तेल, नमक स्वादानुसार

कैसे बनाएं बैंगन का भरता?

पहला स्टेपः बैंगन भरता बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को साफ पानी से धोएं और लंबे आकार में काटें। अब गैस ऑन करें और उस पर एक पैन रखें और इसमें 2 चम्मच सरसों का तेल डालें। फिर कटे हुए बैंगन और टमाटर को डालें और ढक दें। जब टमाटर और बैंगन भून जाएं तब गैस बंद कर दें (ध्यान रखें गैस का फ्लेम मीडियम होना चाहिए)

दूसरा स्टेपः अब आप प्याज, धनिया, लहसुन और मिर्च एकदम बारीक काटें। जब बैंगन अच्छी तरह पक जाए तब कड़ाही से बैंगन निकालें और एक थाली में रख दें।

तीसरा स्टेपः अब एक बाउल में पके हुए बैंगन और टमाटर को अच्छी तरह से मैश करें। जब बैंगन मैश हो जाए तब उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, लहसुन और मिर्च, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर को अच्छी तरह से मिलाएं। अब उसके बाद आप इस भरता में आधा चम्मच सरसों का तेल, नमक स्वाद अनुसार मिलाएं। भरता के ऊपर धनिया से इसे गार्निश करें। आपका बैंगन भरता तैयार है।

पहली बार किसी लड़की को लगाना है गले तो झिझके नहीं, अपनाएं ये टिप्स

अपने प्रिय को गले लगाना एक खूबसूरत और रोमांटिक पल हो सकता है लेकिन अगर आप ऐसा पहली बार करने जा रहे हैं तो झिझक महसूस हो सकती है। खासकर अगर आप एक लड़की को पहली बार बाहों में लेने जा रहे हैं तो नर्वस होना या डर महसूस होना सामान्य हो सकता है। वैलेंटाइन सप्ताह में एक दिन हग डे 12 फरवरी 2026 को मनाया जा रहा है। जिसमें लोग अपने प्रिय को जादू की झप्पी देते हैं। इस दिन को अगर आप भी अपनी क्रश या नई-नई बनी गर्लफ्रेंड के साथ मनाना चाहते हैं तो कुछ साधारण और प्रभावी टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

पहली बार किसी लड़की को गले लगाने जा रहे हैं तो माहौल को समझें, बॉडी लैंग्वेज पढ़ें, आत्मविश्वास रखें और जबरदस्ती न करें। सही तरीका अपनाएंगे, तो गले लगने का वह पल दोनों के लिए खूबसूरत और यादगार बन जाएगा।

माहौल को समझें और सही समय चुनें

माहौल और लड़की की बॉडी लैंग्वेज को समझें।

सही समय का इंतजार करें, जैसे जब लड़की खुश हो या इमोशनल मूड में हो या गुडबाय और वेलकम कहना हो।

अगर वह असहज दिखे या उनका गले लगाने का मूड न हो तो उन्हें इसके लिए फोर्स न करें।

पहले आई कॉन्टेक्ट करें या अनुमति लें।

पहले अनुमति लें

असमंजस में हैं कि लड़की सहज महसूस कर रही है या नहीं, तो आप हल्के-फुल्के अंदाज में पूछ सकते हैं।

जैसे क्या मैं तुम्हें एक हग दे सकता हूँ?, या फिर दोनों हाथ फैलाकर हल्की मुस्कान दें, जिससे वह खुद तय कर सके कि उसे गले लगना है या नहीं।

अगर वह हंसकर हाँ कहे या खुद आगे आए, तो आप आगे बढ़ सकते हैं।

हग करने का सही तरीका

लड़की को पहली बार गले लगाने जा रहे हैं तो सॉफ्ट और जेंटल हग दें। ज्यादा टाइट या ज्यादा ढीला न हो।

कंधे या कमर पर हल्का हाथ रखें। इससे हग नेचुरल और सहज लगेगा।

बहुत लंबा न खींचें। 2-4 सेकंड का हग परफेक्ट रहता है।

पीठ पर हल्की थपकी दें, अगर आप दोस्ताना हग देना चाहते हैं।

बहुत ज्यादा कसकर न पकड़ें, अचानक न करें और जरूरत से ज्यादा लंबा न खींचें, वरना लड़की असहज महसूस कर सकती है।

प्रॉमिस डे पर पार्टनर से करें ये 5 वादे रिश्ता होगा और भी मजबूत

वैलेंटाइन वीक सिर्फ गिफ्ट और सरप्राइज़ का नाम नहीं है, बल्कि रिश्ते को समझने, निभाने और संवारने का मौका भी है। इसी वीक का एक बेहद खास दिन है प्रॉमिस डे । वादों का ये दिन 11 फरवरी 2026 को मनाया जा रहा है। इस दिन किए गए छोटे-छोटे वादे रिश्ते की नींव को और मजबूत बना सकते हैं।

वैलेंटाइन सप्ताह पर किए गए वादे अगर दिल से हों और निभाने का इरादा सच्चा हो, तो रिश्ता खुद-ब-खुद मजबूत हो जाता है। याद रखें, प्यार कहने से नहीं, निभाने से जिंदा रहता है। अगर आप इस प्रॉमिस डे पर अपने पार्टनर से कुछ ऐसा वादा करना चाहते हैं जो सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि जिंदगी में भी दिखे यहां आपको कुछ आइडिया दिए जा रहे हैं। इस वैलेंटाइन वीक अपने पार्टनर से ये 5 वादे जरूर करें और रिश्ते को नई शुरुआत दें।

प्रॉमिस डे क्यों है खास?

प्रॉमिस डे प्यार को कमिटमेंट में बदलने का दिन है। इस दिन किए गए वादे,

रिश्ते में भरोसा बढ़ाते हैं

एक-दूसरे की अहमियत बताते हैं

मुश्किल वक्त में साथ निभाने की ताकत देते हैं।

हर हाल में साथ निभाने का वादा

रिश्ते में सिर्फ अच्छे दिन नहीं होते, मुश्किलें भी आती हैं। पहला वादा करें, "मैं हर हाल में तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा या रहूंगी, चाहे हालात जैसे भी हों।"

यह वादा पार्टनर को सिक्योरिटी और भरोसा देता है।

हर बात खुलकर कहने का वादा

गलतफहमियां अक्सर चुप्पी से पैदा होती हैं। दूसरा वादा करें,

"मैं अपनी फीलिंग्स तुमसे छुपाऊंगा नहीं और हर बात ईमानदारी से कहूंगा।"

यह वादा रिश्ते में पारदर्शिता लाता है।

एक-दूसरे की इज्जत करने का वादा

प्यार तभी टिकता है जब उसमें रिस्पेक्ट हो। उनसे वादा करें,

"मैं तुम्हारी राय, सपनों और फैसलों की हमेशा कद्र करूंगा।"

सम्मान रिश्ते को गहराई देता है।

लड़ाई के बाद भी रिश्ता नहीं छोड़ने का वादा

लड़ाई होना आम बात है, लेकिन छोड़ देना सही नहीं। पार्टनर से वादा करें, "हम लड़ेंगे, रूठेंगे भी लेकिन एक-दूसरे को कभी छोड़ेंगे नहीं।"

यह वादा रिश्ते को टूटने से बचाता है।

साथ बढ़ने और बेहतर बनने का वादा

रिश्ता तभी मजबूत होता है जब दोनों साथ आगे बढ़ें। पांचवां वादा करें,

"मैं तुम्हारे सपनों में तुम्हारा साथ दूंगा और खुद को भी बेहतर बनाता रहूंगा।" यह वादा भविष्य की मजबूत नींव रखता है।

शाहरुख खान रानी मुखर्जी को 'बेबी' क्यों बुलाते हैं?

एक्ट्रेस ने किया खुलासा, सलमान खान को लेकर कह दी ये बात

रानी मुखर्जी उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्हें बॉलीवुड के तीनों खान शाहरुख खान, आमिर खान और सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिला है. तीनों सुपरस्टार इस साल 60 साल के हो चुके हैं और इसी के साथ उनके फिल्मी सफर को लेकर चर्चा और भी तेज हो गई है.

वहीं अब हाल ही में रानी मुखर्जी ने तीनों खान के साथ अपने काम को याद किया और बताया कि कैमरा ऑन होते ही शाहरुख, आमिर और सलमान तीनों का अंदाज बिल्कुल अलग हो जाता है. बता दें, रानी मुखर्जी ने सबसे पहले आमिर खान के साथ साल 1998 की फिल्म 'ग़ुलाम' में काम किया था. उन्होंने बताया कि उस वक्त यह उनके लिए किसी सपने जैसा था.

आमिर को लेकर क्या बोलीं रानी?

रानी ने कहा कि बचपन में उन्होंने आमिर को 'कयामत से कयामत तक' में देखा था और उन पर क्रश भी था. जब उन्हें 'ग़ुलाम' साइन करने का मौका मिला तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि वह इतने बड़े स्टार के साथ काम करने जा रही हैं. उन्होंने यह भी बताया कि आमिर के काम करने का तरीका उन्हें सबसे ज्यादा इंस्पायर करता था. हर सीन के लिए उनकी मेहनत, गंभीरता और किरदार में पूरी तरह डूब जाना रानी ने अपने शुरुआती दिनों में ही उनसे सीखा.

आमिर के बाद रानी मुखर्जी ने शाहरुख खान के साथ 'कुछ कुछ होता है' और 'चलते चलते' जैसी फिल्मों में काम किया. रानी ने बताया कि उन्होंने शाहरुख को भी बचपन में 'डीडीएलजे' में देखा था, जो 1995 में रिलीज हुई थी. उसी साल वह अपनी पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' की शूटिंग कर रही थीं. रानी ने कहा कि आमिर और शाहरुख जैसे बड़े सितारों के साथ काम करना उनके लिए किसी सपने जैसा था. शाहरुख के साथ काम करते हुए उन्हें जो बात सबसे ज्यादा याद रही, वह थी उनका अपनापन और स्वभाव था.

शाहरुख रानी को 'बेबी' क्यों बुलाते हैं?

रानी मुखर्जी ने शाहरुख खान के बारे में कहा कि उनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस काफी खास रहा. उन्होंने बताया, 'शाहरुख के अंदर एक सॉफ्ट कॉर्नर है. जब मैंने उनके साथ काम किया था, तब मैं सिर्फ 18 साल की थी. वह मुझे बच्चे की तरह ट्रीट करते थे और आज भी मुझे 'बेबी' कहकर बुलाते हैं. आमिर की तरह ही शाहरुख भी हर शॉट को अपना बेस्ट देने पर पूरा फोकस रखते हैं. सेट पर दोनों मेरे लिए टीचर जैसे थे.'

सलमान खान को लेकर कही ये बात

सलमान खान के साथ उनका एक्सपीरियंस बिल्कुल अलग रहा. रानी ने कहा, 'सलमान से मिलना मेरे लिए पूरा 360 डिग्री टर्न था. उनके काम करने का तरीका अलग है. वह स्वैग और बिंदास अंदाज के साथ सेट पर आते हैं. कभी-कभी लगता है कि वह पूरी तरह मौजूद नहीं हैं, लेकिन असल में वह पूरी तरह काम में होते हैं.'

रानी ने आगे बताया कि सलमान इतने हैंडसम हैं कि सेट पर आते ही सबकी नजरें उन पर टिक जाती हैं. वह काम को लेकर कैजुअल दिखते हैं, लेकिन बहुत मेहनत करते हैं. लोग इसे समझ नहीं पाते क्योंकि वह अपनी मेहनत दिखाते नहीं हैं. वह हर सीन पर चर्चा करते हैं और कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं.

आखिर में रानी ने तीनों खान के बारे में कहा, टशाहरुख, आमिर और सलमान तीनों अपने-अपने तरीके से दिग्गज हैं. काम करने का अंदाज़ अलग है, लेकिन दिल से तीनों ही उतने ही जुनूनी और प्यारे हैं. मुझे तीनों से बराबर प्यार है और तीनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं.'

शर्लिन चोपड़ा ने करियर की शुरुआत में कई लोगों संग बनाए थे फिजिकल रिलेशन, खुद किया था खुलासा

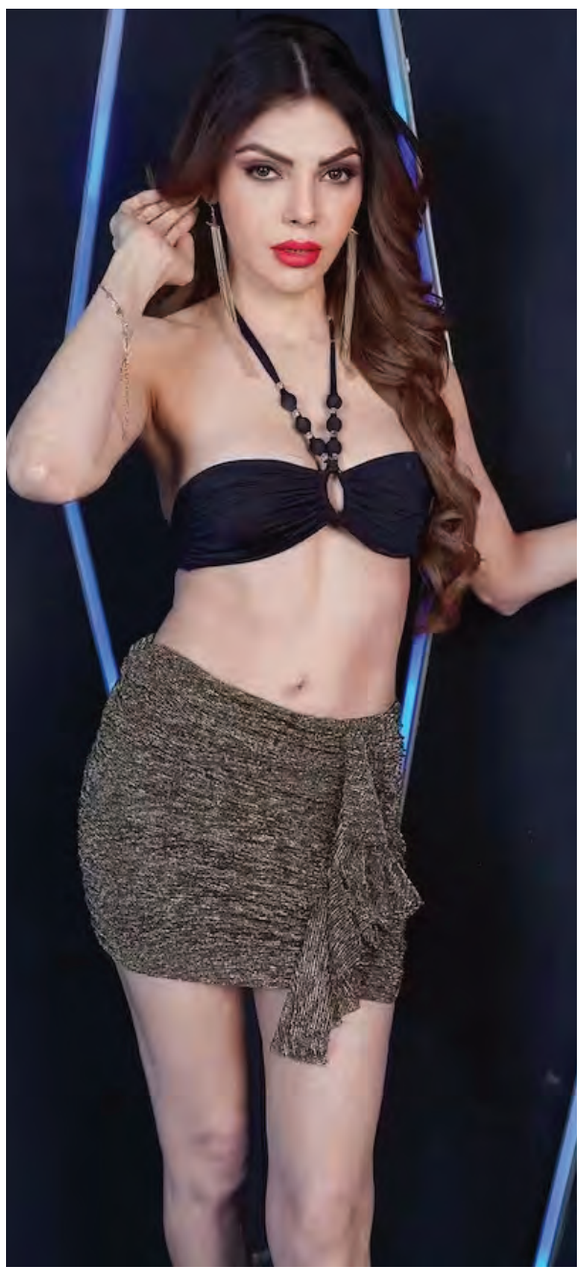

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो अपने ग्लैमरस अंदाज के साथ-साथ बेबाक बयान के लिए भी जानी जाती हैं. कई बार तो ये हसीनाएं कुछ ऐसा कह जाती हैं, जिसे लेकर खूब हंगामा मच जाता है. शर्लिन चोपड़ा भी उन्हीं में से एक हैं. वैसे तो शर्लिन ने अपने अभी तक के करियर में कुछ खास फिल्मों में काम नहीं किया है. लेकिन, वो अपने बेबाक अंदाज की वजह से चर्चा में रहती हैं.

शर्लिन चोपड़ा किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटती हैं. फिर चाहे वो उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर ही क्यों ना हो. यही वजह है कि शर्लिन ने एक बार खुद से जुड़ा ऐसा खुलासा किया, जिसे जानकर उनके फैंस के होश उड़ गए थे. एक्ट्रेस ने बताया था कि एक दौर था जब उनके पास पैसे नहीं हुआ करते थे. ऐसे में उन्होंने पैसों के लिए कई लोगों के साथ फिजिकल रिलेशन बनाया.

शर्लिन चोपड़ा ने खुद एक ट्विट किया था, जिसमें लिखा था,'मुझे कई बार पेड फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए संपर्क किया जा चुका है. मैंने पहले ऐसा पैसों के लिए किया भी है.' शर्लिन ने अपने ट्विट में आगे लिखा था,'ये खुलासा मैं बेचारी बनने या अच्छी और बुरी लड़की की इमेज बनाने के लिए नहीं कर रही हूं. बस इसलिए कर रही हूं कि आज भी लोग मुझे फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए कॉन्टैक्ट करते हैं, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करती हूं.' शर्लिन ने अपने पोस्ट में आगे लिखा था कि अब उनसे इस तरह की चीजों के लिए संपर्क करने की कोशिश ना की जाए. इतना ही नहीं उन्होंने ये भी लिखा था कि पहले उन्होंने जो संबंध बनाए थे, उसके बारे में अब उन्हें याद भी नहीं है. शर्लिन चोपड़ा के इस बेबाक खुलासे ने एक पल के लिए हर किसी को हैरान करके रख दिया है. बता दें एक्ट्रेस ने अपने करियर में 'कामसूत्र 3डी', 'खेल' और 'चमेली' जैसी फिल्मों में काम किया है.

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' का नाम बदला जाएगा

नीरज पांडे द्वारा प्रोड्यूस और मनोज बाजपेयी स्टारर नेटफ्लिक्स फ़िल्म 'घूसखोर पंडत' अपने टाइटल को लेकर हुई आलोचनाओं के बाद से सुर्खियों में छाई हुई है. सोशल मीडिया पर मेकर्स की इस बात के लिए खूब बुराई हुई कि उन्होंने ऐसा टाइटल चुना जो कथित तौर पर ब्राह्मण समुदाय को बदनाम करता है. फेडरेशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने हाल ही में फ़िल्म पर बैन लगाने की मांग भी की थी, लेकिन अब एक नया अपडेट सामने आया है.

मेकर्स ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया है कि मनोज बाजपेयी स्टारर 'घूसखोर पंडत' फिल्म का नाम बदला जाएगा. यह फैसला कई FIR, सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव और देश भर से बैन की मांग के बाद आया है.

बता दें कि मेकर्स ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि वह अपनी अपकमिंग फिल्म घूसखोर पंडित का नाम बदलने जा रहा है. कंपनी की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि फिल्म से जुड़े सभी प्रमोशनल मटेरियल को सोशल मीडिया से पहले ही हटा लिया गया है. इस दलील के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म घूसखोर पंडित की रिलीज और स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका का निपटारा कर दिया. याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि फिल्म का टाइटल और प्रस्तावित सामग्री मानहानिकारक है और साम्प्रदायिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है.

मनोज बाजपेयी और नीरज पांडे ने दी थी सफाई

'घूसखोर पंडत' पर मचे बवाल के बीच मनोज बाजपेयी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी थी. उन्होंने लिखा था, "जब आप जिस चीज़ का हिस्सा होते हैं, वह दुख देती है, तो यह आपको रुकने और सुनने पर मजबूर करती है." उन्होंने साफ़ किया कि इस प्रोजेक्ट को करने का उनका फ़ैसला कैरेक्टर के आर्क पर आधारित था और इसका मकसद किसी कम्युनिटी पर कमेंट करना नहीं था. उन्होंने यह भी कहा कि मेकर्स ने लोगों की भावना को देखते हुए प्रमोशनल मटीरियल हटा दिया था.

डायरेक्टर नीरज पांडे, जो रितेश शाह के साथ इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, उन्होंने भी बाद में इंस्टाग्राम पर एक सफ़ाई जारी की, जिसमें ज़ोर दिया गया कि यह सीरीज़ पूरी तरह से फिक्शनल है. उन्होंने कहा, हमारी फिल्म एक फिक्शनल कॉप ड्रामा है, और 'पंडत' शब्द का इस्तेमाल सिर्फ एक फिक्शनल कैरेक्टर के लिए आम बोलचाल के नाम के तौर पर किया गया है. कहानी एक व्यक्ति के कामों और पसंद पर फोकस करती है और किसी जाति, धर्म या समुदाय पर कमेंट या उसे रिप्रेजेंट नहीं करती है. प्रोडक्शन टीम ने यह भी कहा कि प्रमोशनल कंटेंट को सरकार के निर्देश से पहले ही अपनी मर्ज़ी से वापस ले लिया गया था.

'किसी भी फिल्म से इंस्पायर्ड नहीं गोलमाल 5': रोहित शेट्टी

फिल्म गोलमाल 5 लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की रिपोर्ट्स सामने आ रही थीं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म दो और दो पांच से प्रेरित है। इसी बीच अब निर्देशक रोहित शेट्टी ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ किया है कि गोलमाल 5 किसी भी क्लासिक बॉलीवुड फिल्म से प्रेरित नहीं है और इस तरह की खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

रोहित शेट्टी ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, हम ऑनलाइन और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चल रही कुछ खबरों को लेकर स्पष्टता देना चाहते हैं, जिनमें यह कहा जा रहा है कि गोलमाल 5 फिल्म 'दो और दो पांच' से प्रेरित है या उसी पर आधारित है।

हम साफ-साफ कहना चाहते हैं कि ये सभी रिपोर्ट्स गलत, भ्रामक और पूरी तरह असत्य हैं। हम सभी मीडिया हाउसेज, प्रकाशनों, पोर्टल्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से सख्त अनुरोध करते हैं कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित न करें।

बयान में आगे कहा गया, रोहित शेट्टी या गोलमाल 5 से जुड़ी कोई भी खबर, अपडेट या स्पष्टीकरण प्रकाशित करने से पहले उसे हमसे या हमारे आधिकारिक पीआर प्रतिनिधि – यूनिवर्सल कम्युनिकेशंस से जरूर सत्यापित किया जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हम सभी से उम्मीद करते हैं कि वे पत्रकारिता की सच्चाई और जिम्मेदारी बनाए रखें। साथ ही, जो भी गलत खबरें फिलहाल चल रही हैं, उन्हें जल्द से जल्द सुधारा जाए या हटाया जाए।

फिल्म की शूटिंग फरवरी के अंत में मुंबई के फिल्म सिटी में शुरू होने की उम्मीद है और फिल्म को 2027 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पांचवीं किस्त 'गोलमाल' फ्रैंचाइजी के 20 साल पूरे होने का जश्न भी है, क्योंकि पहली फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी और उसके बाद सीरीज ने देशभर में बड़ी सफलता हासिल की है।

अरुणा ईरानी ने महमूद के साथ रिश्ते पर किया खुलासा

कहा- एहसानों के कारण उनके करीब आई, मेरा फायदा उठाया

अरुणा ईरानी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित एक्ट्रेसेस में से एक हैं। अपने करियर में 500 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अरुणा प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने महमूद के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की।

हाल ही में एक इंटरव्यू में अरुणा ईरानी ने फिल्मों में काम करने का मौका देने के लिए महमूद को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि उनका रिश्ता एक तरह के एहसान और मजबूरी के भाव से बना था। उन्होंने कहा, महमूद जी ने मुझे सबसे पहले काम दिया। हमारा रिश्ता एक तरह के एहसान और मजबूरी के भाव से बना, और यही वजह थी कि यह हुआ। बाद में महमूद जी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स में चले गए और मैं अलग शोज में बिजी हो गई। तभी मुझे ऐसा लगने लगा कि वह मेरा खुले तौर पर फायदा उठा रहे थे।

मैंने जो किया, वह मजबूरी और जरूरत की वजह से किया, इसलिए मैं उन्हें अकेले दोषी नहीं ठहराना चाहती। मैं भी इसका समर्थन करती रही। बाद में फिर यह रिश्ता खत्म हो गया। इसी इंटरव्यू में अरुणा ईरानी ने महमूद से अपने विवाह को लेकर लंबे समय से चली आ रही अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी। अरुणा ने कहा, उन्होंने कहा था कि वह मुझसे शादी करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पीछे मुड़कर देखा तो यह मेरे लिए अच्छा ही था। वह पहले ही दो बार शादी कर चुके थे और तीसरी बार भी कर सकते थे, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी किस्मत अच्छी थी। जो हुआ वह गलत था।

वह लोगों को बताते थे कि उन्होंने मुझसे शादी की है। इसी वजह से फिल्म निर्माताओं ने मुझे काम देना बंद कर दिया। उन्हें डर था कि अगर मैं गर्भवती हो गई, तो उनकी फिल्म अटक सकती है। यह मेरे लिए बड़ा झटका था। जब यह कहानी खत्म हुई और मैंने स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू किया, तब लोगों को समझ में आया कि हमारे बीच कुछ भी नहीं था।

महमूद संग अफेयर की चर्चा, करियर पर असर पड़ा

बॉम्बे टु गोवा और कारवां दोनों ही फिल्में हिट साबित हुईं। आमतौर पर ऐसी सफलता के बाद हर एक्ट्रेस का करियर ऊंचाइयों पर पहुंचता है, लेकिन अरुणा के साथ इसका उल्टा हुआ और उन्हें काम मिलना बंद हो गया। इसकी वजह महमूद के साथ उनके अफेयर की चर्चाएं थीं, जिसने उनके करियर पर बुरा असर डाला।

दरअसल, बॉम्बे टू गोवा के दौरान अरुणा और महमूद के अफेयर की खबरें फैलने लगीं। यहां तक कहा गया कि दोनों ने चोरी-छिपे शादी कर ली है, जिसका असर अरुणा के फिल्मी करियर पर पड़ा और कई सालों तक उन्हें कोई काम नहीं मिला।

है जवानी तो इश्क होना है : अब कॉमेडी की ओर लौटेंगे वरुण, करेंगे डबल रोल

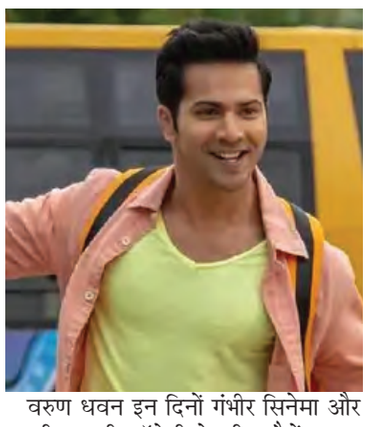

वरुण धवन इन दिनों गंभीर सिनेमा और हल्की-फुल्की कॉमेडी के बीच बैलेंस बना रहे हैं। 'बॉर्डर 2' से उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार किया है, वहीं 'है जवानी तो इश्क होना है' के जरिए वे एक बार फिर उसी मास ऑडियंस से जुड़ेंगे।

इस फिल्म से वरुण एक बार फिर अपनी जड़ों की ओर लौटते दिख रहे हैं। 'है जवानी तो इश्क होना है' एक शुद्ध मसाला कॉमेडी है, जिसे उनके पिता और कॉमेडी किंग डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। 'मैं तेरा हीरो', 'जुड़वां 2' और 'कुली नंबर 1' के बाद यह पिता-पुत्र की चौथी फिल्म होगी, जिससे दर्शकों को एक बार फिर क्लासिक डेविड स्टाइल एंटरटेनमेंट की उम्मीद है। ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म में पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं मृणाल का हालिया 'प्रेग्नेंट लुक' फिल्म की कहानी में बड़े ट्विस्ट का संकेत देता है। मृणाल के पास आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही 'रुदो दीवाने सहर में' नजर आएंगी। इसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस कर रहे हैं।

प्रेम में असफल युवक का किरदार

कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी प्रेम कहानी हर बार असफल हो जाती है और फिर उसे किस्मत बदलने के लिए मदद मिलती है। दिलचस्प बात यह है कि वरुण इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। एक तरफ बॉय-नेक्स्ट-डोर लुक, तो दूसरी ओर ज्यादा मैच्योर अवतार। 90 के दशक के म्यूजिकल वाइब और मजबूत सपोर्टिंग कास्ट राजपाल यादव, जॉनी लीवर, चंकी पांडे और मनीष पॉल फिल्म को पूरी तरह फैमिली एंटरटेनर बनाने की तैयारी में हैं।

यूरोप की सड़कों पर शूट हुआ पार्टी सॉन्ग

फिल्म की शूटिंग ऋषिकेश, लंदन और स्कॉटलैंड जैसी भव्य लोकेशनों पर की गई है। ऋषिकेश में गंगा आरती और रिवर राफ्टिंग सीक्वेंस से लेकर यूरोप की सड़कों पर पार्टी सॉन्ग तक, मेकिंग में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

गोविंदा ने बेटे के करियर को सपोर्ट नहीं किया?:पत्नी सुनीता आहूजा के आरोपों पर एक्टर की सफाई, बोले- मुझसे पूछा ही नहीं गया

गोविंदा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने उन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने अपने बेटे के करियर को सपोर्ट नहीं किया। इस पर गोविंदा ने कहा, मैं फिल्मी और रिश्तों में नाकामयाब रहा हूं।

गोविंदा ने कहा, मैंने अपनी फैमिली के लिए राजनीति छोड़ दी थी, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मेरे किसी भी द्वेष का असर मेरी फैमिली की जिंदगी पर पड़े, खासकर मेरे बच्चों पर। मैं सिर्फ अपने बच्चों के लिए बाहर आया था। मैंने साजिद नाडियाडवाला से मेरे बेटे को गाइड करने के लिए कहा था। साजिद ने यशवर्धन को फिल्म मेकिंग के अलग-अलग पहलू सिखाने में मदद भी की। मुझसे ज्यादा कुछ नहीं पूछा गया। घर में ऐसा माहौल था कि मैं फिल्मी और रिश्तों में नाकामयाब हूं।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों पर गोविंदा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जो लोग मुझ पर प्यार के मामलों को लेकर आरोप लगा रहे हैं, वे गलत हैं। यह कभी ठीक से काम नहीं किया।

मैंने चार सुपरस्टार्स और मिस यूनिवर्स रहीं एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है, लेकिन मैंने कभी गलत नजर से किसी की ओर नहीं देखा। मेरी कोई भी हीरोइन यह नहीं कह सकती कि मैंने उसे परेशान किया हो या किसी के लिए अपशब्द कहे हों।

गोविंदा ने कहा कि वह अपने करियर में साथ काम करने वाले सभी कलाकारों के आभारी हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी आर्टिस्ट्स और हीरोइन्स का धन्यवाद करता हूं। मेरी जो फिल्में चली हैं, उसके लिए मैं अपने डायरेक्टर्स, गानों और फिल्मों की हीरोइन्स को थैंक यू कहना चाहता हूं।

राजपाल यादव की कर्ज चुकाने में मदद करेंगे सोनू सूद

तिहाड़ में बंद एक्टर के लिए कहा– दान नहीं, सम्मान

चेक बाउंस मामले में फंसे बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने तिहाड़ जेल में सरेंडर करने से पहले भावुक होते हुए कहा- क्या करूं? मेरे पास पैसे नहीं हैं। कोई और रास्ता नहीं दिख रहा, यहां सब अकेले हैं, कोई दोस्त नहीं होता। अब सोनू सूद ने उनके लिए मदद का हाथ बढ़ाया है।

एक पुराने चेक बाउंस मामले में फंसे बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव को हाल ही में दिल्ली के तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा। सरेंडर से पहले वो काफी इमोशनल हुए और साफ कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। बॉलीवुड में रियल हीरो के तौर पर जाने जानेवाले सोनू सूद एक बार फिर सामने हैं और इस मामले में राजपाल यादव की मदद के लिए उन्होंने आवाज उठाई है।

साल 2010 के चेक बाउंस मामले में 5 करोड़ रुपये का कर्ज चुका पाने में असमर्थ एक्टर राजपाल ने आखिरकार सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने से ठीक पहले वो काफी भावुक हो गए और अधिकारियों से कहा, 'सर, क्या करूं? मेरे पास पैसे नहीं हैं। कोई और रास्ता नहीं दिख रहा, यहां सब अकेले हैं, कोई दोस्त नहीं होता। इस मुश्किल से मुझे खुद ही गुजरना होगा।'

सोनू सूद ने राजपाल यादव के लिए किया ट्वीट

जहां राजपाल यादव की कही ये बातें उनके फैन्स को दुखी कर रही हैं, वहीं बॉलीवुड से आखिरकार मदद के लिए आवाज उठनी शुरू हो गई है। सोनू सूद ने एक्टर को लेकर एक ट्वीट किया है जिसके बाद उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें इस मामले में फिल्मी दुनिया से सपोर्ट मिल सकेगा।

'राजपाल यादव मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे'

सोनू सूद ने लिखा है, 'राजपाल यादव एक टैलेंटेड एक्टर हैं जिन्होंने कई सालों तक हमारे इंडस्ट्री को यादगार भूमिकाएं दी हैं। कभी-कभी लाइफ अनफेयर हो जाता है, टैलेंट के कारण नहीं बल्कि समय के खराब होने की वजह से। वह मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे और मेरा मानना है कि यह हम सभी के लिए – प्रड्यूसर्स, डायरेक्टर्स और कुलीग के लिए – एकजुट होने का समय है।'

राजपाल यादव की मदद के लिए सोनू सूद ने उठाई आवाज

उन्होंने एक्टर की मदद के लिए एक दमदार आवाज उठाते हुए कहा है, 'एक छोटी सी अमाउंट राशि, जिसे भविष्य के काम के बदले दिया जा सकता है, ये दान नहीं, बल्कि सम्मान है। जब हमारी ही इंडस्ट्री का कोई सदस्य कठिन दौर से गुजर रहा हो तो हमें उन्हें ये यह याद दिलाना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। इसी तरह हम यह साबित करते हैं कि हम सिर्फ एक इंडस्ट्री से कहीं बढ़कर हैं।'

लोगों ने सोनू सूद के इस कदम पर जताया आभार

सोशल मीडिया पर उनके इस ट्वीट पर लोगों ने भी रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'यही सच्ची मानवता है। गलती तो हर कोई कर सकता है, लेकिन उस गलती की वजह से किसी का जीवन और करियर बर्बाद करना गलत है! आपने सही फैसला लिया है और मैं भगवान गणेश से प्रार्थना करता हूं कि आपकी ये कोशिश सफल हों।' एक और ने कहा- सोनू के इस बड़े कदम के लिए उन्हें सलाम, राजपाल यादव इस उद्योग जगत से मिलने वाले प्यार और समर्थन के हकदार हैं।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश, 2.43 लाख नाम हटे

राज्य में अब 2 .49 करोड़ वोटर, बंगाल में फाइनल लिस्ट की तारीख 14 दिन बढ़ी

गुवाहटी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल रिवीजन (एसआर) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं।

स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसंबर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। 22 नवंबर से 20 दिसंबर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर (एच2एच) वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था। असम की 126 विधानसभा सीटों पर अगले तीन महीनों में चुनाव होने हैं।

ड्राफ्ट रोल में 10.56 लोगों के नाम कटे थे

इससे पहले 27 दिसंबर 2025 को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट रोल जारी किया गया था। इसमें 10,56,291 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। इनमें 93,021 हजार से ज्यादा डी-वोटर यानी डाउटफुल वोटर शामिल नहीं किए गए थे। वोटर लिस्ट में से मौत, नई जगह शिफ्ट होने या डुप्लीकेट एंट्री होने की वजह से 10.56 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे।

डी-वोटर वे लोग होते हैं, जिनकी नागरिकता पर सरकार को शक होता है। ऐसे लोगों को वोट देने की परमिशन नहीं होती। इन्हें फॉरेनर्स एक्ट, 1946 के तहत खास ट्रिब्यूनल तय किया जाता है और इन्हें वोटर कार्ड भी नहीं दिया जाता। इन डी-वोटर्स की जानकारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अलग से जोड़ी गई है।

बंगाल में 28 फरवरी को वोटर लिस्ट पब्लिश होगी

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिकेशन का समय 7 दिन और बढ़ाया है। अब लिस्ट 28 फरवरी को पब्लिश होगी।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 7 दिन की समयसीमा बढ़ाई गई थी।

आयोग ने यह फैसला बड़े पैमाने पर काउंटिंग और पोलिंग स्टेशनों के वेरिफिकेशन व रैशनलाइजेशन की जरूरत को देखते हुए लिया था।

कोल्हान में हड़ताल कल

ट्रेड यूनियनों ने श्रमिक विरोधी नीतियों और अनियंत्रित निजीकरण के विरोध में तैयारी की तेज

जमशेदपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। 12 फरवरी को प्रस्तावित देशव्यापी आम हड़ताल को लेकर कोल्हान क्षेत्र में ट्रेड यूनियनों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच और स्वतंत्र क्षेत्रीय महासंघों के आह्वान पर यह हड़ताल आयोजित की जा रही है, जिसके समर्थन में कोल्हान का संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

ट्रेड यूनियनों के अनुसार, यह हड़ताल श्रमिक विरोधी श्रम संहिताओं (लेबर कोड), जनविरोधी कानूनों, आजीविका एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर हो रहे हमलों, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों तथा अनियंत्रित निजीकरण के विरोध में बुलाई गई है। अंबुज ठाकुर ने इन मुद्दों पर प्रकाश डाला।

रणवीर सिंह को भेजा गया धमकी भरा वॉइस नोट

अनजान शख्स ने मांगे करोड़ों रुपये, जांच में जुटी मुंबई पुलिस

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अभिनेता रणवीर सिंह फिल्म 'धुरंधर' के बाद इसके दूसरे पार्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। अगले महीने 'धुरंधर 2' रिलीज होगी। इस बीच उन्हें एक वॉइस नोट भेजकर धमकी दी गई है। कहा जा रहा है कि एक अनजान शख्स ने अभिनेता से करोड़ों रुपये की रकम मांगी है।

जांच में जुटी पुलिस

मुंबई पुलिस के मुताबिक, फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद रणवीर सिंह को एक धमकी भरा वॉइस नोट व्हॉट्सएप पर मिला है, जिसमें करोड़ों रुपये मांगे गए हैं। मुंबई पुलिस ने एक्टर के घर के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी है और धमकी भेजने वाले का पता लगा रही है'।

रणवीर सिंह को धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद पुलिस को जानकारी दी गई। मुंबई पुलिस वॉइस नोट भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। इस बीच अभिनेता के घर के बाहर सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। उनके घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

रणवीर-दीपिका की सोसाइटी के लोगों ने जताई चिंता

अभिनेता रणवीर सिंह को एक तरफ वॉइस नोट के जरिए धमकी दी गई है और करोड़ों की फिरौती मांगी गई है। वही दूसरी तरफ रणवीर और दीपिका मुंबई की जिस सोसाइटी में रहते हैं, उस सोसाइटी के लोगो ने बड़ी संख्या में तैनात सशत्र गार्ड को लेकर चिंता जताई है। सोसाइटी की तरफ से पुलिस को पत्र लिखा गया है। एक तरफ एक्टर को धमकी मिलने पर सुरक्षा बढ़ाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर उसी सुरक्षा को लेकर सोसायटी में सवाल उठ रहे हैं।

बीते 31 जनवरी को देर रात लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई में जुहू स्थित घर के बाहर फायरिंग हुई थी। उनके घर के बाहर पांच राउंड फायरिंग को अंजाम दिया गया। उस दौरान रोहित घर पर ही मौजूद थे। हालांकि, गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ। मुंबई पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है।

सस्पेंड होने के बाद भी सरकारी काम कर रहे एसडीएम

अश्लील डांस के लिए दी थी परमिशन

गरियाबंद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में अश्लील डांस मामले में नया ट्विस्ट आया है। अश्लील डांस के मामले में हटाए गए तत्कालीन एसडीएम तुलसीदास मरकाम ने एक बार फिर से कामकाज संभाल लिया है। बड़ी बात ये है कि वह बिना किसी प्रशासनिक आदेश के फिर से कुर्सी में बैठ गए हैं और काम कर रहैं। मामले की जानकारी सामने आने के बाद कलेक्टर ने कहा कि उन्हें पुलिस के माध्यम से हटाया जाएगा।

देवभोग एसडीएम के पास है प्रभार

प्रशासनिक रिकॉर्ड के अनुसार, फिलहाल मैनपुर एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार देवभोग एसडीएम के पास है। इसके बावजूद तुलसीदास मरकाम ऑफिस में बैठकर ज्ञापन ले रहे हैं। वह लगातार क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और सरकारी कार्यक्रम में शामिल भी हो रहे हैं।

निलंबित किए गए थे एसडीएम

वीडियो वायरल होने के बाद 16 जनवरी को तुलसीदास मरकाम को निलंबित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 29 जनवरी को हाईकोर्ट ने निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। लेक और उन्हें राहत मिली। कोर्ट से राहत मिलने के बाद वह ऑफिस आने लगे। हालांकि कोर्ट ने अपने आदेश में यह नहीं कहा कि दोबारा एसडीएम पद पर बहाल किया जाए।

जिला प्रशासन ने एसडीएम के ऑफिस आने के मामले में गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने कहा कि तुलसीदास मरकाम की आईडी ब्लॉक कर दी गई है। तुलसीदास कोई सुनवाई या सरकारी कार्रवाई नहीं कर सकते हैं। पुलिस की मदद से उन्हें हटाया जाएगा। दरअसल पूरा मामला गरियाबंद जिले में अश्लील डांस से जुड़ा हुआ है। गरियाबंद जिले में 9 जनवरी को ऑर्केस्ट्रा का आयोजन था। यहां डांस करने के लिए ओडिशा से लड़कियां बुलाई गई थी। डांसरों ने मंच पर अश्लीलता की हदें पार कर दी थी। डांसर कपड़े उतारकर प्राइवेट पार्ट दिखाते हुए अश्लील डांस किया था।

इस दौरान यहां तत्कालीन एसडीएम तुलसीदास मरकाम वीडियो बनाते डांसरों पर पैसे उड़ाते नजर आए थे। जांच में यह बात सामने आई थी कि नियम के खिलाफ एडसीएम ने डांस के आयोजन की अनुमति दी थी। जिसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था।

पिता ने 6 वर्षीय बेटे को कुंए में डुबोकर मार-डाला

रायगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पिता ने अपने 6 साल के बेटे को कुंए में फेंका, फिर पानी में डूबाकर मार डाला। आरोपी पारिवारिक विवाद के बाद तनाव में था। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम जामढोंढी भदरापारा की है।

मिली जानकारी के अनुसार, मनोज महेश्वरी (28) ने पुलिस को बताया कि, वह तीन भाई विजय, विनोद और वह खुद है। तीनों भाई अलग-अलग घरों में रहते हैं। मंझले भाई विनोद महेश्वरी (30) की पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा था। वह कुछ दिनों से अलग रह रही थी। इस वजह से विनोद मानसिक तनाव में बताया जा रहा है।

रविवार शाम करीब 6 बजे विनोद अपने छोटे बेटे हितेश महेश्वरी (6 वर्ष) के साथ घर के सामने खड़ा दिखाई दिया था।

क्या बैंकों में गुरुवार को लटक जाएगा ताला?

12 फरवरी को हड़ताल, आम आदमी के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप गुरुवार यानी 12 फरवरी 2026 को किसी जरूरी काम से बैंक जाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बैंक ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि क्या उस दिन बैंक खुले रहेंगे या बंद? देश की प्रमुख बैंक यूनियनों ने 12 फरवरी को 'देशव्यापी हड़ताल' का आह्वान किया है। हालांकि, तकनीकी रूप से यह कोई सरकारी छुट्टी नहीं है, लेकिन इसका असर आपकी बैंकिंग सेवाओं पर पड़ सकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बड़े सरकारी बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करते हुए कामकाज में बाधा आने की आशंका जाहिर कर दी है। भले ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 12 फरवरी को आधिकारिक अवकाश घोषित नहीं किया है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और हो सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गज बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को भेजे गए एक नोट में साफ किया है कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं और कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होने की पूरी संभावना है।

बैंक ने अपने बयान में कहा, बैंक शाखाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है, लेकिन अगर हड़ताल होती है, तो कामकाज पर असर पड़ सकता है₹। इसका सीधा मतलब है कि चेक क्लीयरेंस, नकद जमा और अन्य काउंटर सेवाओं में देरी का सामना करना पड़ सकता है।

कौन कर रहा है हड़ताल और क्या हैं मांगें?

इस हड़ताल का नेतृत्व बैंकिंग क्षेत्र की तीन सबसे बड़ी यूनियनें- ऑल इंडिया बैंक एंप्लॉइज एसोसिएशन (एआईबीईए), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) और बैंक एंप्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) कर रही हैं। ये यूनियनें 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रही हैं।

बैंक कर्मचारियों का गुस्सा मुख्य रूप से सरकार की नई श्रम संहिता को लेकर है।

नए श्रम कानूनों का विरोधः यूनियनें नवंबर में अधिसूचित उन चार नए लेबर कोड्स का विरोध कर रही हैं, जो मौजूदा 29 श्रम कानूनों की जगह लेंगे। उनका आरोप है कि ये नियम 'श्रमिक विरोधी' हैं और ट्रेड यूनियनों के पंजीकरण के लिए कड़ी शर्तें थोपते हैं।

आम लोगों के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी?

चूंकि किसी भी बड़े बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक ने छुट्टी की घोषणा नहीं की है, इसलिए तकनीकी रूप से बैंक खुले रहेंगे। निजी बैंकों के कामकाज पर इसका असर कम देखने को मिल सकता है, लेकिन सरकारी बैंकों में जहां इन यूनियनों की पकड़ मजबूत है, वहां सेवाएं बाधित हो सकती हैं। ग्राहकों के लिए सलाह है कि वे 12 फरवरी को बैंक शाखा जाने के बजाय नेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

रील्स देखकर ज्वेलरी-दुकान में चोरी करने वाला गिरोह पकड़ाया

दो महीने प्लानिंग के बाद करते थे वारदात, 28 लाख का माल बरामद, हिस्ट्रीशीटर समेत 7 गिरफ्तार

रायपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में सोशल मीडिया पर रील्स देखकर ज्वेलरी दुकानों और सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की गई है। अब पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें संजय नेताम, भूपेंद्र पटेल उर्फ गजनी, प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, रितेश कुर्रे, रुद्रांश श्रीवास्तव और दो नाबालिग शामिल है। उनके पास से 28 लाख का सामान बरामद किया गया है।

जांच में सामने आया कि, आरोपी सोशल मीडिया पर वायरल रील्स देखकर ज्वेलरी शॉप में ध्यान भटकाने की तरकीबें सीखते थे। बड़े साइज के लॉकेट दिखाने के बहाने जेवर हाथ में लेकर फरार हो जाते थे। कुछ वारदातों में मास्क लगाकर पहचान छिपाई गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चोरों के खिलाफ खम्हारडीह थाने में उपेंद्र कुमार, डीडी नगर थाने में मनीषा तिवारी, पुरानी बस्ती में आयुष ठाकुर, पंडरी में चंदन गेंड्रे, आरंग थाने में दिनेश कुमार सोनी घनश्याम प्रसाद देवांगन, पलारी में दिलीप पवार और विधानसभा में हेमंत साहू ने शिकायत की थी।

पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने जांच की और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है। खम्हारडीह थाने में हिस्ट्रीशीटर संजय नेताम उर्फ गोलू, पुरानी बस्ती में भूपेंद्र पटेल उर्फ गजनी, करण टांडी, आरंग-पंडरी और पलारी में प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, रितेश कुर्रे और विधानसभा में आरोपी रुद्रांश श्रीवास्तव को पकड़ा गया है।

पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला ने बताया कि, लगातार हो रही चोरी को देखते हुए 6 टीमों का गठन किया गया था।

सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना और जेल से हाल में छूटे अपराधियों के डेटाबेस से आरोपियों की पहचान की गई। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

सचिन तेंदुलकर ने पीएम मोदी और सोनिया गांधी को सौंपा बेटे की शादी का कार्ड

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मंगलवार देर शाम को सचिन ने पत्नी संग कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात कर उन्हें शादी में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, हमें अर्जुन और सानिया के विवाह समारोह में पीएम मोदी को आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सचिन ने दोनों नवजोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस युवा जोड़े को आपके आशीर्वाद और विचारशील सलाह के लिए मोदी जी को धन्यवाद।

वहीं देर शाम सचिन तेंदुलकर ने पत्नी अंजली संग कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके 10 जनपथ स्थित नई दिल्ली आवास पर मुलाकात की। सचिन ने सोनिया गांधी को बेटे अर्जुन के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद उनके घर से निकलते हुए सचिन का एक वीडियो भी सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर 5 मार्च को सानिया चंडोक से शादी रचाने जा रहे हैं। जाने-माने कारोबारी रवि घई की पोती सानिया चंडोक एंटरप्रेन्योर हैं। वह एक क्वालिफाइड वेटरनरी टेक्नीशियन भी हैं। शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने की उम्मीद है। 5 मार्च को दोनों शादी रचाएंगे, जो मुंबई में होगी। इस शादी में सिर्फ परिवार, दोस्त और करीबी लोग ही शामिल होंगे। अर्जुन एक तेज गेंदबाज और एक काबिल लोअर-ऑर्डर बल्लेबाज हैं, जिन्हें कुछ हफ्तों पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड किया गया था।

यूट्यूबर युवती ने पिता का हंसिया से काटा गला, मौत

कोरबा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक यूट्यूबर ने अपने पिता की गला काटकर हत्या कर दी। ग्राम रलिया स्थित लिममुंडा बस्ती में रहने वाले अशोक कुमार केवट (55) की 3 बेटियां थी। जो 8 साल से पिता से अलग रह रही थी। आरोप है कि अशोक अपनी पत्नी और बड़ी बेटी के कैरेक्टर पर शक करता था, जिसके बाद सब अलग रहने चल दिए थे।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार (9 जनवरी) को पत्नी-बेटियां जमीन का हिस्सा लेने गांव आई थी। रात 2 बजे विवाद होने पर पिता ने बड़ी बेटी को अपशब्द कहा जिसके बाद विवाद हो गया। गुस्से में उसने हंसिया से पिता का गला काट दिया। मामला हरदी बाजार थाना क्षेत्र का है। मर्डर की आरोपी गीता केवट (27) पर एक शिक्षाकर्मी के निजी वीडियो यूट्यूब पर डालने का आरोप भी लगा है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय अशोक कुमार केवट के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अशोक की पत्नी और तीन बेटियां पिछले 8 सालों से कोरबा के आदिले चौक में अलग रहती थीं। उनकी दो बेटियां निजी कंपनी में काम करती हैं, जबकि एक पढ़ाई कर रही है।

9 फरवरी को अशोक की पत्नी और तीनों बेटियां जमीन के मुआवजे का पैसे लेने गांव आई थीं और वहीं रुकी हुई थीं। रात 2 बजे अशोक का अपनी बड़ी बेटी गीता केवट (27) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान पिता ने बेटी को अपशब्द कह दिया। अपशब्द सुनते ही विवाद इतना बढ़ गया कि गीता ने घर में रखी हसिया से अपने पिता का गला काट दिया। हत्या करने के बाद गीता खुद घर से बाहर निकली और अपने रिश्तेदारों को बताया कि उसने अपने पिता की हत्या कर दी है। मृतक अशोक केवट के भाई संतोष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गीता के बताने पर जब वे घर के अंदर गए, तो अशोक खून से लथपथ मृत पड़े थे।

पुलिस के अनुसार, मृतक अशोक केवट आदतन शराबी था। उसकी हरकतों से परेशान होकर ही पत्नी और बच्चे कोरबा में अलग रहते थे। अशोक अपनी पत्नी और बेटियों के चरित्र पर भी सवाल उठाता था, जिससे वे काफी परेशान थीं।

सारंडा के जंगलों में लगे कैमरे में तेंदुआ कैद

जमशेदपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमे शन-2026 के तहतपश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा, पोड़ाहाट व कोल्हान के वन क्षेत्र में भी बाघों की तलाश में सर्वे किया गया। इस दौरान तीनों रेंज के अधिकारियों पर केवल बाघ ही नहीं, बल्कि तेंदुआ, हाथी, हिरण समेत अन्य जीवों कीभी गिनती की जिम्मेवारी सौंपी गई थी। 15 दिसंबर से 22 दिसंबर तक चले इस सर्वे में सबसे पहले साइन सर्वे के जरिए जंगल में लगे कैमरा के माध्यम से जंगली जानवरों का मल मूत्र, सींग को कवर किया। इसके बाद ट्रजेंट्म सर्वे के दौरान 2 किमी तक जंगल में पैदल चलकर जंगली जानवरों के पग मार्क का सर्वे किया गया।

वन विभाग द्वारा छोटानागरा के जंगलों में लगाए गए कैमरे में तेंदुआ समेत हिरण की प्रजाति चीतल, कोटरा, हाथी, जंगली खरगोश और विभिन्न प्रजाति के जहरीले सांप भी कैद हुए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, छोटानागरा के जंगलों में जनवरी माह में दिन के उजाले में तेंदुआ विचरण करते हुए कैमरे में कैद हुआ है। इसकी रिपोर्ट पलामू के बेतला राष्ट्रीय उद्यान बाघ आरक्षण केंद्र को भेजी जाएगी। उसके बाद डाटा को नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया के माध्यम से वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट देहरादून को भेजा जाएगा।

29 जुलाई को टाइगर डे पर टाइगर एस्टीमेशन की रिपोर्ट जारी की जाएगी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि देशभर में यह सर्वे प्रत्येक चार साल में एक बार होता है।

चोरी का सोना चुराया, प्रेग्नेंट हेड कॉन्स्टेबल को जेल

दुर्ग-भिलाई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक महिला हेड कॉन्स्टेबल ने कार्रवाई के दौरान चोरी का 8 तोला सोना चुराकर अपने पास रख लिया था। जांच में दोषी पाए जाने के बाद मोनिका गुप्ता को सजा हुई। जिसके बाद से वह फरार चल रही थी।

2 फरवरी 2026 को जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया तो मेडिकल जांच में पता चला कि वह 9 महीने की प्रेग्नेंट है, तब जेल में ही उसे मेडिकल की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। 10 फरवरी 2026 को मोनिका ने जिला अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया है। मामला मोहन नगर थाना इलाके का है। अब नवजात मासूम को भी अपनी मां के साथ जेल में रहना होगा। हालांकि, बच्चे का कोई कसूर नहीं है, लेकिन मां के साथ उसे भी जेल में सजा काटनी पड़ेगी। महिला के 2 और बच्चे हैं, जो मां के बिना रहेंगे। मोनिका की कोर्ट से जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है। भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश के मुताबिक, मामला 4 जुलाई 2022 का है, जब दुर्ग के सिंधिया नगर निवासी सोनाली द्विवेदी के घर से सोने के गहनों की चोरी हुई थी। शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी प्रधान आरक्षक मोनिका गुप्ता को सौंपी थी। जांच के दौरान पुलिस ने 30 जून 2023 को आरोपी पीतांबर राव को गिरफ्तार किया था।

बांग्लादेश पर 0 तो भारत पर 18फीसद ट्रेड डील में ट्रंप ने यह क्या खेल कर दिया?

नई दिल्ली,10 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और बांग्लादेश ने सोमवार को एक ट्रेड डील पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देश अपने आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करना चाहते हैं। इस नए समझौते के तहत बांग्लादेश से अमेरिका जाने वाले सामान पर अब 19% टैरिफ लगेगा। पहले यह दर 20% थी। अमेरिका ने कुछ दिनों पहले ही भारत के साथ भी ट्रेड डील की थी। इस डील के तहत अमेरिका ने भारत से 50 फीसदी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया था। बांग्लादेश के साथ ट्रेड डील में ट्रंप ने बड़ा खेल कर दिया है। इससे भारत को कुछ नुकसान हो सकता है।

बांग्लादेश के साथ नई ट्रेड डील में अमेरिका ने यह भी वादा किया है कि बांग्लादेश से अमेरिका आने वाले कुछ खास टेक्सटाइल और कपड़ों के शिपमेंट पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। यानी उन पर 'जीरो' टैरिफ होगा। हालांकि यह जीरो टैरिफ उन्हीं टेक्सटाइल और कपड़ों के शिपमेंट पर होगा जो अमेरिकी कपास और सिंथेटिक फाइबर से बने होंगे। इस पर बांग्लादेश के मुख्य वार्ताकार और एनएसए रहमान ने कहा, 'अमेरिकी इनपुट से बने खास टेक्सटाइल और कपड़ों के निर्यात पर 'जीरो' टैरिफ लगने से हमारे गारमेंट सेक्टर को बहुत बड़ी मजबूती मिलेगी।' टैरिफ कम होने से बांग्लादेश के निर्यातकों को राहत मिलेगी और वे अमेरिका में अपने उत्पाद आसानी से बेच पाएंगे।अमेरिकी कपास और फाइबर का इस्तेमाल करके बने बांग्लादेशी कपड़ों पर जीरो टैरिफ लगने से वहां के गारमेंट उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

ट्रंप ने क्या खेल कर दिया?

बांग्लादेश के साथ ट्रेड डील कर डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा खेल कर दिया है। इस डील ने भारत को झटका दिया है।

अमेरिका ने जहां अमेरिकी कपास और फाइबर वाले बांग्लादेशी कपड़ों पर टैरिफ जीरो कर दिया है तो वहीं भारत पर यह 18 फीसदी है। यानी बांग्लादेश के कपड़ा निर्यातकों को अमेरिका में कपड़े बेचने के लिए कोई टैक्स नहीं देना होगा। इससे बांग्लादेश के कपड़े अमेरिका में भारतीय कपड़ों के मुकाबले सस्ते मिलेंगे। ऐसे में अमेरिकी कंपनियां बांग्लादेश से कपड़े खरीदना पसंद करेंगी, ना कि भारत से।

यह तब है जब भारत अमेरिका से 200 मिलियन डॉलर की कपास खरीदता है और बांग्लादेश 250 मिलियन डॉलर की। यानी 50 मिलियन डॉलर के अंतर के बावजूद भारत को 18% ज्यादा टैक्स का नुकसान उठाना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर मौजूदा डील से पहले 20 फीसदी टैक्स लगता था।

अब नई डील के तहत बांग्लादेश को कपड़ों को ड्यूटी-फ्री यानी बिना टैक्स के सामान बेचने की सुविधा मिल गई है। इससे भारत का पुराना टैक्स वाला फायदा खत्म हो गया है और बांग्लादेश के मुकाबले भारतीय कपड़ा इंडस्ट्री को नुकसान होगा। बांग्लादेश के साथ डील कर ट्रंप ने भारत को कई तरह से धोखा दिया है। हाल में भारत के साथ डील में ट्रंप ने शर्त रखी है कि अगले कुछ सालों में भारत को अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदना होगा। वहीं बांग्लादेश के साथ डील में इस तरह की कोई शर्त नहीं रखी गई है। ऐसे में देखा जाए तो भारत को टैरिफ में ढील देने के बाद भी 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने की शर्त भारत पर एक बड़ा बोझ है।

वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में भारत कितने दिनों तक रह सकता है सुरक्षित, क्या है सरकार का दावा?

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को राज्यसभा में अहम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की उथल-पुथल की स्थिति में भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार देश की जरूरतों को लगभग 74 दिनों तक पूरा करने में सक्षम है। वह प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

पुरी ने कहा कि तेजी से विकास कर रहे भारत जैसे देश के लिए व्यवहार्य और सुरक्षित तेल भंडार बेहद आवश्यक हैं, ताकि वैश्विक संकट की स्थिति में देश कमजोर न पड़े। उन्होंने बताया कि भारत के पश्चिमी और पूर्वी दोनों तटों पर तेलशोधन संयंत्र मौजूद हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का हवाला देते हुए कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का उपभोक्ता है। साथ ही, देश के पास दुनिया की चौथी सबसे बड़ी शोधन क्षमता है, जो फिलहाल करीब 26 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। आने वाले समय में बढ़कर 32 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इसके

अलावा, भारत पेट्रोलियम उत्पादों का दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भी है। मंत्री ने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक स्तर पर किसी भी तरह की आपूर्ति बाधा या संकट के दौरान देश के पास पर्याप्त तेल उपलब्ध रहे। आईईए के मानकों के अनुसार, रणनीतिक भंडार आदर्श रूप से करीब 90 दिनों की जरूरतों को पूरा करने लायक होना चाहिए।पुरी ने बताया कि सरकार तेलशोधन संयंत्रों में मौजूद भंडार को भी कुल आकलन में शामिल करती है। अगर सभी भंडारों को एक साथ देखा जाए, तो देश के पास फिलहाल 74 दिनों के लिए पर्याप्त तेल भंडार है। उन्होंने कहा कि मंत्री के रूप में मैं 74 दिनों के भंडार के साथ सुरक्षित महसूस करता हूं, लेकिन भविष्य में इसे और बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा का एक अहम आधार है।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 208 अंक चढ़ा, निफ्टी 25900 के पार

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक संकेतों में मजबूती और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे सत्र में बढ़त दर्ज की गई, हालांकि निवेशकों ने उच्च स्तर पर मुनाफावसूली शुरू कर दी। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे बढ़कर 90.57 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 208.17 अंक या 0.25 प्रतिशत चढ़कर 84,273.92 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, बेंचमार्क 417.2 अंक या 0.49 प्रतिशत उछलकर 84,482.95 के अंतरदिवस उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक या 0.26 प्रतिशत बढ़कर 25,935.15 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में, सूचकांक 122.15 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 25,989.45 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इटरनल, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, टाइटन और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदानी पोर्ट्स और आईटीसी पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी व्यापार समझौते और प्रमुख एशियाई बाजारों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के चलते घरेलू शेयर बाजारों में तेजी जारी रही। विदेशी निवेशकों के निवेश में जोरदार उछाल और रुपये की मजबूती से निवेशकों का मनोबल और भी बढ़ रहा है, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों में बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखने को मिली। उन्होंने आगे कहा कि टैरिफ संबंधी चिंताओं में काफी हद तक कमी आने के साथ, निकट भविष्य में बाजार की दिशा तीसरी तिमाही की कमाई पर निर्भर होने की उम्मीद है, जो अब तक मिली-जुली रही है और उम्मीदों से कम है। नायर ने कहा कि निवेशक अब आने वाली तिमाहियों में आय की गति को पुनर्जीवित करने के लिए हाल ही में किए गए राजकोषीय और मौद्रिक उपायों के संयुक्त प्रभाव पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, हांगकांग का हैंग सेंग, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

चांदी आज 3,759 बढ़ी, कीमत 2.57 लाख प्रति किलो

दो दिन में 12,495 महंगी; सोना 824 बढ़कर 1.56 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। चांदी-सोने के दाम में आज 10 फरवरी को लगातार दूसरे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 10 फरवरी को एक किलो चांदी की कीमत 3,759 रुपए बढ़कर 2,57,424 रुपए किलो पर पहुंच गई है। सोमवार को इसका भाव 2,53,665 रुपए किलो था। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,44,929 रुपए किलो थी। वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 824 रुपए बढ़कर 1,55,700 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को ये 1,54,876 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए, शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल अब तक सोने की कीमत 22,505 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,55,700 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 27,004 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,57,424 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

भारत-पाकिस्तान मैच से पहले हवाई किराया आसमान पर, 4 घंटे की दूरी के लिए खर्च करने होंगे 1 लाख से ज्यादा

नई दिल्ली,10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 का मैच 15 फरवरी को खेला जाएगा। यह मैच श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होगा। वहीं इस मैच से पहले ही कोलंबो जाने का हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया है। अगर आप शनिवार या रविवार को फ्लाइट से कोलंबो जाना चाहते हैं तो आपको जेब कुछ ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। मेकमाईट्रिप के अनुसार एयर इंडिया की फ्लाइट का किराया एक लाख रुपये पार हो गया है। दिल्ली से कोलंबो तक पहुंचने में फ्लाइट से करीब 4 घंटे लगते हैं।

कितना हुआ किराया?

मेकमाईट्रिप वेबसाइट पर मंगलवार सुबह 11 बजे जब हमने कोलंबो का हवाई किराया चेक किया तो यह प्रति यात्री इस प्रकार था:

दिल्ली से कोलंबो

शुक्रवार को एयर इंडिया की नॉनस्टॉप फ्लाइट का किराया 63,030 और 81,032 रुपये है। वहीं श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 32,746 रुपये दिखा रहा है। शनिवार को एयर इंडिया की नॉनस्टॉप फ्लाइट का किराया 90,031 रुपये से 1,09,340 रुपये के बीच है। वहीं श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 1,45,220 रुपये था। संडे को मैच वाले दिन एयर इंडिया की नॉनस्टॉप फ्लाइट का किराया 1,09,340 रुपये और श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 65,915 रुपये था। श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया इसलिए कम है क्योंकि यह फ्लाइट जब तक कोलंबो पहुंचेगी और यात्री एयरपोर्ट से बाहर निकलेंगे, मैच खत्म हो चुका होगा।

मुंबई से कोलंबो

मुंबई से कोलंबो तक हवाई दूरी ढाई से पौने तीन घंटे की है। शुक्रवार को इंडिगो की नॉनस्टॉप फ्लाइट का किराया 22,943 रुपये, एयर इंडिया का किराया 28,035 रुपये और श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 66,123 रुपये है। शनिवार को इंडिगो एयरलाइंस का किराया 47,818 रुपये, श्रीलंकन एयरलाइंस का 56,525 रुपये से 63,377 रुपये और एयर इंडिया की फ्लाइट का किराया 80,031 रुपये है। संडे को एयर इंडिया की फ्लाइट का किराया 28,035 रुपये, इंडिगो 32,803 रुपये और श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 66,123 रुपये है।

संकट में श्रीलंका की टूरिज्म इंडस्ट्री

श्रीलंका टूरिज्म इंडस्ट्री इस समय संकट से गुजर रही है। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बाद भी कमाई में कमी आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी 2026 में श्रीलंका आने वाले पर्यटकों से होने वाली कमाई में सालाना आधार पर करीब 5.6% की गिरावट आई है। श्रीलंका को जनवरी 2025 में टूरिज्म से 400.7 मिलियन डॉलर की कमाई हुई थी। वहीं जनवरी 2026 में यह कमाई गिरकर 378.3 मिलियन डॉलर रह गई। ऐसे में श्रीलंका को उम्मीद है कि भारत-पाकिस्तान मैच के कारण काफी संख्या में लोग श्रीलंका पहुंचेंगे और वहां की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान देंगे।

खत्म करें एलटीसीजी, इससे शेयर बाजार के निवेशक हतोत्साहित होंगे, राघव चड्ढा ने की ऐसी मांग

नई दिल्ली,10 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को तो जानते ही होंगे। इनकी शादी बॉलीवुड की अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा से हुई है। राघव ने सरकार से शेयर बाजार में निवेश करने वाले आम निवेशकों के लिए लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स को पूरी तरह खत्म करने की मांग की है। राज्यसभा में सोमवार को बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान उन्होंने यह मांग की। उनका कहना है कि एलटीसीजी खत्म करने से लोगों की दौलत बढ़ेगी और लोग सोने-चांदी और प्रॉपर्टी में पैसा लगाने के बजाय शेयर बाजार जैसे ज्यादा फायदेमंद कामों में अपना पैसा लगाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे देश में आम निवेशकों के लिए इक्विटी पर लगने वाले लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स को शून्य कर देना चाहिए। चड्ढा ने यह भी उल्लेख किया कि बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ाया गया है,

जिसका असर दूरगामी होगा। एसटीटी को असल में एलटीसीजी की जगह लाने के लिए शुरू किया गया था। एसटीटी तब लागू हुआ था जब इक्विटी पर एलटीसीजी टैक्स जीरो था। इसका मकसद यह था कि चाहे मुनाफा हो या नुकसान, एक सीधा और तुरंत लगने वाला टैक्स निवेशकों को चुकाना होगा। उन्होंने डेरिवेटिव्स पर एसटीटी बढ़ाने का स्वागत किया, लेकिन चेतावनी दी कि एसटीटी और एलटीसीजी दोनों को बनाए रखने से असली लॉन्ग-टर्म निवेशक हतोत्साहित होंगे। चड्ढा ने आम निवेशकों के लिए इक्विटी पर एलटीसीजी खत्म करने की वकालत करते हुए, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, यूएई, हांगकांग, न्यूजीलैंड, कतर और मलेशिया जैसे देशों का उदाहरण दिया। इन देशों में लॉन्ग-टर्म इक्विटी पर होने वाली कमाई पर ज्यादातर टैक्स नहीं लगता। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चड्ढा ने नॉन-रेजिडेंट इंडियंस के लिए निवेश की सीमा बढ़ाने की भी तारीफ की। हालांकि, उन्होंने सरकार से यह जांचने का आग्रह किया कि फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स भारत से बाहर क्यों जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनआरआई निवेश सीमा में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब पिछले वित्तीय वर्ष में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने करीब 23 अरब डॉलर निकाल लिए थे। सांसद राघव चड्ढा ने बजट 2026 की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। यह नौकरीपेशा मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ा झटका है।

चीन में महंगा हुआ कच्चा माल

भारतीय निर्माताओं के छूट रहे हैं पसीने, सोलर प्रोजेक्ट में हो सकता है डिले

नई दिल्ली,10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के सोलर सेक्टर के लिए अच्छी खबर नहीं दिख रही है। दुनिया भर में 95 फीसदी से ज्यादा सोलर वेफर, इंगट और सोलर सेल बनाने वाली चीन में ही यह महंगा हो गया है। इस वजह से चीन से महंगे दाम पर ये चीजें आ रही हैं।

कच्चे माल की बढ़ती कीमतें भारत के मॉड्यूल बनाने वाली कंपनियों के लिए परेशानी खड़ी कर रही हैं। भारत में सोलर मॉड्यूल बनाने वाली एक कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने नवभारत टाइम्स को बताया कि इस समय चीन में सोलर वेफर, इंगट और सेल की कीमत में 10 से 15 फीसदी का इजाफा हो गया है। इसलिए, यहां भी सोलर माड्यूल की कीमत बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। दरअसल, ये कंपनियां सोलर सेल के लिए, चीन पर बहुत हद तक निर्भर हैं। सोलर प्रोजेक्ट चलाने वाली एक कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कुछ महीनों के लिए अपने प्रोजेक्ट पर काम रोकना पड़ सकता है। उन्हें लग रहा है कि अभी मार्च तक शिपमेंट पूरा करने के चक्कर में सोलर सेल की कीमतें बढ़ी हैं। हो सकता है कि अप्रैल में फिर से कीमतें पुराने स्तर पर आ जाएं। इसलिए, सोलर कंपनियां अपने प्रोजेक्ट को रोक रही हैं, तब तक के लिए, जब तक कि मॉड्यूल की कीमतें कम न हो जाएं।सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनियों का कारोबार चीन से आने वाले कच्चे माल से ही चलता है। दुनिया भर में जितने भी सोलर वेफर और इंगट मिलते हैं, 95 फीसदी चीन में बनता है। अपने यहां भी सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी या तो सोलर सेल सीधे वहां से मंगाती है या चीन से वेफर और इंगट मंगवा कर यहां सोलर मॉड्यूल तैयार करती हैं। इन कंपनियों को कुछ महीने तक अपने कारखाने बंद रखने की नौबत आ गई है। न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत में सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनियों के पास इस महीने के लिए ही सोलर सेल बचे हैं।

ईडी के समन के बाद भी नहीं पेश हुईं टीना अंबानी, 1,885 करोड़ रुपये की संपत्तियां हो चुकी हैं कुर्क

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। इससे पहले ईडी ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और यस बैंक से जुड़े मामलों में समूह से संबद्ध इकाइयों की लगभग 1,885 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की थीं। ये कुर्की चार अलग-अलग अस्थायी आदेशों के जरिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई थी, जिनमें बैंक बैलेंस, बकाया देनदारियां, गैर-सूचीबद्ध शेयर और अचल संपत्तियां शामिल हैं। कुर्क की गई प्रमुख संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड और मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी शामिल है। इसके अलावा, ईडी ने वैल्यू कॉर्प फाइनेंस एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड के 148 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस और 143 करोड़ रुपये की रिसीवेबल्स, अंगराई सेतुरामन से जुड़ी एक आवासीय संपत्ति तथा वरिष्ठ कर्मचारी पुनीत गर्ग के शेयर और म्यूचुअल फंड भी कुर्क किए हैं।

कुल कुर्की का आंकड़ा करीब 12,00 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है

ईडी के अनुसार, इससे पहले संबंधित मामलों में लगभग 10,117 करोड़ रुपये की संपत्तियां पहले ही कुर्क की जा चुकी थीं। ताजा कार्रवाई के साथ समूह के खिलाफ कुल कुर्की का आंकड़ा करीब 12,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एजेंसी का आरोप है कि समूह की कई कंपनियों, जिनमें आरकॉम, आरएचएफएल, आरसीएफएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर शामिल हैं ने सार्वजनिक धन की बड़ी रकम का कथित रूप से दुरुपयोग किया। ईडी के मुताबिक, आरएचएफएल और आरसीएफएल को मिलकर 11,000 करोड़ रुपये से अधिक का सार्वजनिक फंड प्राप्त हुआ था, जिसकी जांच जारी है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, टीना अंबानी को जल्द ही ताजा समन जारी कर दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। 68 वर्षीय टीना अंबानी, जो पूर्व अभिनेत्री भी रह चुकी हैं, को न्यूयॉर्क के मैनहैटन में एक लग्जरी कॉन्डोमिनियम की खरीद से जुड़े संदिग्ध मनी ट्रेल के सिलसिले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। एजेंसी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अनिल धीरूभाई अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी और उससे संबद्ध वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सुर्य	मकर	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय

मकर....	05-04	बजे
कुंभ....	06-54	बजे
मीन....	08-33	बजे
मेष.....	10-09	बजे
वृष....	11-53	बजे
मिथुन..	13-53	बजे
कर्क...	16-06	बजे
सिंह---	18-18	बजे
कन्या--	20-25	बजे
तुला----	22-30	बजे
वृश्चिक..	00-40	बजे
धनु.....	02-53	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्योदय 06-48
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष, सूर्यास्त. 18-12
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष बुधवार 11 February 2026
तिथि - नवमीं 09-58 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - अनुराधा 10-52 तक उप ज्येष्ठा
योग - व्याघात 02-29 रात तक उप. हर्षण
करण - गर 09-58 तक वणिज

समर्थ रामदास नवमीं

सर्वार्थसिद्ध योग 07-20 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-31 से 13-57 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-48 - 08-12	शुभ	उत्पात	18-12 - 19-49	अशुभ
अमृत	08-12 - 09-38	शुभ	शुभ	19-49 - 21-23	शुभ
काल	09-38 - 11-04	अशुभ	अमृत	21-23 - 22-56	शुभ
शुभ	11-04 - 12-31	शुभ	चंचल	22-56 - 00-30	शुभ
रोग	12-31 - 13-57	अशुभ	रोग	00-30 - 02-04	अशुभ
उत्पात	13-57 - 15-23	अशुभ	काल	02-04 - 03-38	अशुभ
चंचल	15-23 - 16-49	शुभ	लाभ	03-38 - 05-12	शुभ
लाभ	16-49 - 18-12	शुभ	उत्पात	05-12 - 06-48	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी । अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आज आप शारीरिक और भावनात्मक दोनों रूप से अधिक संवेदनशील महसूस कर सकते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भजनलाल सरकार के तीसरे बजट में खुलेगा सौगातों का पिटारा!

दिया कुमारी ने दिया अंतिम रूप

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बजट को अंतिम रूप देतीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी। फोटो- पत्रिका

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करेंगी। दिया कुमारी सोलहवीं विधानसभा के पंचम एवं बजट सत्र में बुधवार को ग्यारह बजे सदन में लगातार अपना तीसरा बजट भाषण देंगी।

उन्होंने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमारपाल गौतम एवं निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा मौजूद थे।

बजट से उम्मीदें

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार का आगामी बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और शहरी-ग्रामीण विकास पर केंद्रित रहने के संकेत दे रहा है। माना जा रहा है कि इस बार कई नई योजनाओं के साथ बड़े स्तर पर घोषणाएं की जा सकती हैं। खासतौर पर रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए नई भर्तियों का ऐलान संभव है।

पेंशनभोगियों को राहत देने के उद्देश्य से सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। वहीं विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि पर भी सरकार विचार कर सकती है। परिवहन क्षेत्र में भी बड़े फैसले सामने आ सकते हैं। रोडवेज बेड़े को मजबूत करने के लिए नई बसों की खरीद की घोषणा संभव है। इसके साथ ही शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने की योजना बनाई जा रही है।

सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय सरकार वित्तीय अनुशासन पर भी जोर दे सकती है। अनावश्यक खर्चों में कटौती कर राजकोषीय घाटा कम करने की रणनीति अपनाई जा सकती है।

जीएसटी वसूली को और सख्त बनाने तथा आय के नए स्रोत विकसित करने पर भी फोकस रहेगा, ताकि राज्य पर कर्ज का बोझ कम हो।

कुल मिलाकर आगामी बजट विकास की रफ्तार और वित्तीय संतुलन के बीच तालमेल साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

चित्तौड़गढ़ की फैक्ट्री में ब्लास्ट

500 मीटर दूर गिरे बॉयलर के पार्ट्स

5 किमी तक धमाके की गूंज से दहशत में आए लोग

चित्तौड़गढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के कपासन में रीको इंडस्ट्रियल एरिया में देर रात केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। धमाके की आवाज करीब 5 किलोमीटर तक सुनाई दी। ऐसे में लोग दहशत में आ गए। धमाके के बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे की सूचना पर कपासन विधायक, जिला कलक्टर व एसपी भी देर रात मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

कपासन के रीको इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित मरून केमिकल फैक्ट्री सोमवार रात करीब 11 बजे के बाद हादसा हुआ। बॉयलर फटते ही फैक्ट्री में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटों ने पास स्थित एक स्क्रैप फैक्ट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि स्क्रैप फैक्ट्री का एक हिस्सा ढह गया और आसपास की दीवारों में दरारें आ गईं।

500 मीटर दूर तक गिरे बॉयलर के पार्ट्स

धमाके की आवाज करीब 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे लोग दहशत में आ गए। बॉयलर का वाल्व करीब 500 मीटर दूर एक मकान की छत पर जाकर गिरा, जिससे टीन शेड टूट गया। वहीं, लोहे की चादरें और पाइप खेत व घरों की छतों पर जाकर गिरे। हालांकि, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।

मौके पर पहुंचे कलक्टर, एसपी और विधायक

हादसे की सूचना मिलने पर जिला कलक्टर आलोक रंजन, एसपी मनीष त्रिपाठी और कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के मुताबिक फैक्ट्री में इंटरमीडिएट केमिकल बनाए जाते हैं। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग पर काबू पा लिया गया है।

दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ ही देर में दमकल की कई गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

तीन अफसरों के भरोसे 1100 स्कूलों की निगरानी

ऊर्जा मंत्री ने जताई चिंता, तुरंत मरम्मत के निर्देश

कोटा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मंगलवार को इंद्र विहार स्थित अपने आवास पर स्कूल शिक्षा, समसा, पीडब्ल्यूडी और पंचायत समिति से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में स्कूल भवनों में हो रही लीकेज, सीपेज और छत से पानी टपकने की समस्याओं के स्थायी समाधान के निर्देश दिए गए। साथ ही अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त स्कूलों के मरम्मत कार्यों की भी समीक्षा की गई।

मंत्री नागर ने कहा कि आपदा राहत मद के तहत प्रत्येक स्कूल को मरम्मत के लिए 2 लाख रुपये जारी किए गए हैं। ये कार्य पीडब्ल्यूडी, समसा और पंचायत समिति के माध्यम से कराए जा रहे हैं। उन्होंने इंजीनियरों को निर्माण कार्यों की व्यापक मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों की छत पर वॉटर प्यूरीफायर लगाने का कार्य अलग एजेंसी को सौंपा जाए। साथ ही बरसात से पहले छतों की मरम्मत और सफाई सुनिश्चित की जाए। छतों पर पानी जमा न हो, इसके लिए

पोर्टेबल सीढ़ियों की व्यवस्था करने को भी कहा गया। मंत्री ने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए और सभी कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं।

बैठक में समसा अधिकारियों ने बताया कि सिविल वर्क की मॉनिटरिंग के लिए पर्याप्त तकनीकी स्टाफ उपलब्ध नहीं है। कोटा जिले में लगभग 1100 स्कूलों की देखरेख के लिए केवल एक एईएन और दो जेईएन कार्यरत हैं, जिससे करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों की प्रभावी निगरानी करना कठिन हो रहा है।

इस पर ऊर्जा मंत्री ने मुख्य सचिव से फोन पर चर्चा की और समसा में इंजीनियरों की नियुक्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शिक्षा मंत्री से भी पूर्व में आग्रह किया जा चुका है और मुख्यमंत्री से भी चर्चा कर स्थायी मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में पंचायत समिति सुल्तानपुर की बीडीओ भानुमौली मौर्य, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन अंकित बिंदल, दिनेश धाकड़, एडीपीसी आदित्य विजय, सीबीईओ सांगोद, सीबीईओ सुल्तानपुर सहित समसा के एईएन और जेईएन उपस्थित रहे।

सरकारी छात्रावास में हिंदू सम्मेलन पर सांसद ने उठाए सवाल, राजनीतिक बयानबाजी तेज

बांसवाड़ा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में इन दिनों विभिन्न हिंदू संगठनों की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन के आयोजन हो रहे हैं। इसी बीच डूंगरपुर जिले के डूंका गांव में एक छात्रावास में विराट हिंदू सम्मेलन के कार्यक्रम को लेकर सांसद राजकुमार रोत ने सवाल उठाए हैं।

वागड़ में गांवों और कस्बों में ये सम्मेलन हो रहे हैं। इन सम्मेलनों में सभी जातियों के लोग सम्मिलित हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि विराट हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना जागृत करना तथा संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। ऐसा ही सम्मेलन डूंगरपुर जिले के डूंका गांव में हुआ है, जिसका प्रचार पत्रक सांसद राजकुमार रोत ने एक्स पर पोस्ट किया है।

सांसद राजकुमार रोत ने एक्स पर पोस्ट किया है कि दक्षिणी राजस्थान के एक स्कूल में स्थानीय बोली भाषा में 'भील प्रदेश' गीत गाए जाने पर पूरे शिक्षा विभाग में खलबली मच गई थी। विभाग के अधिकारियों ने तुरंत गाइड लाइन का हवाला देकर स्थानीय कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था लेकिन आज उन्हीं स्कूलों और छात्रावासों में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। ये किस गाइड लाइन के तहत हो रहा है? क्या नियम केवल कुछ आवाजों को दबाने के लिए हैं या फिर गाइड लाइन सब पर समान रूप से लागू होनी चाहिए?

उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व एक सरकारी स्कूल में बच्चों ने प्रार्थना सभा में भील प्रदेश के गीत की प्रस्तुति दी गई थी। इस पर हिंदूवादी संगठनों के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने आपत्ति जताई थी और कुछ कार्मिक निलंबित किए गए थे। अब सरकारी परिसर में हिंदू सम्मेलन पर सांसद ने आपत्ति की है। हालांकि उक्त सम्मेलन हो चुका है लेकिन सांसद की आपत्ति को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा आम हो रही है।

आसाराम की अपीलों पर हाईकोर्ट सख्त

स्थगन से इंकार, 16 फरवरी से रोजाना होगी सुनवाई

जोधपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम से जुड़ी आपराधिक अपीलों पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब इन पर किसी भी प्रकार का स्थगन नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद हाईकोर्ट ने इन लंबित अपीलों के त्वरित निपटारे के लिए 16 फरवरी से दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने का आदेश दिया है।

जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेन्द्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ के समक्ष आसाराम सहित अन्य आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई हुई। इस दौरान आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज सिंह बाजवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि अपील की पेपर-बुक हजारों पन्नों की है और मामला संवेदनशील होने के कारण भौतिक रूप से सुनवाई आवश्यक है। इसके लिए

उन्होंने कुछ समय दिए जाने का आग्रह किया।

वहीं अन्य अपीलों में एक वरिष्ठ अधिवक्ता पारिवारिक शोक के कारण उपस्थित नहीं हो सके, जबकि एक मामले में नए अधिवक्ता की नियुक्ति होने से तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया। सभी पक्षों की ओर से समय की मांग किए जाने पर कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं, इसलिए अब सुनवाई में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि 16 फरवरी से सभी अपीलों की सुनवाई अनिवार्य रूप से शुरू होगी और इसके बाद रोजाना सुनवाई की जाएगी।

वादाखिलाफी के आरोपों के साथ डीएनटी समाजों का विधानसभा घेराव, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू (डीएनटी) समाजों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को राजधानी जयपुर में विधानसभा घेराव किया। 53 डीएनटी समाजों के हजारों लोग बाईस गोदाम क्षेत्र में एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य की लगभग 15 प्रतिशत आबादी, यानी करीब 1.23 करोड़ लोग डीएनटी और घुमंतू वर्ग से आते हैं, लेकिन आज भी यह वर्ग बुनियादी अधिकारों से वंचित है।

राष्ट्रीय पशुपालक संघ और डीएनटी संघर्ष समिति के नेतृत्व में यह आंदोलन पिछले एक वर्ष से लगातार चल रहा है। पाली, जोधपुर, जयपुर और भीलवाड़ा में आंदोलनों के बाद पाली जिले के बालराई में एक बड़ा महा-पड़ाव

आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। राष्ट्रीय पशुपालक संघ एवं डीएनटी संघर्ष समिति के अध्यक्ष लालजी राईका ने बताया कि बालराई आंदोलन के बाद सरकार वार्ता के लिए तैयार हुई थी।

उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर 2025 को सरकार और डीएनटी संघर्ष समिति के बीच वार्ता हुई थी, जिसमें दस सूत्री मांगों पर चर्चा की गई। पहली मांग बालराई आंदोलन के दौरान 78 आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की थी, जिस पर सरकार ने सहमति जताई थी। इसके बावजूद 17 जनवरी को सरकार ने 9 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया और 6 लोगों को जेल भेज दिया। बाद में राजस्थान उच्च न्यायालय से जमानत मिलने पर सभी को रिहा किया गया।

विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू जाति परिषद के प्रदेशाध्यक्ष रतन नाथ कालबेलिया ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डीएनटी समाजों के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ता में किए गए वादों को सरकार भूल चुकी है। दूसरे दौर की वार्ता के लिए सरकार ने दो माह का समय मांगा था, जिसकी अवधि 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।

विधानसभा घेराव के दौरान डीएनटी समाजों ने 10 प्रतिशत अलग आरक्षण, भूमि-आवास एवं पट्टे, पंचायतों में 10 प्रतिशत आरक्षण, आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, स्वर्गीय लक्ष्मणनाथ जोगी को शहीद का दर्जा देने सहित सात प्रमुख मांगें दोहराईं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र से पहले मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शादी के बाद पत्नी के नाम से उठाया 19 लाख का लोन

डेढ़ साल बाद इंदौर से फर्जी आईपीएस अधिकारी अरेस्ट

बांसवाड़ा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। साइबर पुलिस टीम ने जिले के आधा दर्जन से अधिक थानों में दर्ज मामलों में 10 हजार रुपए के इनामी साइबर अपराध के आरोपी अक्षत राज कोठारी को इंदौर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी करीब 1 साल 6 महीने से वह नाम बदलकर फरारी काट रहा था।

साइबर टीम ने इंदौर में घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा

पुलिस के अनुसार आरोपी अक्षत राज कोठारी ने फर्जी ढंग से खुद को आइपीएस अधिकारी बताकर फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए एक महिला से संपर्क किया। विश्वास जीतने के बाद आरोपी ने महिला से शादी की और शादी के बाद पत्नी के नाम बैंक से 19 लाख रुपए का लोन करवा लिया। इसके बाद आरोपी लोन की राशि लेकर फरार हो गया।

साल 2024 से फरार चल रहे आरोपी को पकड़ने में साइबर टीम के सीआई हरिओम को विशेष इनपुट मिला। टेक्निकल सर्विलांस के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। साइबर टीम ने इंदौर में घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। रही है। कई और खुलासे होने की भी संभावना है।

कई और खुलासे होने की संभावना

इस कार्रवाई में सीआई हरिओम के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल समुंदर, महेंद्र सिंह और किशनलाल की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके अन्य साइबर अपराधों से जुड़े नेटवर्क व पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ अन्य जिलों में भी मामलों की जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि कई और भी खुलासे हो सकते है।

जापानी पर्यटक लापता

रेस्टोरेंट जाने के बाद नहीं लौटे

टैक्सी चालक की शिकायत पर केस दर्ज

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से दो जापानी नागरिकों के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार दोनों जापानी पर्यटक नई दिल्ली से जयपुर आए थे और 7 फरवरी को एक होटल में ठहरे थे। अशोक नगर थाना प्रभारी (एसएचओ) मोतीलाल शर्मा ने बताया कि इन दोनों पर्यटकों को ले जाने वाले टैक्सी चालक ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। टैक्सी चालक को ही दोनों पर्यटकों की आवाजाही की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। एसएचओ के अनुसार, 7 फरवरी की रात टैक्सी चालक दोनों जापानी नागरिकों को अशोक नगर इलाके के एक रेस्टोरेंट में लेकर गया था। इसके बाद दोनों पर्यटक न तो टैक्सी के पास लौटे और न ही अपने होटल पहुंचे। टैक्सी चालक ने 8 फरवरी की सुबह तक उनका इंतजार किया, लेकिन जब दोनों की ओर से कोई संपर्क नहीं हुआ और वे होटल भी नहीं लौटे, तो चालक ने पुलिस से संपर्क कर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। यह शिकायत दर्ज की गई।

बस में अचानक भरा धुंआ, सामान लेकर खिड़कियों से कूदे यात्री

जोधपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रोडवेज बस स्टैंड पर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक रोडवेज बस से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते बस के भीतर धुआं भरने लगा, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। अपनी जान बचाने के लिए यात्री घबराकर बस से बाहर निकलने लगे।

बस में शॉर्ट सर्किट होने के कारण धुआं उठा। धुआं फैलते ही बस में बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री दरवाजे की ओर दौड़े, जबकि कुछ यात्रियों ने घबराहट में खिड़कियों से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

सौंफ की फसल के बीच हो रही थी गांजा और अफीम की खेती, 58 क्विंटल से ज्यादा पौधे जब्त

सिरोही, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जिले की रोहिड़ा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 खेतों पर दबिश दी। कार्रवाई में 40.57 क्विंटल अफीम डोडा तथा 18.87 क्विंटल गांजे के हरे पौधे बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थानाधिकारी अमराराम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पानीयाफली क्षेत्र में कोसिया बांध के पास काकरलीफली नाले के आसपास कार्रवाई की। यहां रामा पुत्र नाना गमेती के खेत सहित आसपास के कुल 9 खेतों में करीब 8 बीघा भूमि पर अवैध रूप से अफीम डोडा और गांजे की खेती की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार बरामद अफीम डोडा के हरे पौधों का वजन 40 क्विंटल 57 किलोग्राम तथा गांजे के हरे पौधों का वजन 18 क्विंटल 87 किलोग्राम पाया गया। कुल मिलाकर 58 क्विंटल 87 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया।

पुलिस ने बताया कि काकरलीफली में कोसिया बांध की तलहटी में चारों ओर पहाड़ियों से घिरे दुर्गम क्षेत्र में नाले के किनारे सौंफ की फसल के बीच अफीम डोडा और गांजे की खेती की गई थी। क्षेत्र में न तो बिजली की सुविधा थी और न ही मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध था।

पूर्व राजघराने में आखिरकार पिता-पुत्र में हो गई सुलह!

भरतपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के पूर्व राजघराने से सुखद खबर आई है। आखिर पिता-पुत्र में सुलहनामा हो गया है। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह व उनके पुत्र अनिरूद्ध सिंह के बीच सुलह हो गई है। विश्वेंद्र सिंह व पुत्र अनिरूद्ध सिंह की मंगलवार को जवाहर रिसोर्ट में मुलाकात हुई। खुद विश्वेंद्र सिंह ने बेटे के साथ एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। सोशल मीडिया पोस्ट पर विश्वेंद्र सिंह ने लिखा है कि आज जवाहर रिजॉर्ट में बहुत दिनों बाद मेरे बेटे युवराज अनिरूद्ध सिंह से सुखद मुलाकात हुई। यह भी सामने आया है कि हमेशा कुछ ना कुछ पोस्ट कर

सुर्खियों में रहने वाले अनिरूद्ध भरतपुर अब शांत नजर आ रहे थे। साथ ही विश्वेंद्र सिंह हाल में ही मोती महल में स्थापित एक तोप के साथ फोटो भी पोस्ट कर चुके थे।

किसी में हिम्मत है तो रोक के दिखा देना मुझे

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने 29 जनवरी को पोस्ट किया था कि भरतपुर के पूर्व राजपरिवार में पिछले पांच साल से चला आ रहा पारिवारिक विवाद सुलझने के कगार पर था कि मेरी पत्नी व बेटे ने भरतपुर का रियासतकालीन झंडा अभी तक नहीं लगाने दिया, जिसकी वजह से ये विवाद फिर से उलझ गया है। या तो मेरी पत्नी व बेटा भरतपुर रियासत के झंडे को फिर से लगा दें नहीं तो मैं स्वयं 13 फरवरी को महाराजा सूरजमलजी के जन्मदिवस के अवसर पर खुद मोती महल जाके रियासतकालीन झंडा लगाऊंगा। हालांकि रियासतकालीन झंडे की रस्सी व तार काट दिया गया है, मैं तब भी झंडे को फहरा के आऊंगा। किसी में हिम्मत है तो रोक के दिखा देना मुझे।

कल से दो दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट आयोजित

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ़ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट 12 और 13 फरवरी को थुमकुंटा, शमीरपेट में अपने कैंपस में ऑक्टेव 2026, सालाना इंटर कॉलेज मैनेजमेंट फेस्ट ऑर्गनाइज़ करने वाला है।

"इनोवेट, इंटीग्रेट और इंस्पायर" थीम पर आधारित ऑक्टेव 2026 का मकसद स्टूडेंट्स को अपना टैलेंट, क्रिएटिविटी और लीडरशिप स्किल दिखाने के लिए एक डायनामिक प्लेटफॉर्म देना है। यह फेस्ट कल्चरल, लिटरेरी और मैनेजमेंट-ओरिएंटेड इवेंट्स के मिक्स के ज़रिए इनोवेशन, कोलेबोरेशन और होलिस्टिक डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ऑक्टेव 2026 में कई तरह के कॉम्पिटिशन, परफॉर्मेंस और दिलचस्प एक्टिविटीज़ होंगी, जो अलग-अलग इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंट्स को पार्टिसिपेशन के लिए बढ़ावा देंगी। यह इवेंट एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और टीमवर्क पर ज़ोर देता है, साथ ही हेल्दी इंटर-कॉलेज इंटरैक्शन को भी बढ़ावा देता है। इस फेस्ट में अपोलो हेल्थ एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के हेड – लर्निंग एंड ऑर्गनाइज़ेशनल डेवलपमेंट, डॉ. एल्टन रॉन नाथन और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के डिप्टी जनरल मैनेजर और रीजनल हेड, मिस्टर सनील कुमार बी शामिल होंगे।

इवेंट के बारे में डायरेक्टर डॉ. जयश्री वेलुथक्कल ने कहा इस प्लेटफॉर्म के ज़रिए, हमारा मकसद युवाओं को नॉलेज को प्रैक्टिस के साथ जोड़ने और असली दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए कॉन्फिडेंट प्रोफेशनल के तौर पर उभरने के लिए प्रेरित करना है।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. सीएओ/सीओएन/आरएसपी/ एससी/01/2026- कैपिटल (कार्य) दि.6-2-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.26-02-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, ई-टेंडर नं.- निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-001, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-एमयूइ सेक्शनः मेडचल तथा गुंडलापोचमपल्ली स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 599/02-04 पर एलसी नं.246ए के स्थान पर 4 लेन आरओबी का निर्माण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.65,83,09,867.10, पूर्व धरोहर राशि-पूधराः 34,41,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः (महिनो में) 18, डिफेक्ट लायबिलिटी अवधि (महिनो में) 48, मानक अर्हता मानदंड से जुडे तत्समान माने जानेवाले कार्यः कोई भी रेलवे/मेट्रो/स्टील कम्पोजिट युक्त रोड ब्रिज कार्य/बोस्ट्रींग गिर्डर तथा /या सुपर स्ट्रक्चर में पीएससी गिर्डर कार्य।

क्रम सं.-02, ई-टेंडर नं.- निर्माण-सीएओ-आरएसपी-26-002, कार्य विवरणः जीएनटी डिवीजनः जीएनटी-केसीसी सेक्शनः नाम्बूर तथा मंगलगिरि स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 19/7-9 पर एलसी नं.14 के स्थान पर 4 लेन आरओबी का निर्माण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः रु.90,57,86,152.50, पूर्व धरोहर राशि-पूधराः 46,78,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः (महिनो में) 18, डिफेक्ट लायबिलिटी अवधि (महिनो में) 48, मानक अर्हता मानदंड से जुडे तत्समान माने जानेवाले कार्यः कोई भी रेलवे/मेट्रो/स्टील कम्पोजिट युक्त रोड ब्रिज कार्य/बोस्ट्रींग गिर्डर तथा /या सुपर स्ट्रक्चर में जुडा पीएससी गिर्डर कार्य।

- निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।
- आईआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण दिया गया है, जिसे डाउनलोड कर सकते है, जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देख सकते है, उपरोक्त वेबसाइट द्वारा तत्संबंधित में भाग ले सकते हैं।

-उप मुख्य अभियंता/निर्माण/ आरएसपी/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.जीइएम/2026/ बी/7197249

अधोहस्ताक्षरी द्वारा ठेकेदारों से निम्न कार्यों हेतु दि.2-3-2026 के 10.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, टेंडर टाइटलः जीएनटी डिवीजनः दो वर्ष की अवधि हेतु टीआरडी डिपो एनएलपीडी व वीकेएन टीआरडी डिपो से नियमित रखरखाव तथा टीआरडी एसेट्स की ब्रेकडाउन एटेंशन हेतु कम से कम 19एलX7डब्ल्यूX7एच फीट कैरियर डायमेंशंस या आयाम सहित न्यूनतम कैरियर क्षमता 6.0 टन से जुडे 2 संख्यक हेवी ड्यूटी लारियों को भाडे पर लेना। निविदा संदर्भ सं. जीइएम/2026/बी/7197249 दि.5-2-2026 अनुमानित मूल्य रु.49,74,068.16, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.99,500.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु.शून्य

- ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 2-3-2026 के 10.00 बजे तक यदि तदनंतर निविदा खोलने की तय तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

किसी भी विस्तृत विवरण हेतु **वेबसाइटः www.GeM.gov.in दि.6-2-2026 के** 10.00 बजे से 2-3-2026 तक लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, गुंटूर

निविदा सूचना संख्या- एम 247- सीबीसी-04-दि.7-2-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगान वर्कशाप, गंटूपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या- एम 247-सीबीसी-04-दि.7-2-26, कार्य विवरणः वैगान वर्कशाप, रायनापाडू परिसरों पर सीबीसी ड्रापिंग तथा सीबीसी सेक्शन में काम्पोनेन्ट्स का परिवहन या ट्रासंपोर्टेशन। मात्राः निविदा दस्तावेज के विवरितानुसार कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.1,34,34,321.56 (रु. एक करोड चौंतीस लाख चौंतीस हजार तीनसौ इक्कीस व छप्पन पैसे मात्र), बोली सुरक्षा/जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि रु.2,17,200.00 (रु. दो लाख सत्रह हजार व दो सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.मुफ्त, आफर वैधः खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः आइआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 5-3-2026 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्रः वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in देखें। पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुंटूपल्ली-521241, आंध्र प्रदेश

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, डब्ल्यूडब्ल्यूएस, गुंटूपल्ली

ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/ वर्क्स/ बीजेडए /05/2026 दि.6-2-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, निविदा संख्याःई-02-उत्तर-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः बीजेडए-बीएसकेपी सेक्शनः [illegible] निविदा मूल्य रु. 1,12,72,643.00, पूर्व धरोहर राशि रु.2,06,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने (नौ महिने), **बंद करने की तिथिः 4-3-2026**

क्रम सं.02, निविदा सं.इ-03-उत्तर-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः [illegible] निविदा मूल्य रु.78,95,095, पूर्व धरोहर राशि रु. 4,39,500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (महिने), बंद करने की तिथिः4-3-2026

क्रम सं.03, निविदा सं. ई-04-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः [illegible] निविदा मूल्य रु. 13,00,83,480.00, पूर्व धरोहर राशि रु.8,00,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने (अठारह महिने), बंद करने की तिथिः 5-3-2026

क्रम सं. 04, निविदा सं. ई-05-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/वर्क्स/आरवायपी सेक्शन में सडकों, छतों या रूफ्स, डीवाय. सीएमएम आफिस की मरम्मत तथा सर्विस बिल्डिंग्स की छिटपुट मरम्मत। निविदा मूल्य रु.3,43,44.477.00, पूर्व धरोहर राशि रु.3,21,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने (बारह महिने), बंद करने की तिथिः5-3-2026

- **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** मे प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि दिया गया है।
- भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्र को नोट करने हेतु निविदा बंद होने की तिथि से पहले **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** देखें।
- इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक(कार्य) का कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है तथा साथ ही इस निविदा सूचना को विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-ड्विीजनल आफिसों में भी देखा जा सकता है।
- रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

A2409

निविदा नियम शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

महाप्रबंधक ने दोन–सिकंदराबाद खंड का निरीक्षण किया

स्टेशन पुनर्विकास और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज दोन–सिकंदराबाद रेल खंड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने दोन से सिकंदराबाद तक रियर विंडो निरीक्षण करते हुए इस खंड के प्रमुख रेलवे स्टेशनों का अवलोकन किया और पटरियों, सिग्नलिंग प्रणाली तथा पुलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री श्रीवास्तव ने कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं एवं सर्कुलेटिंग एरिया की समीक्षा की तथा अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत 46.62 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इसके पश्चात महाप्रबंधक ने एसबीबी जोगुलंबा अमृत स्टेशन (6.70 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित) का निरीक्षण किया, जहां यात्री सुविधाओं और सर्कुलेटिंग एरिया का अवलोकन किया गया। उन्होंने गदवाल रेलवे स्टेशन पर 42.82 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री श्रीवास्तव ने कृष्णा ब्रिज पर विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया और वहां कार्यरत ट्रैकमैन से संवाद किया। इसके अलावा उन्होंने अरेपल्ली स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 96-ई का निरीक्षण कर गेटमैन से बातचीत की। महबूबनगर रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं का अवलोकन किया और 39.82 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे अमृत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण स्थल पर सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने रनिंग रूम और क्रू लॉबी का भी निरीक्षण किया, जहां ब्रेथ एनालाइज़र टेस्ट उपकरण की कार्यप्रणाली की जांच की तथा आरएस वाल्व सिम्युलेटर का उद्घाटन किया। इसके बाद श्री श्रीवास्तव ने जेडचेरला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और 36.67 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन पर सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग द्वारा प्रदर्शित सिग्नलिंग उपकरणों का भी अवलोकन किया।

कोसिनी गांव के पास बाघ की मौजूदगी से दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल एवं डिवीजन के कोसिनी गांव के आसपास मंगलवार को एक बाघ को घूमते हुए देखा गया, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार बाघ गांव के बाहरी इलाके में, वन क्षेत्र से सटे सिंचाई टैंक और कृषि खेतों के पास देखा गया। स्थानीय लोगों ने किसानों, चरवाहों और खेतों में काम कर रहे मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए वन अधिकारियों से बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए एहतियाती कदम उठाने की मांग की। वन अधिकारियों ने बताया कि गांव के बाहरी क्षेत्र में बाघ के पदचिह्न मिले हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में कर्मचारी पुरस्कृत

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में मंगलवार को मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ,राजेश पी.खाडे की अध्यक्षता में मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्यालय के सभी विभागों तथा इसके अंतर्गत आने वाले यूनिटों के राजभाषा संपर्क अधिकारी तथा विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवालेकर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य राजभाषा अधिकारी ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निकट भविष्य में महाप्रबंधक कार्यालय का निरीक्षण किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारी काम करें। इस वर्ष इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी। बैठक के आरंभ में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/प्र.का. एम.के.नागराजु ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया कि मुख्यालय के विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके कार्य की सराहना में पुरस्कृत किया जाएगा। डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की और सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने विभागों में राजभाषा मदों का अनुपालन सुनिश्चित करें। इस बैठक के दौरान मुख्यालय के विभिन्न विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

पूर्व तट रेलवे

सांकेतिक सूचना

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में सेवानिवृत रेलवे कर्मचारीयों की पुन:नियुक्ति

विस्तृत अधिसूचना स. WPT/5/Rect/Re-engagement/2025, दिनांक : 03.02.2026, पूर्व तट रेलवे के वेबसाइट के निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है: www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Recruitment.

PR-1100/Q/25-26 — मण्डल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक) / वाल्टियर

असामान्य

भाग-II-धारा 3--उप-धारा (II)

रेल मंत्रालय

(दक्षिण मध्य रेलवे)

प्रारंभिक अधिसूचना

सिकंदराबाद, 5 फरवरी, 2026

एस.ओ. 587(इ)—रेलवे अधिनियम, 1989 (24 वर्ष1989) की धारा 20 ए की उपधारा (1) (इसके पश्चात इसे उक्त अधिनियम कहकर संबोधित किया जायेगा) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, केंद्र सरकार ने जन हित उध्देश्य हेतु संतुष्टि व्यक्त करने के पश्चात भूमि विवरण जिसे निम्न प्रकार अनुसूची में संलग्न व दर्शाया गया है, तत्संबंधित भूमि की विशेष रेल परियोजना, "1X25 केवी से 2X25 केवी तक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य के निष्पादन व एमटी लदान लक्ष्य 3000 एमटी को पूरा करने हेतु" आवश्यकता है एवं उपरोक्त भूमि तेलंगाना राज्य के यादाद्रि भुवनगिरी जिले के गांव व मंडल आलेर पर सिकंदराबाद --काजीपेट सेक्शन स्थित आलेर टीएसएस निर्माण कार्य हेतु तत्संबंधित निर्माण कार्य व लदान लक्ष्य को पूरा करने हेतु उक्त भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता है।

इसके मध्देनजर उपरोक्त भूमि के अधिग्रहण के प्रति यह घोषणा की गयी है कि, कोई भी व्यक्ति उपरोक्त भूमि के प्रति रुचि रखते हैं तो वे आफिशियल गजट की इस प्रारंभिक अधिसूचना की प्रकाशन की तिथि से लेकर तीस (30) दिनों के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20 डी-उप-धारा (1) के अंतर्गत उपरोक्त उध्देश्य हेतु तत्संबंधित भूमि अधिग्रहण के बारे में अपनी अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

इस मामले में जो कोई भी आपत्ति हो, आपत्तिकर्ता द्वारा, अपनी आपत्ति को, सक्षम प्राधिकारी या काम्पीटन्ट एथारिटी (एलए) जैसे, राजस्व विभागीय अधिकारी, भोंगिर के प्रति लिखित रूप में प्रस्तुत करना होगा तथा इसका आधार भी बताना होगा एवम् सक्षम प्राधिकारी, राजस्व विभागीय अधिकारी, भोंगिर द्वारा आपत्तिकर्ता को, व्यक्तिगत रूप में या लीगल प्रैक्टिशनर के माध्यम से अपनी आपत्ति के कथन करने का सुअवसर प्रदान किया जायेगा एवं तत्संबंधित आपत्तियों की सुनवाई तथा संबंधित जांच की कार्रवाई के पश्चात यदि कोई आपत्ति हो तो, यदि आवश्यक होने पर, इस बारे में, सक्षम प्राधिकारी—भूमि अधिग्रहण (सीएलए) या काम्पीटन्ट एथारिटी-लैण्ड एक्वीजिशन (सीएएलए) के आदेश द्वारा तत्संबंधित आपत्तियों की अनुमति दी जा सकेगी या नही दी जा सकेगी।

इस बारे में, उपरोक्त अधिनियम की धारा 20(डी)-उपधारा (II) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी-भूमि अधिग्रहण द्वारा जारी आदेश ही अंतिम माना जायेगा।

इस अधिसूचना के अंतर्गत तत्संबंधित भूमि योजनाएं एवम् अन्य शामिल है तथा जिसे किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा उपरोक्त सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) कार्यालय पर निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

अधिग्रहण से जुडी भूमि का विवरणः- तेलंगाना राज्य के यादाद्रि भुवनगिरी जिले के आलेर गांव व मंडल में सिकंदराबाद—काजीपेट सेक्शन में आलेर टीएसएस का निर्माण कार्य—तत्संबंधित निर्माण कार्य जोकि इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के 1X25 केवी से 2X25 केवी तक ट्रैक्शन सिस्टम की लदान लक्ष्य 3000 एमटी को साधने हेतु तत्संबंधित उन्नयन कार्य।

क्रम संख्या	मण्डल का नाम	गांव का नाम	सर्वे नंबर्स	अस्थायी क्षेत्र (एकड, गुंटाज में)-
1	आलेर	आलेर	23	0.06 ½
2	आलेर	आलेर	24	0.15 ½
3	आलेर	आलेर	27	0.14 ½
4	आलेर	आलेर	28	0.04
5	आलेर	आलेर	29	0.13 ½
6	आलेर	आलेर	30	0.15 ½
7	आलेर	आलेर	31	0.13 ¼
8	आलेर	आलेर	36	0.00 ½
			कुल	2.03 ¼

(एफ नं.डब्ल्यू.निर्माण/182/एसआरपी/टीएसएस/आलेर/20ए)

हस्ता./- मुख्य अभियंता मोतिलाल भूक्या/निर्माण-II

A2437

मुशीराबाद क्षेत्र में 1.83 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास

जीएचएमसी मेयर ने विभिन्न कार्यों का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 1.83 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने मंगलवार को किया।

इस अवसर पर उनके साथ विधायक मुठा गोपाल तथा उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी उपस्थित रहीं। इन विकास कार्यों में मुशीराबाद वार्ड के गंगापुत्र कॉलोनी में 70 लाख रुपये की लागत से कराए जाने वाले विकास कार्य, गांधी नगर स्थित माला बस्ती में 42 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण, कावडीगुडा वार्ड के एडवोकेट कॉलोनी में 30 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण तथा रामगोपालपेट वार्ड के कृष्णानगर कॉलोनी में 41 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि शहर की कॉलोनियों और बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं के विकास पर जीएचएमसी ने पिछले पांच वर्षों में विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिलान्यास किए गए सभी विकास कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि जीएचएमसी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के विस्तार को निगम द्वारा उच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

मेदक में धन व शराब बांटने के आरोप पर कांग्रेस-बीआरएस में झड़प

मेदक, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक नगरपालिका में मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित तौर पर पैसे और शराब बांटने के प्रयास को लेकर सोमवार को तनाव की स्थिति पैदा हो गई। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं को पकड़ने का दावा किया, जिसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद बढ़ गया।

सोमवार रात कांग्रेस विधायक मैनामपल्ली रोहित मेदक नगरपालिका के विभिन्न वार्डों में मतदाताओं से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान बीआरएस नेताओं ने उनकी गाड़ी को रोक दिया। आरोप है कि विधायक और उनके समर्थक मौके से निकलने की कोशिश करने लगे, लेकिन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मल्लिकार्जुन गौड़ के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया। बीआरएस नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गाली-गलौज की, धक्का-मुक्की की और मौके से भाग गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान कथित तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले में एक बीआरएस कार्यकर्ता घायल हो गया। बीआरएस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि नकदी और शराब ले जाते समय वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे एक बीआरएस कार्यकर्ता का मोबाइल फोन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तोड़ दिया। बीआरएस पार्टी ने चुनाव अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है और कथित धन वितरण में शामिल कांग्रेस उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

मिधानि में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद , 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में उद्यम के उत्कृष्टता केन्द्र में सहायक श्रेणी के कर्मचारियों के लिए हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) के एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. विकास कुमार आज़ाद, अनुवादक (हिंदी अनुभाग) के उद्घाटन सत्र में हिंदी टंकण की मौलिक जानकारी देते हुए केंद्रीय सरकार की प्रोत्साहन योजना से कर्मचारियों को अवगत किया। उन्होंने कहा कि हिंदी में काम करना हम सभी का दायित्व है।

उस दायित्व के सुचारू निर्वहन के लिए हिंदी भाषा, टंकण व आशुलिपिक का प्रशिक्षण दिया जाता है। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी को लोकतांत्रिक रूप से लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे कभी किसी पर थोपा नहीं गया है।

राजभाषा विभाग ने सदैव प्रेरणा और प्रोत्साहन से ही हिंदी का प्रचार-प्रसार किया है। हिंदी टंकण प्रशिक्षण की कक्षा में यह भी बताया गया कि लिप्यंतरण के माध्यम से हिंदी टंकण किया जा सकता है, जिससे कि राजभाषा का सुचारु ढंग से कार्यान्वयन किया जा सकता है और कर्मचारियों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती है।

प्रतिभागियों ने शपथ ली कि कार्यालय का कामकाज हिंदी में करेंगे और अपने साथियों को प्रोत्साहित करेंगे। हिंदी टंकण प्रशिक्षण में हिंदी विभाग की गैर-कार्यपालक (एनयूएस) श्रीमती डी.वी. रत्नाकुमारी, डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा।

नल्लाचेरुवु झील का कायाकल्प अंतिम चरण में

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा कुकटपल्ली स्थित नल्लाचेरुवु झील का विकास कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। परियोजना से जुड़े कुछ अंतिम कार्य शेष हैं और शीघ्र ही इसे आम जनता के लिए खोलने की संभावना है। आधिकारिक उद्घाटन से पहले ही यह झील लोगों के आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। लगभग पाँच किलोमीटर के दायरे से बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक यहाँ पहुँच रहे हैं। लोग झील परिसर में सैर, शटल खेल और अन्य मनोरंजक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं, जिससे यह क्षेत्र एक जीवंत सार्वजनिक स्थल में तब्दील हो गया है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2024 में हाइड्रा ने झील पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ अभियान चलाया था। उस समय एजेंसी को विभिन्न वर्गों से आलोचना का सामना करना पड़ा था। हालांकि, नल्लाचेरुवु झील के स्वच्छ, सुंदर और सुलभ सार्वजनिक स्थल के रूप में बदले स्वरूप को देखकर अब जनता की राय में बड़ा बदलाव आया है। हजारों स्थानीय निवासी हाइड्रा के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं और इसे पर्यावरण संरक्षण तथा शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बता रहे हैं।

ड्राइंग प्रतियोगिता से कैंसर से जूझ रहे बच्चों में खुशी

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ (निम्स) में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कैंसर उपचाररत बच्चों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों का मनोबल बढ़ाना और उनके चेहरों पर खुशी लाना था। कार्यक्रम का आयोजन मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा किया गया और इसमें सुधा रेड्डी, सुधा रेड्डी फाउंडेशन की अध्यक्ष, भी शामिल हुईं। इस पहल का मुख्य फोकस बच्चों की रचनात्मकता और भावनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था, साथ ही उपचार के दौरान उन्हें मानसिक सहयोग प्रदान करना भी था।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार, उपहार और पोषण किट प्रदान किए गए, ताकि उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं का ध्यान रखा जा सके। सुधा रेड्डी ने बताया कि भावनात्मक मजबूती, सामाजिक सहयोग और सही पोषण समग्र कैंसर देखभाल में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। निम्स के निदेशक डॉ. एन. बीरप्पा ने फाउंडेशन के सहयोग की सराहना की, जबकि मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ. सदाशिवुडु गुंडेटी, फैकल्टी सदस्य, रेज़िडेंट डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-WAT-South-03-2026 दिनांक: 02.02.2026

कार्य का नाम : भद्रक-पलासा एवं विजयनगरम-दुव्वाडा सेक्शन में बहत गहन (High Density) रेलवे नेटवर्क पर स्वदेशी ट्रेन टकराव बचाव प्रणाली का प्रावधान। वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ दक्षिण/वाल्टियर सेक्शन के अधीन उत्तर सिह्माचलम, कोत्तवलसा, कंटाकापल्लि एवं अलमंडा स्टेशन पर रिले कक्ष (Relay Room) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,58,40,845.81, EMD : ₹ 2,29,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

(2) सूचना सं.: eT-WAT-South-04-2026 दिनांक: 03.02.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/ वाल्टियर के अधीन WMY में RYD एवं NCC में यार्ड रूपान्तरण के साथ टर्न टेबल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,75,10,258.63, EMD : ₹ 2,37,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 26.02.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1103/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नीदरलैंड ने नामीबिया को 7 विकेट से हराया

बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन बनाए, 2 विकेट भी झटके

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 10वें मैच में नामीबिया पर 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम ने ग्रुप ए के मैच में 157 रन का टारगेट 18 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। पहले बैटिंग करते हुए नामीबिया ने 20 ओवर में 8 विकेट 156 रन बनाए।

नीदरलैंड की ओर से बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन की पारी खेली। जबकि कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स 18 रन पर नाबाद लौटे। कॉलिन एकरमैन ने 32 और माइकल लेविट ने 28 रन बनाए।

नामीबिया की ओर से निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42, जॉन फ्राइलिनक ने 30 और जेजे स्मिट ने 15 बॉल पर 22 रन बनाए। नीदरलैंड के लिए लोगान वैन बीक और बास डी लीडे ने 2-2 विकेट लिए। आर्यन दत्त और फ्रेड क्लासन को 1-1 विकेट मिला। विलेम मायबर्ग और रूबेन ट्रम्पेलमैन रन आउट हुए। मैच का स्कोरकार्ड...

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

नीदरलैंडः माइकल लेविट, मैक्स ओडाउड, बास डी लीडे, कॉलिन एकरमैन, स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान/विकेटकीपर), जैक लायन-कैशेट, लोगान वैन बीक,रूलोफ वैन डेर मरवे, आर्यन दत्त, टिम वान डर गुगटन और फ्रेड क्लासन।

नामीबियाः जॉन फ्राइलिनक,लॉरेन स्टीनकैंप, निकोल लोफ्टी-ईटन, जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जेन ग्रीन (विकेटकीपर), रूबेन ट्रम्पेलमैन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, मैक्स हेंगो, डायलन लीचर और विलेम मायबर्ग।

सचिन ने अंडर-19 कप्तान आयुष को अपनी टेस्ट जर्सी दी

बोले- मेहनत करते रहो, लोगों के बहकावे में मत आओ

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे जिम्बाब्वे से भारत लौटने के बाद सचिन तेंदुलकर से मिले। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। म्हात्रे का पूरा परिवार उनके माता-पिता उन्हें लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

सचिन के घर पहुंचे म्हात्रे

म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे। आयुष म्हात्रे को सचिन तेंदुलकर से एक खास तोहफा मिला। तोहफा में सचिन ने अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की,साथ ही उन्होंने अपने हाथ से लिखा हुआ एक संदेश भी दिया।

''प्रिय आयुष, आपके करियर में अपार सफलता की कामना

करता हूं।''

वीडियो में सचिन ने म्हात्रे से कहा, यह वही जर्सी थी जिसे उन्होंने अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में पहना था। वो आगे कहते है, लगातार मेहनत करते रहो। ध्यान केंद्रित रखो। लोगों के बहकावे में मत आओ। अभ्यास करते रहो। एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। चाहे जो भी हो, ध्यान भटकाने वाली चीजें बहुत होंगी।

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। लिखा, मैं आपको स्क्रीन पर देखते हुए बड़ा हुआ। आज मैं आपके घर पर खड़ा हूं और आपकी यात्रा का एक हिस्सा अपने हाथों में थामे हुए हूं। इस सम्मान के लिए आपका धन्यवाद, सर। मैं इसे उसी आदर और सम्मान के साथ संभालकर रखूंगा, जैसे आपने सालों तक भारतीय क्रिकेट को सम्मान के साथ आगे बढ़ाया।

टीम इंडिया छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी

अंडर-19 क्रिकेट में दुनिया की सबसे सफल टीम भारत फिर से वर्ल्ड चैंपियन बन गई है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में खेला गया अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया रिकॉर्ड छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी।

टूर्नामेंट में म्हात्रे ने शानदार कप्तानी की

टूर्नामेंट में म्हात्रे ने शानदार कप्तानी की, खासकर नॉकआउट मैचों में। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 51 गेंदों में 53 रन बनाए और सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 59 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 7 पारियों में कुल 214 रन बनाए और 30.57 की औसत से भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 439 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने 175 रन की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे।

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को झटका

महिला कोच के यौन उत्पीड़न का मामला ट्रांसफर; पीड़िता से कहा था- मुझे खुश रखो, मैं तुम्हे रखूंगा

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री और हॉकी प्लेयर रह चुके संदीप सिंह से जुड़े छेड़छाड़ और रेप के प्रयास करने के मामले में बड़ा अपडेट आया है। पीड़ित जूनियर महिला कोच की याचिका पर चंडीगढ़ जिला एवं सत्र न्यायाधीश एचएस ग्रेवाल ने इस मामले को किसी अन्य न्यायाधीश को ट्रांसफर करने के आवेदन को स्वीकार कर लिया।

पीड़िता ने आरोप लगाया था कि न्यायाधीश उसके प्रति पक्षपाती थे। अपनी याचिका में पीड़िता ने कहा था कि जज ने उसे केस की फाइल देखने नहीं दी। उसे सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दिए गए अपने बयान की कॉपी या जानकारी नहीं दी गई। इसके अलावा जज खुद इस केस की सुनवाई कर रहे थे, जबकि वे खुद एक गवाह की सूची में शामिल थे। ऐसे में मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है।

बता दें कि 26 दिसंबर 2022 को जूनियर महिला कोच ने संदीप सिंह के खिलाफ यौन-उत्पीड़न सहित अन्य आरोप के तहत चंडीगढ़ पुलिस में शिकायत दी थी। जांच के बाद 31 दिसंबर की रात 11 बजे सेक्टर-26 थाने में संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 342, 354, 354ए, 354बी, 506 के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया था।

इसमें छेड़छाड़, गलत तरीके से कैद करने, आपराधिक धमकी देने और किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्द, हावभाव या कृत्य का इस्तेमाल करने के आरोप थे। पीड़िता की ओर से दी गई शिकायत में बताया था कि मंत्री ने उसे कहा था कि तुम मुझे खुश रखों, मैं तुम्हे खुख रखूंगा। बात न मानने पर ट्रांसफर करा दिया था। हालांकि, संदीप सिंह ने इस आरोपों को पूरी तरह नकार दिया था।

जूनियर महिला कोच के संदीप पर 3 गंभीर आरोप...

1. मंत्री ने स्नैपचैट व इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजे

जूनियर महिला कोच ने आरोप लगाया था कि 2016 रियो

ओलिंपिक में हिस्सा लेने के बाद वह खेल विभाग में जूनियर कोच के तौर पर भर्ती हुई थी। इसके बाद खेल मंत्री संदीप सिंह ने इंस्टाग्राम और स्नैपचैट पर उसको मैसेज भेजे। फिर मुझे चंडीगढ सेक्टर 7 लेक साइड मिलने के लिए बुलाया। मैं नहीं गई तो वे मुझे इंस्टाग्राम पर ब्लॉक और अनब्लॉक करते रहे। महिला कोच के आरोपों के मुताबिक 1 जुलाई को मंत्री ने उसे स्नैपचैट कॉल किया। जिसमें डॉक्यूमेंट्स वैरिफिकेशन के लिए मुझे सेक्टर 7, चंडीगढ़ में अपने आवास पर आने के लिए कहा।

2. मंत्री ने कहा- तुम मुझे खुश रखो, मैं तुम्हें खुश रखूंगा

जूनियर महिला कोच ने कहा कि इसके बाद वह मंत्री के सरकारी घर पर पहुंची। वहां वे कैमरे वाले ऑफिस में नहीं बैठना चाहते थे। वह मुझे अलग केबिन में लेकर गए। वहां मेरे पैर पर हाथ रखा। मंत्री ने कहा कि तुम मुझे खुश रखो, मैं तुम्हें खुश रखूंगा। मेरी बात मानने पर आपको सभी सुविधाएं और मनचाही जगह पोस्टिंग मिलेगी।

महिला कोच ने संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि शाम करीब 6.50 बजे मंत्री संदीप सिंह ने उससे छेड़छाड़ की। इस दौरान महिला कोच की टी-शर्ट फट गई। किसी तरह वह उनके चंगुल से छूटकर बाहर आ गई।

3. बात नहीं मानी तो ट्रांसफर कर दिया

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब मैंने मंत्री की बात नहीं मानी तो मेरा ट्रांसफर कर दिया गया। मेरी ट्रेनिंग तक रोक दी गई। मैंने घटना की शिकायत के लिए डीजीपी कार्यालय, सीएम हाउस और तत्कालीन गृह मंत्री अनिल विज समेत हर स्तर पर प्रयास किया, लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई।

पीड़िता ने रेप की कोशिश के भी लगाए थे आरोप

इसके बाद महिला कोच ने दावा किया था कि संदीप सिंह ने उसे डॉक्यूमेंट चेक करने के लिए चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास बुलाकर रेप करने की कोशिश की थी। वह उनके घर पहुंची और स्टाफ से वॉशरूम पूछा।

स्टाफ ने उसे बैडरुम के वॉशरूम में भेज दिया। जब वह बाहर आई तो मंत्री उसके सामने खड़ा हुआ था। उसने अचानक मेरा हाथ पकड़ कर सामने पड़े बेड पर पुश कर दिया। इसके बाद मैं बेड पर गिर गई और वह भी इस दौरान बेड पर आ गया। कोच ने दावा किया कि उसने उसकी टी-शर्ट पकड़कर ऊपर करने की कोशिश की। इसके बाद मेरे नजदीक आने और मुझे किस करने की कोशिश की। उसने यह भी दावा किया था कि उसके द्वारा मंत्री से छोड़ने की काफी रिक्वेस्ट की गई, लेकिन मंत्री उसे जबरन बाथरुम में लेकर गया, जहां उसने अपना लोअर भी उतार दिया। साथ ही मुझे काफी फोर्स से अपनी ओर खींचा।

इस दौरान मंत्री ने बाथरुम की कुंडी भी लगा दी। जब मैंने इसका विरोध किया गया तो वह मेरे साथ जबरदस्ती करने की कोशिश करने लगा। जब मंत्री नहीं माना तो मैंने उनको थप्पड़ मार दिया। इसके बाद मंत्री ने भी मुझे भी थप्पड़ मारा। इस पर मैं रोने लगी। तब मंत्री कहने लगा कि स्पोर्ट्स वाली लड़कियां वर्जिन नहीं होती हैं।

मंत्री संदीप ने कहा था- आरोप गलत, ट्रांसफर किया तो साजिश

खेल मंत्री रहते संदीप ने इन सब आरोपों को खारिज कर दिया था। उनका कहना था कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है, जिसमें उन्हें फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला कोच पंचकूला में रहने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है। उन्होंने महिला कोच का ट्रांसफर झज्जर कर दिया और वह पंचकूला रहना चाहती थी, इसलिए ऐसे आरोप लगा रही है।

डी कॉक ने धोनी की बराबरी की

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा डिसमिसल किए

अहमदाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के बीच खेले गए मैच में अनुभवी दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने एक बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक ने दोनों ओपनर्स को कैच आउट किया, जिसके साथ ही टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने के मामले में उन्होंने महान एम एस धोनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब टी20 विश्व कप में धोनी और क्विंटन दोनों 32-32 डिसमिसल के साथ बराबरी पर हैं। यानी अब क्विंटन डी कॉक जैसे ही अगले मैच में पहला शिकार करेंगे, वो धोनी के वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर टी20 वर्ल्ड इतिहास के सबसे सफल विकेटकीपर बन जाएंगे।

वैभव जैसा खिलाड़ी कभी नहीं देखा : जोस बटलर

उनकी काबिलियत बेमिसाल, अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 175 रन की पारी खेली थी

खेल डेस्क, 0 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने 14 साल के भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। बटलर ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में इससे बेहतर खिलाड़ी नहीं देखा, खासकर इतनी कम उम्र में।

बटलर ने यह बात लव फॉर क्रिकेट पॉडकास्ट में कही। उन्होंने कहा- 14 साल की उम्र में जिस तरह वैभव बल्लेबाजी कर रहा है, वह हैरान करने वाला है। अगर वह अभी ऐसा खेल रहे हैं, तो 16, 18 या 20 साल की उम्र में कितना आगे जाएंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है।

पॉडकास्ट में मौजूद तेज गेंदबाज मार्क वुड ने बटलर से कहा कि यह बहुत बड़ा बयान है और पूछा कि क्या वैभव आगे चलकर सुपरस्टार बनेगा या रास्ते में भटक भी सकता है। इस पर बटलर ने कहा कि वैभव की प्रतिभा पर शक करना मुश्किल है। 14 साल की उम्र में ऐसा प्रदर्शन अपने आप में बड़ी बात है।

बटलर ने यह भी कहा कि अगर वैभव ने सिर्फ अंडर-19 क्रिकेट में ही रन बनाए होते, तो लोग सीनियर क्रिकेट का इंतजार करते। लेकिन वे IPL में भी शतक लगा चुके हैं और पहली ही गेंद पर छक्का मार चुके हैं, यह उसकी काबिलियत दिखाती है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंदों पर 175 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने15 चौके और 15 छक्के लगाए। भारत ने 411 रन बनाए और 100 रन से मैच जीतकर छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया।

टूर्नामेंट में 439 रन बनाने वाले वैभव को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। फाइनल में 15 छक्के लगाकर उसने अंडर-19 वर्ल्ड कप की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

2025 का साल वैभव के लिए रिकॉर्ड भरा रहा। वे आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। वैभव ने टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाया और अंडर-19 वनडे, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसी प्रदर्शन के चलते उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

पाकिस्तान को आईसीसी का 'तमाचा'

भारत से ट्राई सीरीज समेत तीनों मांग ठुकराई

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच का मुद्द अब नया रुख ले रहा है, आईसीसी ने पाकिस्तान की 3 बड़ी मांगें ठुकरा दी हैं. आईसीसी ने भारत-पाकिस्तान सीरीज, ट्राई सीरीज खेलना और टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे की मांग नहीं मानी है. दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बीच हुई बैठक के बाद यह मामला अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तक पहुंच गया है, जहां से आखिरी मंजूरी का इंतजार है. बता दें, रविवार को लाहौर में आईसीसी, पीसीबी और बीसीबी की बैठक हुई थी. बैठक में पीसीबी ने अपनी स्थिति पर फिर से विचार करने के संकेत दिए हैं. अब पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात करने वाले हैं, जहां इस मुद्दे पर आखिरी फैसला होने की संभावना है. हालांकि, इन सब के बीच पाकिस्तान और बांग्लादेश ने आईसीसी के सामने एक बड़ी मांग भी रखी है. आईसीसी ने मेंबर पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट और दिसंबर 2024 में हुए हाइब्रिड होस्टिंग समझौते का हवाला देते हुए पाकिस्तान से मैच खेलने की उम्मीद जताई है. हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस मैच के बदले आईसीसी के सामने कुछ मांग भी रखी हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि बांग्लादेश के लिए भी भारत के साथ बाइलेटरल सीरीज की बहाली चाहता है. इसके अलावा, पीसीबी और बीसीबी ने भारत और अपने बीच ट्राई सीरीज की मांग की है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कितनी मांगें मानी गईं, यह साफ नहीं है, लेकिन आईसीसी भारत को शामिल करने वाली बाइलेटरल और ट्राई सीरीज की गारंटी नहीं दे सकती. यह अधिकार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास है, जो भारत सरकार के अधीन कार्य करती है.

भारतीय खिलाड़ियों को बीसीसीआई ने पत्नियों के साथ रहने से रोका

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने अपनी नीतियों पर कायम रहते हुए T20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय खिलाड़ियों को पत्नियों, मंगेतर या फिर परिवार के किसी भी सदस्य के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम मैनेजमेंट ने खिलाड़ियों के परिवारों को शामिल करने को लेकर बीसीसीआई से परमिशन मांगी थी, जिसे बोर्ड ने साफ इनकार कर दिया. बीसीसीआई 45 दिन से ज्यादा के दौरे पर खिलाड़ियों को अपने परिवारों के साथ ज्यादा से ज्यादा 14 दिन तक रहने की अनुमति देता है.

पत्नियों के साथ रहने की इजाजत नहीं

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई के एक सूत्र ने पुष्टि करते हुए कहा कि इंडियन टीम मैनेजमेंट की ओर से सवाल किया गया था कि क्या खिलाड़ियों की पत्नियां और मंगेतर टीम के साथ ट्रेवल कर सकती हैं? क्या वे उनके साथ रह सकती हैं? इस पर बोर्ड ने कहा कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे.

हालांकि, अगर वो चाहें तो अलग से व्यवस्था कर सकते हैं.

BCCI अपनी नीतियों पर कायम

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया ग्रुप स्टेज के 3 मुकाबले घर में खेलने वाली है जबकि एक मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा. इससे पहले खेली कई बाइलेट्रल सीरीज के दौरान भी खिलाड़ियों के परिवार को टीम के साथ रहने की इजाजत नहीं थी. बीसीसीआई ने उसी नीति को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी बरकरार रखा है.

टी20 वर्ल्ड कप की हर ख़बर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

हालांकि, इसमें कुछ भी नया नहीं है. साल 2025 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद बीसीसीआई ने इसे लेकर दिशानिर्देशों की एक लंबी लिस्ट जारी की थी. कोरोना के बाद खिलाड़ियों को पूरे दौरे के दौरान अपने परिवारों को साथ रखने की इजाजत मिली थी. लेकिन, तब कुछ खिलाड़ियों ने उसका दुरुपयोग करना शुरू कर दिया. टीम से जुड़े लोगों ने बीसीसीआई को निजी तौर पर शिकायत की कि पत्नियों के साथ रहने से कुछ खिलाड़ी अनौपचारिक टीम बैठकों में हिस्सा नहीं लेते. नतीजा ये हुआ कि बोर्ड ने फिर से पुरानी नीति की तरफ लौटने का फैसला किया.

न्यूजीलैंड की लगातार दूसरी जीत, यूएई 10 विकेट से हारी

चेन्नई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हासिल की है। कीवियों ने मंगवार के दूसरे मैच में UAE को 10 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक मैदान पर न्यूजीलैंड ने 174 रन का टारगेट 15.2 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर लिया।

ओपनर टिम सइफर्ट (89* रन) और फिन एलन (84* रन) ने फिफ्टी लगाई। दोनों ने 175 रन ओपनिंग साझेदारी की। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के ओपनर्स की सबसे बड़ी साझेदारी है। यूएई ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। कप्तान मुहम्मद वसीम ने 66 रन बनाए। अलीशान शराफू ने 55 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने 2 विकेट झटके। जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स को एक-एक विकेट मिला।

यूएई की ओर से दो फिफ्टी

ग्रुप-डी के टॉप पर आया न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड की टीम लगातार दूसरी जीत से ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के पास 4 अंक हैं। टीम को कनाडा और साउथ अफ्रीका के साथ भी खेलना है। इस ग्रुप में साउथ अफ्रीका दूसरे स्थान के साथ दूसरे स्थान पर है।

'पाकिस्तान का तैयार होना', भारत बनाम पाक मैच पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने खुशी जताई

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बायकॉट का विवाद खत्म हो गया है. आईसीसी की हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ मीटिंग हुई. इसके बाद ऐलान हुआ कि भारत और पाकिस्तान 15 फरवरी 2026 को कोलंबो में मैच खेलेगी. दरअसल, कुछ दिनों पहले पाकिस्तान सरकार ने भारत के खिलाफ मैच बायकॉट करने की बात की थी और इसके बाद विवाद

शुरू हुआ था. अब पाकिस्तान ने सरेंडर कर दिया है और इसी पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष की भी प्रतिक्रिया सामने आई है.

भारत और पाकिस्तान मैच को हरी झंडी मिलने के बाद बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने खुशी जताई. उन्होंने कहा कि यह आईसीसी, पीसीबी और बीसीबी तीनों की जीत है. उन्होंने कहा, 'मैं आईसीसी द्वारा उठाए गए कदम के बाद आए नतीजे से खुश हूं. आईसीसी चेयरमैन के प्रतिनिधि पीसीबी और बीसीबी से बात करने के लिए लाहौर गए थे. आईसीसी की तारीफ बनती है, क्योंकि उन्होंने पहला कदम उठाया और समस्या का हल निकालते हुए क्रिकेट को प्राथमिकता दी. आईसीसी के लिए ये बड़ी उपलब्धि है.'

राजीव शुक्ला ने आगे कहा, मैं आईसीसी को धन्यवाद कहना चाहूंगा कि वो पाकिस्तान को वापस लेकर आए, जिसके बाद फैसला हुआ कि वो कोलंबो में मैच खेलेंगे. यह हम सभी के लिए अच्छी खबर है. अब यह वर्ल्ड कप सफल हो सकता है. बांग्लादेश की भावनाओं को भी इस बातचीत के दौरान ध्यान में रखा गया है.

चुनाव अधिकारियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने का निर्देश

कलेक्टर व चुनाव पर्यवेक्षक ने वितरण केन्द्र का निरीक्षण किया

आज मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में 11 फरवरी बुधवार, को होने वाले नगर निकाय चुनावों के मद्देनज़र सभी चुनाव अधिकारियों को अत्यंत सतर्कता के साथ ड्यूटी निभानी चाहिए और किसी भी प्रकार की छोटी-सी भी चूक न हो, ऐसा निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी तथा चुनाव सामान्य पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने दिया। मंगलवार को चुनाव सामान्य पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के साथ मिलकर इब्राहिमपट्टनम नगर पालिका से संबंधित इंदु इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थापित मतदान सामग्री वितरण केन्द्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदान अधिकारियों को दिए जा रहे चुनाव सामग्री वितरण प्रक्रिया की समीक्षा की। इस अवसर पर सामान्य पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने कहा कि मतदान ड्यूटी पर तैनात प्रत्येक अधिकारी को चेकलिस्ट के अनुसार चुनाव सामग्री की पूरी तरह जांच करने के बाद ही वितरण केन्द्र से रवाना होना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा तथा निर्धारित समय से पहले मतदान केंद्र में प्रवेश कर चुके मतदाताओं को 5 बजे के बाद भी मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए आवश्यक सामग्री को अलग-अलग तैयार रखा जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव सामग्री वितरण व्यवस्था की जानकारी ली और निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की कमी या अव्यवस्था न हो। चेकलिस्ट के आधार पर यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध है या नहीं। उन्होंने मतदान कर्मियों को ले जाने के लिए तैयार वाहनों का निरीक्षण किया और समय पर कर्मचारियों को उनके निर्धारित मतदान केंद्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी को समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए। कहीं भी पुनर्मतदान की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान के दौरान मतदाताओं की गोपनीयता बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैलेट पेपर, मतदान पेटियों और अन्य चुनाव सामग्री का निरीक्षण करते हुए बैलेट पेपर को सावधानीपूर्वक जांच कर पैक करने के निर्देश दिए। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच बैलेट बॉक्सों को स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद शेरिगुड़ा स्थित मंडल परिषद एवं जिला परिषद विद्यालय में बने मतदान केंद्रों तथा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। महेश्वरम डीसीपी ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस बंदोबस्त की व्यवस्था की गई है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। इस दौरान इब्राहिमपट्टनम आरडीओ अनंत रेड्डी, इब्राहिमपट्टनम नगर आयुक्त, संबंधित अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तेलंगाना में अब भी हो रही है फोन टैपिंग: पोंगुलेटी

मंत्री के बयान से मची सनसनी

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को फोन टैपिंग मामले को लेकर सनसनीखेज बयान दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में फोन टैपिंग सिर्फ पहले ही नहीं, बल्कि अब भी जारी है और सरकार इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। खम्मम के एक कन्वेंशन हॉल में आयोजित एक प्रेस वार्ता में मंत्री ने बताया कि जिन स्थानों पर टैपिंग उपकरण लगाए गए हैं, उनकी पहचान के लिए जांच पहले से ही जारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि हम लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कई लोग फोन टैपिंग को लेकर चिंता जता रहे हैं और यह वास्तव में हो रहा है। अनियमितताएँ अब भी जारी हैं। राज्य सरकार इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है, जिसमें इसके पीछे के मास्टरमाइंड और उपकरणों की स्थापना स्थलों की पहचान की जा रही है। सच्चाई सामने लाई जाएगी और कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में कांग्रेस सरकार ने अपने सभी वादों को निभाया है और जनता के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा है।

बीएन रेड्डी नगर में मोबाइल फोन छीनकर फरार

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के बीएन रेड्डी नगर के विनायका हिल्स इलाके में मोबाइल फोन छीनने की घटना सामने आई। यह घटना रात करीब 1.30 बजे उस समय हुई, जब एक युवक अपने घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी कर रहा था। जानकारी के अनुसार, दो अज्ञात व्यक्ति बाइक पर सवार होकर वहां पहुंचे और पीड़ित के पास रुक गए। बाइक पर पीछे बैठे व्यक्ति ने अचानक युवक के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और दोनों मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे भागने में सफल रहे। मोबाइल स्नैचिंग की यह पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान व तलाश की जा रही है।

शादी समारोह के दौरान रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में डूबा 10 वर्षीय बच्चा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम मोइनाबाद के अजीजनगर स्थित एक रिसॉर्ट में शादी के संगीत समारोह के दौरान 10 वर्षीय बच्चे की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई, जिससे पारिवारिक उत्सव दुखद घटना में बदल गया। मृतक की पहचान सूर्य प्रकाश सिंह के रूप में हुई है, जो बागलिंगमपल्ली निवासी एक परिवार के साथ समारोह में शामिल होने आया था।

जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान सूर्य प्रकाश सिंह अन्य बच्चों के साथ स्विमिंग पूल में उतरा था। खेलते समय वह कथित तौर पर गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे अमदापुर चौराहे के पास स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मोइनाबाद पुलिस रिसॉर्ट पहुंची, लेकिन तब तक आयोजक और परिवार के सदस्य वहां से जा चुके थे। बताया जा रहा है कि अब तक परिवार या रिसॉर्ट प्रबंधन की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इस बीच, घटना के तुरंत बाद रिसॉर्ट प्रबंधन ने कथित तौर पर मुख्य द्वार बंद कर दिए और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

तेलंगाना सरकार 642 किमी सड़कों का प्रस्ताव भेजेगी : सीएस

तीन चरणों में स्वीकृत सड़कों और पुलों के निर्माण पूरे होंगे

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में सड़क संपर्क से वंचित 227 बसावटों में 642 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है।

यह कार्य प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के चौथे चरण के अंतर्गत किया जाएगा। मंगलवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें पीएमजीएसवाई के चौथे चरण से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने की। उनके साथ विशेष मुख्य सचिव विकास राज, प्रधान सचिव एन. श्रीधर तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने बताया कि पीएमजीएसवाई के पहले तीन चरणों में स्वीकृत सड़कों और पुलों के निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब चौथे चरण के तहत तेलंगाना में सड़क सुविधा से वंचित 227 बसावटों में कुल 642.23 किलोमीटर सड़कों के विकास हेतु प्रस्ताव भेजना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रस्तावित कार्यों में से 34 परियोजनाओं के अंतर्गत 148 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए वन विभाग की अनुमति आवश्यक है। इस पर प्रधान सचिव श्रीधर ने जानकारी दी कि इन मार्गों पर प्रस्तावित पुलों के निर्माण से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) एक सप्ताह के भीतर तैयार कर ली जाएगी।

सास से दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप, दामाद हिरासत में

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकुर्नूल जिले में एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर अपनी सास के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना 8 फरवरी की रात कालवाकुर्थी मंडल में हुई, जब 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला घर पर अकेली थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब 40 वर्षीय मजदूर है और शराब का आदी बताया जा रहा है। पीड़िता की बेटी और आरोपी की पत्नी द्वारा दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने नशे की हालत में अपनी सास के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी द्वारा बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट किए जाने की आशंका है, जिससे उसकी मौत हुई। हालांकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। मामले की गहन जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर कलवाकुर्थी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

एफएसएल आग मामले की जांच के लिए केंद्रीय विशेषज्ञ हैदराबाद पहुंचे

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में आग लगने की घटना की जांच के लिए केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और नागपुर स्थित राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा इंजीनियरिंग संस्थान के विशेषज्ञ हैदराबाद पहुंच गए हैं। ये विशेषज्ञ स्थानीय एफएसएल टीम के साथ मिलकर आग लगने के कारणों की जांच करेंगे।

तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को बताया कि विशेषज्ञों द्वारा घटनास्थल का मुआयना किया जा रहा है और कुछ दिनों में आग लगने के सटीक कारणों का पता चल जाएगा। उन्होंने आग के दौरान महत्वपूर्ण डेटा के नुकसान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के दावे गलत हैं और किसी भी मामले से संबंधित डेटा को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। डीजीपी ने 'वोट के लिए नोट' मामले का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि इस केस से जुड़े सभी दस्तावेज वर्ष 2021 में ही अदालत को सौंप दिए गए थे और एफएसएल में इस मामले से संबंधित कोई सामग्री मौजूद नहीं थी। उन्होंने यह भी बताया कि फोन टैपिंग मामले से जुड़ी रिपोर्टें अग्रेषण प्राधिकरण को भेज दी गई हैं तथा विशेषज्ञ एफएसएल के सर्वरों से डेटा प्राप्त करने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं।

शहरी स्थानीय निकाय प्रगति की कुंजी : उत्तम

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बढ़ते शहरीकरण के मद्देनज़र शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर जोर देते हुए सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि शहरी निकायों की सामुदायिक आवश्यकताएँ सरकार की प्राथमिकता में रहेंगी।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की कुल जनसंख्या लगभग 3.50 करोड़ है, जिसमें शहरी आबादी करीब 1.36 करोड़ है, जबकि ग्रामीण आबादी 61.12 प्रतिशत है। हालिया अनुमानों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में तेज़ी से वृद्धि जारी है और ये राज्य के जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि शहरी स्थानीय निकायों की बुनियादी सामुदायिक ज़रूरतें सरकार की प्राथमिकता होंगी।उन्होंने भरोसा दिलाया कि जलापूर्ति सहित बेहतर नागरिक सुविधाएँ सरकार की प्राथमिक सूची में रहेंगी और शहरी बुनियादी ढांचे के लिए बड़े पैमाने पर धन आवंटन किया जाएगा।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकराया

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान जयपुर से हैदराबाद आ रहे एक यात्री विमान से कथित तौर पर एक पक्षी टकरा गया। यह घटना उस समय हुई, जब इंडिगो की फ्लाइट 6E 752 रनवे की ओर बढ़ रही थी। पक्षी से टक्कर होते ही पायलट सतर्क हो गया और उसने विमान को सुरक्षित रूप से उतार लिया। घटना की सूचना तत्काल एयरपोर्ट ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारियों को दी गई। मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत हवाई अड्डा प्रशासन और तकनीकी टीमों ने विमान का गहन निरीक्षण किया। घटना में किसी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उड़ान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, हवाई अड्डे के अधिकारियों की ओर से अभी तक घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

मदीनागुडा स्थित स्कूल के तहखाने में आग, दहशत

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मियापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मदीनागुडा स्थित नारायण स्कूल के तहखाने में आग लग गई, जिससे परिसर में मौजूद छात्रों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। स्कूल के तहखाने से अचानक घना धुआं उठता देख अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने तुरंत अभियान चलाकर स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया और किसी भी तरह के खतरे को टालने के लिए आवश्यक कदम उठाए। एहतियात के तौर पर स्कूल में मौजूद छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। धुएं और आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और पूरी तरह से हालात सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।

महादेवप्पा की आत्महत्या के जिम्मेदारों पर तत्काल कार्रवाई हो : राव

केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद ने भी कड़ी कार्रवाई की मांग की

महादेवप्पा के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि मक्तल नगर पालिका चुनाव में भाजपा प्रत्याशी एरुकला महादेवप्पा द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर से वे गहराई से आहत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नारायणपेट जिले में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए उत्पीड़न और धमकियों के कारण महादेवप्पा ने यह कदम उठाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अनुसूचित जनजाति समुदाय से आने वाले महादेवप्पा स्थानीय कांग्रेस नेताओं के उत्पीड़न को सहन नहीं कर सके। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों पर किया गया। महादेवप्पा मकथल नगरपालिका के छठे वार्ड से चुनाव लड़ रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि माफिया राजनीति और अहंकारी रवैये के कारण महादेवप्पा मानसिक दबाव में आ गए और आत्महत्या कर ली। रामचंदर राव ने राज्य सरकार से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि महादेवप्पा के परिवार को न्याय दिलाने तक भाजपा संघर्ष करती रहेगी। इस मुद्दे को आज केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने संसद में उठाया। उन्होंने आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोकसभा में दिए गए बयान में जी. किशन रेड्डी ने इस दुखद घटना के लिए तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के गृह जिले में चल रही धमकी और डर की राजनीति की कड़ी निंदा की।

राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि जो राहुल गांधी हमेशा संविधान की किताब हाथ में रखते हैं, उन्हें इस घटना पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मकथल पहुंचने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शोकसंतप्त परिवार से मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया और स्थानीय लोगों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं से घटना की पूरी जानकारी ली। बाद में मीडिया से बात करते हुए राव ने कहा कि महादेवप्पा की पत्नी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि उनके पति को चुनाव जीतने का पूरा भरोसा था, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं द्वारा लगातार धमकाने और उत्पीड़न के कारण वे भय के माहौल में जी रहे थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डीजीपी कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की

वार्ड नंबर–6 का चुनाव अस्थायी रूप से रद्द

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को हैदराबाद स्थित डीजीपी कार्यालय के पास तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मकथल नगर पालिका चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी की आत्महत्या के विरोध में कार्यालय में घुसने का प्रयास किया।

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स को धक्का देते हुए कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस द्वारा रोकने पर दोनों के बीच धक्का-मुक्की हुई। बाद में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया और उन्हें पास के पुलिस थाने ले जाया गया। भाजपा नेतृत्व ने मत्स्य मंत्री वकटि श्रीहरि पर आरोप लगाया कि उनके द्वारा किए गए कथित उत्पीड़न के कारण पार्टी प्रत्याशी महादेवप्पा ने चुनाव के दौरान आत्महत्या की। इस बीच, डीजीपी शिवधर रेड्डी ने एक अलग बयान में पुष्टि की कि मकथल में भाजपा प्रत्याशी की आत्महत्या के संबंध में मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। उन्होंने बताया कि महादेवप्पा ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। मकथल नगर के मुख्य केंद्र में चुनाव अधिकारी श्रीराम ने घोषणा की कि भाजपा प्रत्याशी के निधन के कारण वार्ड नंबर–6 का चुनाव अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है।

तेलंगाना पर केंद्र की आर्थिक भेदभाव की नीति, मंत्री का आरोप

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्र सरकार पर दक्षिणी राज्यों, खासकर तेलंगाना के साथ आर्थिक और राजनीतिक भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2018–19 से 2022–23 तक देशभर में वसूले गए करों में दक्षिणी राज्यों का योगदान 22.86 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, लेकिन केंद्र ने केवल 16.3% राशि ही लौटाई। तेलंगाना से 2024–25 में वसूले गए 1,33,208 करोड़ रुपए में से राज्य को केंद्र ने सिर्फ 51,725 करोड़ रुपए जारी किए, जिसमें अधिकांश राशि केंद्र योजनाओं के तहत ही थी। मंत्री ने इसे न केवल आर्थिक असमानता बल्कि राजनीतिक लक्ष्यों से प्रेरित नीति बताया। मंत्री ने जीएसटी और वित्त आयोग अनुदानों में कटौती का हवाला देते हुए कहा कि इससे तेलंगाना को सालाना लगभग 8,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, और राज्य की वित्तीय स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अधिक कर देने वाले राज्यों को दंडित करना और कम कर देने वाले राज्यों को प्रोत्साहित करना केंद्र की नीति बन गई है, जो उत्तर और दक्षिण राज्यों के बीच विभाजन पैदा कर रही है। नागेश्वर राव ने कहा कि केंद्र को सभी राज्यों के साथ समानता बनाए रखनी चाहिए और तेलंगाना को उसका न्यायसंगत हिस्सा तुरंत उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने तेलंगाना के भाजपा नेताओं से अपील की कि वे राज्य के लिए न्यायसंगत हिस्सेदारी की मांग में केंद्र के साथ खड़े हों। मंत्री ने चेतावनी दी कि अन्यथा 'विकसित भारत' का नारा केवल एक शोभायमान नारा बनकर रह जाएगा और वास्तविक विकास असंभव होगा।

आग लगने से सर्विस स्टेशन में खड़ी कारें क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार देर रात राजेंद्रनगर स्थित मारुति सुजुकी सर्विस स्टेशन में आग लग गई, जिससे वहां खड़ी कुछ कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। आग रात करीब एक बजे लगी। सर्विस स्टेशन के पास ही पेट्रोल पंप और आवासीय भवन होने के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही राजेंद्रनगर दमकल स्टेशन से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर सर्विस सेंटर में खड़ी कुछ कारों को बाहर निकाला, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। इमारत से उठती तेज लपटों को देखकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। राजेंद्रनगर पुलिस के अनुसार आग सर्विस सेंटर के पीछे पड़े कबाड़ के ढेर में लगी थी।

हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर से 50 लैपटॉप चोरी

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सीआर राव संस्थान में कथित तौर पर सेंधमारी कर करीब 25 लाख रुपये मूल्य के लगभग 50 लैपटॉप चोरी कर लिए। घटना का पता सोमवार को तब चला, जब संस्थान के कर्मचारियों ने एक कक्षा की खिड़की की ग्रिल टूटी हुई देखी और अंदर रखे लैपटॉप गायब पाए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर कक्षा में प्रवेश किया और वहां रखे लैपटॉप समेट लिए। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों को चोरी किए गए लैपटॉप को एक कार में लोड करते हुए और फिर मौके से फरार होते हुए देखा गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारियों ने गाचीबोवली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence No. ... Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.